किसी भी तरह के
विज्ञापन एवं समाचार
के लिए संपर्क करें मो0:
9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 4 अंकः 197 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) सोमवार 27 अप्रैल 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

ईरान की चेतावनी: अमेरिकी नाकेबंदी जारी रही तो होगा करारा जवाब

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बढ़ा तनाव, वार्ता पर भी अनिश्चितता बरकरार

समाज जागरण

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है कि यदि क्षेत्र में उसकी नौसैनिक नाकेबंदी और हस्तक्षेप जारी रहा, तो उसे इसका करारा जवाब दिया जाएगा। ईरान की मुख्य सैन्य कमान खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने स्पष्ट कहा है कि देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए उसकी सेना पूरी तरह तैयार है।

ईरानी मीडिया में जारी बयान के अनुसार, अमेरिका द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में नौसैनिक नाकेबंदी लागू किए जाने से ईरान के बंदरगाहों से आने-जाने वाले जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। साथ ही, हाल के दिनों में ईरान की ओर जाने वाले कुछ जहाजों के खिलाफ कार्रवाई की भी जानकारी सामने आई है।

ईरान ने कहा कि उसकी सेना पहले से अधिक सशक्त और सतर्क है तथा वह क्षेत्र में सभी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखे हुए है। बयान में यह भी उल्लेख किया गया कि हालिया संघर्ष के दौरान अमेरिकी सेना ईरान की सैन्य क्षमता का आंशिक अनुभव कर चुकी है। ईरानी पक्ष ने यह भी चेताया कि यदि अमेरिका या इजरायल की ओर से दोबारा हमला किया गया, तो इसका और अधिक प्रभावी जवाब दिया जाएगा।

दूसरी ओर, क्षेत्रीय कूटनीतिक प्रयासों में भी गतिरोध बना हुआ है। सऊदी अरब से जुड़े समाचार माध्यम अल अरबिया के अनुसार, ईरान अमेरिकी शर्तों पर वार्ता के लिए तैयार नहीं है। इसी बीच, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर से इस्लामाबाद में मुलाकात की, जहां युद्धविराम और क्षेत्रीय स्थिरता पर चर्चा हुई।

सूत्रों के अनुसार, ईरान ने 28 फरवरी से होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण और सख्त कर दिया था तथा अमेरिका और इजरायल से जुड़े जहाजों के आवागमन पर रोक लगा दी थी। यह कदम दोनों देशों द्वारा किए गए संयुक्त हमलों के बाद उठाया गया था। लगभग 40 दिनों तक चले संघर्ष के बाद 8 अप्रैल को युद्धविराम हुआ, किंतु इसके बाद भी स्थायी समाधान नहीं निकल सका।

11-12 अप्रैल को इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता हुई, लेकिन वह किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। इसके बाद अमेरिका ने जलमार्ग पर अपनी नाकेबंदी और सख्त कर दी। प्रस्तावित नई शांति वार्ता में भाग लेने से भी ईरान ने इनकार कर दिया है, जिसका कारण अमेरिकी शर्तों और सैन्य दबाव को बताया जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है, वहां बढ़ता तनाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक और सामरिक प्रभाव डाल सकता है। ऐसे में क्षेत्र में स्थिरता बहाल करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों की सफलता अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बोंगांव रैली में पीएम मोदी का टीएमसी पर हमला

पश्चिम बंगाल के बोंगांव में आयोजित विजय संकल्प सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए राज्य की वर्तमान स्थिति को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि टीएमसी की निर्ममता ने बंगाल की पहचान मां, माटी और मानुष को गहरा आघात पहुंचाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 15 वर्ष पूर्व टीएमसी मां-माटी-मानुष का नारा देकर सत्ता में आई थी, लेकिन आज वे इन शब्दों का उच्चारण भी नहीं करते। यदि ऐसा करेंगे, तो उनके कार्यों की सच्चाई सामने आ जाएगी।

अप्रैल की लू ट्रेलर, मई से 'अल नीनो' दिखाएगा असली असर: वैश्विक एजेंसी की चेतावनी

भीषण गर्मी, कमजोर मानसून और सूखे का खतरा; भारत समेत दुनिया पर बढ़ेगा असर

समाज जागरण

नई दिल्लीः अप्रैल में पड़ी भीषण गर्मी के बीच अब आने वाले महीनों को लेकर और गंभीर चेतावनी सामने आई है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने संकेत दिया है कि मई 2026 से 'अल नीनो' प्रभाव सक्रिय हो सकता है, जिससे भारत सहित पूरी दुनिया में तापमान में तेज वृद्धि और सूखे जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार मई से जुलाई के बीच अल नीनो के विकसित होने की प्रबल संभावना है। यह एक समुद्री जलवायु घटना है, जिसमें प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र का पानी सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसके चलते वैश्विक मौसम चक्र प्रभावित होता है और कई क्षेत्रों में असामान्य गर्मी, सूखा या अत्यधिक वर्षा देखने को मिलती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अप्रैल में जो गर्मी देखी गई, वह केवल शुरूआत है। मई और जून में तापमान और अधिक बढ़ सकता है। इससे भारत जैसे कृषि-प्रधान देश के लिए चुनौती बढ़ेगी, क्योंकि अल नीनो का सीधा संबंध कमजोर मानसून से माना जाता है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने भी संकेत दिया है कि इस वर्ष मानसून सामान्य से कम रह सकता है। अनुमान के अनुसार वर्षा दीर्घकालिक औसत का लगभग 92 प्रतिशत ही रह सकती है, जो पिछले कुछ वर्षों की तुलना में कम है। यदि ऐसा होता है, तो इसका सीधा असर खेती, खाद्य उत्पादन और महंगाई पर पड़ेगा।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार फिलहाल ला नीना जैसी स्थितियां समाप्त होकर सामान्य अवस्था की ओर बढ़ रही हैं, लेकिन मानसून के दूसरे चरण में अल नीनो का प्रभाव अधिक दिखाई दे सकता है। जुलाई से सितंबर के बीच वर्षा में कमी की आशंका जताई जा रही है।

इतिहास बताता है कि जब भी अल नीनो सक्रिय होता है, वैश्विक तापमान नए रिकॉर्ड बनाता है। वर्ष 2023 और 2024 के अत्यधिक गर्म होने के पीछे भी इसी का प्रभाव माना गया था। अब 2026 में इसकी वापसी से फिर तापमान खतरनाक स्तर तक पहुंच सकता है।

वैश्विक स्तर पर भी इसके व्यापक प्रभाव की आशंका है। रिपोर्ट के अनुसार उत्तरी अमेरिका, यूरोप और उत्तरी अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में तापमान सामान्य से काफी अधिक रह सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन और अल नीनो का संयुक्त प्रभाव दुनिया को एक बड़े पर्यावरणीय और आर्थिक संकट की ओर धकेल सकता है। ऐसे में सरकारों और संबंधित एजेंसियों के लिए समय रहते तैयारी करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हुआ तो बढ़ेगी भूख और महंगाई: संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी

उर्वरक आपूर्ति बाधित होने से करोड़ों लोगों पर मंडराया खाद्य संकट का खतरा

समाज जागरण

संयुक्त राष्ट्र ने होर्मुज जलडमरूमध्य के संभावित बंद होने को लेकर गंभीर वैश्विक संकट की चेतावनी दी है। संगठन का कहना है कि यदि समय रहते स्थिति पर नियंत्रण नहीं पाया गया, तो दुनिया भर में करोड़ों लोग भुखमरी और महंगाई की चपेट में आ सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी संयुक्त राष्ट्र प्रोजेक्ट सर्विसेज कार्यालय ने हाल ही में जारी एक वक्तव्य में बताया कि उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित होने से कृषि उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा। एजेंसी के अनुसार यदि किसानों तक समय पर उर्वरक नहीं पहुंचे, तो लगभग 4.5 करोड़ लोग खाद्य संकट का सामना कर सकते हैं।

यूएनओपीएस के कार्यकारी निदेशक जॉर्ज मोरेइरा दा सिल्वा ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा आने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने चेताया कि यह संकट केवल अल्पकालिक नहीं होगा, बल्कि इसके प्रभाव लंबे समय तक महसूस किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि वर्तमान समय बुआई का है और ऐसे में उर्वरकों की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। यदि यह बाधित होती है, तो कृषि उत्पादन घटेगा और खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी आएगी। इससे लाखों लोग खाद्य असुरक्षा के दायरे में आ सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार खाड़ी क्षेत्र से उर्वरक आयात करने वाले देश जैसे सूडान, सोमालिया और मोजाम्बिक पहले से ही प्रभावित हो रहे हैं। वैश्विक बाजार में उर्वरकों की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया है—यूरिया के दाम में लगभग 65 प्रतिशत और अमोनिया में करीब 40 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह समस्या केवल तैयार उर्वरकों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके कच्चे माल की कीमतों में भी रिकॉर्ड वृद्धि हो रही है, जिससे खेती की लागत बढ़ रही है और इसका असर अंततः आम उपभोक्ता पर पड़ रहा है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने एक विशेष कार्यबल का गठन किया है, जो होर्मुज मार्ग से उर्वरकों की आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए आपातकालीन उपायों पर कार्य कर रहा है।

संगठन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के लिए तत्काल कूटनीतिक कदम उठाएं, ताकि वैश्विक खाद्य संकट को टाला जा सके।

क्या आम आदमी पार्टी में 'महाराष्ट्र मॉडल' दोहराने की आशंका? सियासी हलकों में चर्चाएं तेज

समाज जागरण

नई दिल्लीः राष्ट्रीय राजनीति में इन दिनों आम आदमी पार्टी को लेकर चर्चाओं का दौर तेज है। कुछ विश्लेषणों में यह आशंका जताई जा रही है कि पार्टी के भीतर संभावित मतभेद भविष्य में बड़े सियासी संकट का रूप ले सकते हैं। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

राजनीतिक चर्चाओं में अरविंद केजरीवाल और राघव चड्ढा के संदर्भ में यह सवाल उठाया जा रहा है कि क्या पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर किसी प्रकार का शक्ति-संतुलन बदल सकता है। कुछ विश्लेषकों ने महाराष्ट्र की घटनाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां उद्धव ठाकरे और अजित पवार के साथ हुए राजनीतिक घटनाक्रम ने दलों की आंतरिक संरचना पर बड़ा प्रभाव डाला था।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि किसी दल के सांसदों या विधायकों का बड़ा समूह अलग रुख अपनाता है, तो मामला केवल दलबदल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पार्टी की वैधता, संगठनात्मक नियंत्रण और चुनाव चिह्न पर भी प्रश्न खड़े हो सकते हैं। हालांकि इसके लिए संवैधानिक और कानूनी प्रक्रियाएं अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं।

दलबदल विरोधी कानून के तहत किसी भी जनप्रतिनिधि को अयोग्यता से बचने के लिए निर्धारित शर्तों का पालन करना होता है। केवल संसदीय दल का अलग होना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि मूल राजनीतिक दल के स्तर पर निर्णय महत्वपूर्ण माना जाता है। इस प्रक्रिया में चुनाव आयोग और संबंधित सदन के पीठासीन अधिकारी की भूमिका निर्णायक होती है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वर्तमान दौर में दलों के भीतर नेतृत्व, रणनीति और भविष्य की दिशा को लेकर मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन उन्हें लेकर अटकलों और वास्तविक घटनाओं के बीच अंतर करना आवश्यक है।

फिलहाल, आम आदमी पार्टी की ओर से किसी बड़े विभाजन या संकट की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आने वाले समय में पार्टी के भीतर की स्थिति क्या रूप लेती है और क्या ये चर्चाएं केवल राजनीतिक कयास ही साबित होती हैं या वास्तविक घटनाक्रम का हिस्सा बनती हैं।

RSS अब उस योग्य नहीं रही कि बच्चे उनके लिए पैदा किए जाएँ : अजीत भारती

बागेश्वर धाम प्रमुख के बयान के बाद सामाजिक माध्यमों पर विवाद, एक संगठन की भूमिका पर भी टिप्पणी

समाज जागरण

नई दिल्ली, 26 अप्रैल 2026: देश में चार संतान उत्पन्न करने संबंधी वक्तव्य को लेकर बहस तीव्र हो गई है। बागेश्वर धाम के प्रमुख के बयान के पश्चात सामाजिक माध्यमों पर पक्ष एवं विपक्ष में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

इसी क्रम में एक टिप्पणीकार ने भी इस विषय पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने अपने सामाजिक माध्यम पर लिखते हुए कहा कि जिन व्यक्तियों का स्वयं पारिवारिक जीवन नहीं है अथवा जो समाज को जातियों में विभाजित करने को राजनीतिक रणनीति मानते हैं, उनके ऐसे वक्तव्यों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि यदि कोई ऐसा व्यक्ति, जिसने स्वयं परिवार स्थापित किया हो और समाज के हित में कार्य कर रहा हो, इस प्रकार का सुझाव देता है, तो उस पर विचार किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बागेश्वर धाम प्रमुख को अपने वक्तव्य को चार संतान उत्पन्न करने तक ही सीमित रखना चाहिए था।

इस दौरान उन्होंने एक संगठन की वर्तमान स्थिति पर भी प्रश्न उठाए तथा उसके नेतृत्व की आलोचना की।

उल्लेखनीय है कि उक्त वक्तव्य के बाद यह विषय सामाजिक माध्यमों पर व्यापक रूप से चर्चा का केंद्र बन गया है। एक ओर जहां समर्थक इसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक संदर्भ में उचित ठहरा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कई लोग इसे अनावश्यक एवं विवादास्पद बता रहे हैं।

वर्तमान में यह मुद्दा सामाजिक एवं वैचारिक विमर्श का प्रमुख विषय बन गया है।

कोहली-पडिक्कल की तूफानी पारियां, सुदर्शन का शतक बेअसर; आरसीबी की शानदार जीत

समाज जागरण

बेंगलुरुः इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 34वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ आरसीबी ने हार के बाद दमदार वापसी करते हुए अंकतालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया।

206 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरूआत धीमी रही, लेकिन इसके बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने मैच का रुख पलट दिया। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 115 रनों की शानदार साझेदारी हुई। पडिक्कल ने 27 गेंदों में 55 रन की तेजतर्रार पारी खेली, जबकि कोहली ने 44 गेंदों में 81 रन बनाकर टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया।

कोहली ने अपनी इस पारी के दौरान दो बड़े कीर्तिमान भी अपने नाम किए—वह आईपीएल में 800 चौके लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने, जबकि 300 छक्कों का आंकड़ा पार करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए।

अंतिम ओवरों में क्रुणाल पंड्या (नाबाद 23) और टिम डेविड (नाबाद 10) ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम को 7 गेंद शेष रहते लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरूआत शानदार रही। शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 128 रन जोड़े। सुदर्शन ने 58 गेंदों में 100 रन की शानदार शतकीय पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उन्होंने इस दौरान सबसे कम पारियों में 2000 आईपीएल रन पूरे करने का रिकॉर्ड भी बनाया।

हालांकि, आरसीबी के गेंदबाजों ने अंतिम ओवरों में वापसी करते हुए गुजरात को 206 रन तक ही सीमित रखा। इस जीत के साथ आरसीबी के 7 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक हो गए हैं और टीम दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, गुजरात टाइटंस को 7 मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा और टीम अंकतालिका में सातवें स्थान पर खिसक गई है।

यह मुकाबला दर्शाता है कि बड़े स्कोर के बावजूद मजबूत साझेदारी और संयमित अंत खेल किसी भी मैच का परिणाम बदल सकते हैं।

टूटे भरोसे की रात

शहनाइयों की गूँज में,
सपनों से सजी एक रात,
मेहंदी में रंगे अरमान, दिल
में 'जीवन' का साथ।

उस उजली दहलीज पे,
अँधेरा कुछ उतर आया,
जिसने थामा हैं हाथ, वही
विश्वास यूं तोड़ गया।

नैनों में थे कल ख़्वाब,
आज सवालों से भर गए,
जिसे कहा अपना जग, वो
जख्मों में बदल गए।

यह एक कहानी नहीं, नारी
पीड़ा की आवाज है,
सम्मान जहाँ टूटता है,
इंसानियत भी लाचार है।

उठेंगे स्वर 'न्याय' के लिए,
खामोशी नहीं सहना,
हर आँसू का हिसाब हो,
सच को राह है मिलना।

नारी जीवन का मान है,
इसे कभी न गिरने देना,
जो टूटे हैं भरोसे कहीं,
उन्हें फिर से जुड़ने देना।

संजय एम तराणेकर

लोकप्रियता से विवाद तक का सफर

राघव चड्ढा का हालिया राजनीतिक निर्णय केवल संसदीय गलियारों या राजनीतिक दलों के बीच की एक साधारण घटना नहीं है बल्कि इसने अंतर्जाल की आभासी दुनिया में भी अत्यंत गहरा और अभूतपूर्व प्रभाव छोड़ा है। आम आदमी पार्टी से भारतीय जनता पार्टी में उनका सम्मिलित होना एक सामान्य राजनीतिक घटनाक्रम की तरह प्रतीत हो सकता था परंतु कुछ ही घंटों के भीतर इसने सामाजिक संवाद के माध्यमों पर एक बड़े वैचारिक और संख्यात्मक बदलाव को जन्म दे दिया। विशेष रूप से छायाचित्र साझा करने वाले प्रमुख वैश्विक मंच पर उनके अनुगामियों की संख्या में आई आकस्मिक गिरावट ने इस तथ्य को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया कि वर्तमान समय में राजनीति केवल विचारधारा या चुनावी कूटनीति तक सीमित नहीं रह गई है बल्कि यह सीधे तौर पर जनता की संवेदनाओं और उनकी तत्काल आभासी प्रतिक्रियाओं से जुड़ गई है। उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि जिस दिन उन्होंने अपने राजनीतिक दल के परिवर्तन की सार्वजनिक घोषणा की थी उस समय उनके व्यक्तिगत खाते पर लगभग 14.6 मिलियन अनुगामी उपस्थित थे। इस घोषणा के मात्र 24 घंटे के भीतर यह संख्या तीव्रता से घटकर लगभग 13.3 मिलियन से 13.5 मिलियन के मध्य पहुँच गई। इसका प्रत्यक्ष अर्थ यह है कि लगभग 10 लाख से 11 लाख लोगों ने अत्यंत अल्प समय में उन्हें अननुगामित कर दिया। आंकड़ों में आई यह भारी गिरावट केवल गणितीय अंकों का खेल नहीं है बल्कि यह उस तीव्र भावनात्मक प्रतिक्रिया और रोष को दर्शाती है जो उनके समर्थकों के मध्य उत्पन्न हुई।

यह घटना इसलिए भी विशेष महत्व रखती है क्योंकि राघव चड्ढा की छवि लंबे समय से एक ऐसे युवा राजनेता की रही है जो पारंपरिक और रूढ़िवादी राजनीति की परिधि से बाहर दिखाई देते थे। उनकी पहचान केवल एक सांसद के रूप में स्थापित नहीं थी बल्कि वे एक ऐसे सार्वजनिक चेहरे के रूप में उभरे थे जिसने निरंतर युवाओं के ज्वलंत मुद्दों को स्वर दिया। उन्होंने अस्थायी सेवा कर्मियों, वितरण कर्मचारियों, पितृत्व अवकाश और तीव्र वितरण सेवाओं जैसे समकालीन विषयों को सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाने का सफल प्रयास किया था। यही प्रमुख कारण था कि उनके अनुगामियों में बहुत बड़ी संख्या उस युवा वर्ग की थी जिसे प्रायः नई पीढ़ी या आधुनिक युग की संतति कहा जाता है। परंतु जैसे ही उन्होंने अपनी राजनीतिक दिशा और निष्ठा को बदलने का निर्णय लिया उसी वर्ग की प्रतिक्रिया सबसे अधिक प्रखर और तीखी दिखाई दी। सामाजिक संवाद के मंचों पर अचानक एक संगठित अननुगामी अभियान प्रारंभ हो गया जिसमें सहस्त्रों नहीं अपितु लाखों लोगों ने सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी दर्ज की। इस अभियान ने वैश्विक स्तर पर यह सिद्ध कर दिया कि आभासी मंचों पर मिलने वाला जनसमर्थन अत्यंत अस्थिर हो सकता है और वह क्षण भर में विपरीत दिशा में मुड़ सकता है। जो लोग पूर्व में उनके समर्थन में सक्रिय थे वही लोग कुछ ही घंटों के भीतर उनके विरोध में खड़े दिखाई देने लगे।

इस संपूर्ण घटनाक्रम को गहराई से समझने हेतु यह देखना अनिवार्य है कि सामाजिक संवाद के ये आधुनिक माध्यम आज केवल मनोरंजन या सूचना के स्रोत नहीं रह गए हैं। ये अब एक प्रकार के तत्काल जनमत संग्रह के केंद्र बन चुके हैं जहाँ साधारण जन अपनी राय को तुरंत और प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। पूर्व के समय में जहाँ किसी राजनेता की लोकप्रियता का आकलन केवल चुनाव परिणामों, जनसभाओं की भीड़ या मतपेटियों से किया जाता था वहीं अब अनुगामियों की संख्या और उन पर प्राप्त होने वाली प्रतिक्रियाएं भी लोकप्रियता का एक अपरिहार्य मापदंड बन गई हैं। राघव चड्ढा के प्रकरण में यह विषय भी चर्चा का केंद्र बना कि उनके पुराने आभासी संदेशों और लेखों में कुछ संपादन या परिवर्तन किए गए। कुछ समाचार रिपोर्टों में यह तथ्य उभरकर सामने आया कि उन्होंने अपने आधिकारिक खातों से पूर्व में किए गए आलोचनात्मक लेखों को या तो पूरी तरह हटा दिया या उनकी संख्या कम कर दी। इस गतिविधि से जनमानस में यह धारणा सुदृढ़ हुई कि उनकी आभासी छवि को नए राजनीतिक वातावरण और नई पार्टी की नीतियों के अनुरूप ढाला जा रहा है। इस प्रकार की गतिविधियों ने आलोचना की अग्नि में घी डालने का कार्य किया क्योंकि उनके राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों ने इसे एक शुद्ध अवसरवादी कदम के रूप में प्रस्तुत किया।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और उल्लेखनीय पक्ष यह है कि यह प्रतिक्रिया केवल सामान्य उपयोगकताओं तक ही सीमित नहीं रही बल्कि कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों और सार्वजनिक जीवन के प्रभावशाली लोगों ने भी उन्हें अननुगामित करने का निर्णय लिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह आक्रोश केवल व्यक्तिगत या भावनात्मक स्तर पर नहीं था बल्कि यह एक व्यापक सामाजिक और बौद्धिक प्रतिक्रिया थी जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोग सम्मिलित थे। राजनीति के विशेषज्ञों का यह तर्क है कि इस घटना के पीछे केवल एक दल बदलने का निर्णय नहीं है बल्कि उस निर्णय से जुड़ी जन-अपेक्षाएं और विश्वास का भंग होना सम्मिलित है। जब कोई राजनेता अपनी विशिष्ट पहचान एक विशेष विचारधारा या नैतिकता के आधार पर निर्मित करता है तो उसके समर्थक उसी वैचारिक धरातल पर उससे जुड़ते हैं। यदि वह राजनेता अचानक उस दिशा से पूर्णतः विपरीत कोई कदम उठाता है तो उन समर्थकों के लिए इस आकस्मिक बदलाव को स्वीकार करना और उसके साथ समन्वय बिठाना अत्यंत कठिन हो जाता है। यह स्थिति विश्वास के संकट को जन्म देती है जिसका परिणाम हम आंकड़ों की गिरावट के रूप में देखते हैं।

इस घटना ने यह भी प्रमाणित कर दिया है कि आभासी समर्थन कभी भी स्थायी संपत्ति नहीं होता। यह निरंतर बदलती परिस्थितियों और राजनेता के व्यवहार के अनुसार परिवर्तित होता रहता है। किसी नेता के पास लाखों की संख्या में अनुगामी होना उसकी चिरस्थायी लोकप्रियता का प्रमाणपत्र नहीं है। यह केवल उस विशिष्ट समय की मनोदशा को प्रतिबिंबित करता है। जैसे ही परिस्थितियां बदलती हैं या नेता के आचरण में विरोधाभास दिखाई देता है वैसे ही यह समर्थन रेत के महल की भांति ढह सकता है। इसके साथ ही यह गंभीर प्रश्न भी उपस्थित होता है कि क्या आभासी दुनिया में आई इस गिरावट का वास्तविक धरातल की राजनीति पर कोई निर्णायक प्रभाव पड़ेगा। राजनीतिक इतिहास के पन्ने यह बताते हैं कि सामाजिक मंचों की प्रतिक्रिया और वास्तविक चुनावी परिणाम सदैव एक समान नहीं होते। कई बार आभासी मंचों पर प्रचंड विरोध दिखाई देता है परंतु जमीनी स्तर पर उसका प्रभाव बहुत सीमित रहता है। इसलिए वर्तमान में यह कहना समय पूर्व होगा कि इस घटना से उनके दीर्घकालिक राजनीतिक भविष्य पर क्या और कितना प्रभाव पड़ेगा।

तथापि यह स्वीकार करना भी अनिवार्य है कि इस संपूर्ण प्रकरण ने उनकी सार्वजनिक छवि को निश्चित रूप से प्रभावित किया है। किसी भी सार्वजनिक जीवन जीने वाले व्यक्ति विशेषकर एक राजनेता के लिए जनता का विश्वास ही उसकी सबसे बड़ी और वास्तविक पूंजी होती है। जब उस विश्वास की नींव पर ही प्रश्नचिह्न अंकित होने लगें तो उसे पुनः स्थापित करना कोई सरल कार्य नहीं होता। इसके लिए केवल सुंदर वक्तव्य या विज्ञापन के माध्यम से किया गया प्रचार पर्याप्त नहीं होता बल्कि इसके लिए निरंतर कार्य, नैतिक स्पष्टता और एक पारदर्शी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। इस पूरे मामले में एक और रोचक पक्ष यह है कि अंतर्जाल की गति और उसके व्यापक प्रभाव ने राजनीति के व्याकरण को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया है। पहले के युग में जहाँ किसी भी राजनीतिक निर्णय के प्रभाव को समझने और मापने में महीनों या वर्षों का समय लग जाता था वहीं अब मात्र कुछ ही घंटों में उस निर्णय की व्यापक प्रतिक्रिया जनता के सामने आ जाती है। यह परिवर्तन आधुनिक नेताओं के लिए एक बड़ी चुनौती भी है और एक अवसर भी। यदि वे सही और ईमानदार तरीके से इन माध्यमों का उपयोग करें तो वे सीधे जनता से संवाद स्थापित कर सकते हैं और अपनी नीतियों को स्पष्ट कर सकते हैं। परंतु यदि वे ऐसा करने में विफल रहते हैं या उनके कार्यों में कथनी और करनी का अंतर दिखता है तो यही माध्यम उनके विरुद्ध एक शक्तिशाली शस्त्र के रूप में भी कार्य कर सकता है। राघव चड्ढा के मामले में यह दूसरी स्थिति अधिक प्रबलता से दिखाई देती है जहाँ उनकी वर्षों में निर्मित आभासी छवि अचानक एक बड़ी चुनौती के घेरे में आ गई है।

यह संपूर्ण घटना केवल एक व्यक्ति विशेष की कथा नहीं है बल्कि यह आधुनिक राजनीति के परिवर्तित होते हुए व्याकरण का एक सटीक उदाहरण है। यह इस तथ्य को रेखांकित करती है कि आज का मतदाता और नागरिक केवल मतदान दिवस पर ही सक्रिय नहीं होता बल्कि वह राजनेता के प्रत्येक निर्णय और गतिविधि पर सूक्ष्म दृष्टि रखता है और उस पर त्वरित प्रतिक्रिया देता है। अंततः यह कहा जा सकता है कि राघव चड्ढा के अनुगामियों में आई यह भारी कमी एक प्रतीक के रूप में कार्य करती है जो हमें यह चेतावनी देती है कि इस तीव्र गति वाले युग में राजनीति कितनी चंचल और अनिश्चित हो गई है। यह घटना राजनेताओं के लिए एक सबक भी है कि लोकप्रियता प्राप्त करना जितना कठिन है उससे कहीं अधिक कठिन उसे नैतिकता और निरंतरता के साथ बनाए रखना है। आने वाले समय में यह देखना अत्यंत रोचक होगा कि क्या वे इस भीषण चुनौती को पुनः एक अवसर में परिवर्तित कर पाने में सफल होते हैं या यह घटना उनकी राजनीतिक छवि पर एक स्थायी और अमिट प्रभाव छोड़ जाती है। राजनीति और अंतर्जाल का यह संगम आने वाले वर्षों में जनमत के निर्माण की प्रक्रिया को और भी अधिक जटिल और दिलचस्प बनाने वाला है।

महेन्द्र तिवारी

लू की हवा का प्रकोप, कैसे सांस लेंगे हम। प्रकृति का बेरहमीं से दोहन।

बेरहम तथा अप्राकृतिक प्रकृति के दोहन का परिणाम अब अपने चरम परिणामों के साथ हमारे सामने खड़ा है। आने वाले महीनों में मौसम वैज्ञानिकों ने जिस तीव्र गर्मी की आशंका जताई है, वह केवल मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं बल्कि दशकों से जारी प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन का प्रत्यक्ष परिणाम है। इंटरगवर्नमेंटल क्लाइमेटिक चेंज स्टडीज की नवीनतम रिपोर्टें स्पष्ट करती हैं कि वैश्विक तापमान औद्योगिक क्रांति के बाद लगभग 1.1 से 1.2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ चुका है और यदि वर्तमान उत्सर्जन दर जारी रही तो 2030 के दशक में यह 1.5 डिग्री की सीमा को पार कर जाएगा। वर्ल्ड मेटियोरोलिजकल ऑगेर्नाइजेशन ने हाल ही में चेतावनी दी है कि पिछले आठ वर्ष मानव इतिहास के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं और दक्षिण एशिया विशेष रूप से चरम हीटवेव की चपेट में है। जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हुआ, परंतु विडंबना यह है कि स्वतंत्रता के बाद भी हमने उसी मॉडल को और तीव्र रूप में अपनाया, परिणामस्वरूप मनुष्य तो स्वतंत्र हुआ पर प्रकृति आज भी बंधनों में जकड़ी रही। यूनाइटेड नेशंस एनवायरमेंटल एजेंसी के अनुसार दुनिया हर वर्ष लगभग 1 करोड़ हेक्टेयर वन क्षेत्र खो रही है, और भारत भी इससे अछूता नहीं है, जहाँ शहरीकरण और औद्योगीकरण की तेज रफ्तार ने जंगलों, जलस्रोतों और जैव विविधता पर गंभीर दबाव डाला है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी, किंतु हमने विकास को उपभोग और विस्तार की अंधी दौड़ बना दिया, मशीनें जितनी विशाल होती गईं, मनुष्य उतना ही प्रकृति से दूर और बौना होता गया। फूड एंड एग्रीकल्चर ऑगेर्नाइजेशन के आंकड़े बताते हैं कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से विश्व की लगभग 33 प्रतिशत भूमि की उर्वरता प्रभावित हुई है, भारत में भी कई क्षेत्रों में मिट्टी की गुणवत्ता तेजी से गिर रही है और भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा रहा है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत विश्व के उन देशों में शामिल है जहाँ जल संकट तेजी से गहराता जा रहा है और 2030 तक देश की जल मांग उपलब्ध संसाधनों से दोगुनी हो सकती है। जब से हमने विकास के नाम पर उद्योगों की चिमनियाँ ऊँची कीं, मोबाइल क्रांति का बटन दबाया और डिजिटल संसार में प्रवेश किया, तब से प्रकृति की ध्वनियाँ धीमी पड़ती चली गईं, झरनों का कलकल स्वर, पक्षियों का कलरव और नदियों की जीवनदायिनी धारा जैसे विलुप्त होती जा रही है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अनुसार भारत के कई प्रमुख शहरों की वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुँच चुकी है, वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुमान है कि वायु प्रदूषण के कारण हर वर्ष लाखों समयपूर्व मृत्यु हो रही हैं। अब प्रश्न यह है कि विकास के नाम पर हमें केवल डिजिटल इंडिया चाहिए या हरित भारत की भी आवश्यकता है, क्या बच्चों के हाथ में केवल इंटरनेट देकर हम भविष्य सुरक्षित कर लेंगे या उन्हें स्वच्छ हवा, जल और हरियाली भी देनी होगी। हरा-भरा हिंदुस्तान और डिजिटल इंडिया विरोधी नहीं बल्कि पूरक हो सकते हैं, बशर्ते हम संतुलन बनाना सीखें। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा संस्थान के अनुसार नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ना ही जलवायु संकट से निपटने का सबसे प्रभावी उपाय है और भारत ने सौर तथा पवन ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति भी की है, फिर भी यह प्रयास पर्याप्त नहीं है जब तक कि हम उपभोग की प्रवृत्ति को नियंत्रित न करें। महात्मा गांधी का यह कथन आज और भी प्रासंगिक हो उठता है कि पृथ्वी सभी की आवश्यकताओं को पूरा कर सकती है, किंतु किसी एक के लालच को नहीं। भारत की विडंबना यह है कि एक ओर महानगरों की चकाचौंध, मेट्रो, डिजिटल नेटवर्क और ऊँची इमारतें हैं, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण भारत में आज भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, किसान पसीना बहा रहा है और बच्चे दीपक या कैरोसिन की रोशनी में पढ़ रहे हैं, यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि विकास के असंतुलित मॉडल की भी देन है। नीति आयोग की रिपोर्टों में भी जल संकट, कृषि संकट और पर्यावरणीय असंतुलन को गंभीर चुनौती के रूप में रेखांकित किया गया है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि विकास का रास्ता हरित क्रांति, सतत संसाधन उपयोग और पर्यावरण संरक्षण से होकर ही गुजरता है, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायोगैस, ज्वार-भाटा ऊर्जा जैसे विकल्प केवल विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता बन चुके हैं। यदि जल, खनिज और प्राकृतिक संसाधन ही समाप्त हो गए तो न तो उद्योग चलेंगे, न ऊर्जा उत्पादन होगा और न ही डिजिटल इंडिया का सपना साकार होगा। किसी कवि की पंक्ति आज सच लगती है कि यदि घर बनाओ तो एक पेड़ भी लगा लेना, क्योंकि वही पेड़ आने वाली पीढ़ियों की सांसों का आधार बनेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम विकास की परिभाषा को पुनः परिभाषित करें, उसे केवल आर्थिक प्रगति नहीं बल्कि पर्यावरणीय संतुलन, सामाजिक समानता और मानवीय संवेदनाओं के साथ जोड़ें, तभी हम अपनी 141 करोड़ जनसंख्या को स्वच्छ, सुरक्षित और संतुलित भविष्य दे पाएंगे और एक ऐसे भारत का निर्माण कर सकेंगे जहाँ हरित क्रांति और डिजिटल प्रगति साथ-साथ आगे बढ़ें, न कि एक-दूसरे के विकल्प बनकर खड़े हों।

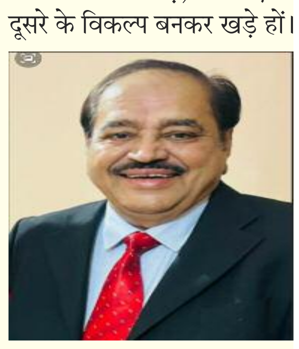

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार, स्तंभकार, चिंतक, लेखक, रायपुर 9009415415,

धर्मांतरण की आड़ में पनपता नया आतंक तुषार से हिजबुल्लाह बनने की खौफनाक दास्तान

धर्म के नाम पर होने वाला परिवर्तन अक्सर एक व्यक्तिगत आस्था का विषय माना जाता है, लेकिन जब यह आस्था किसी के हाथ में बंदूक थमा दे और उसे अपने ही देश के खिलाफ खड़ा कर दे, तो वह आस्था नहीं, बल्कि एक सुनियोजित राष्ट्रीय खतरा बन जाती है। उत्तर प्रदेश के मेरठ और नोएडा से हाल ही में सामने आई तुषार चौहान उर्फ हिजबुल्लाह अली खान की कहानी महज एक धर्मांतरण का मामला नहीं है, बल्कि यह उस हाइब्रिड टेरर मॉडल का जीता-जागता सबूत है जिसे सीमा पार बैठी ताकतें अब भारत में ह्यआउटसोर्सह्ल कर रही हैं। जिस लड़के की रगों में एक स्वतंत्रता सेनानी का खून दौड़ रहा था, जिसका परिवार पीढ़ियों से भारतीय सेना में रहकर देश की सीमाओं की रक्षा करता आया, उसी परिवार का बेटा कट्टरपंथ के इस डिजिटल मकड़जाल में फंसकर खुद को ह्यअल्लाह की फौजह्ल यानी हिजबुल्लाह का सिपाही समझने लगा। यह घटना न केवल सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ाने वाली है, बल्कि समाज के उस हिस्से के लिए भी खतरे की घंटी है जो सोशल मीडिया की चकाचौंध में अपने बच्चों के बदलते व्यवहार को भांप नहीं पा रहे हैं।

आतंकवाद का यह नया मॉडल बेहद शातिर और घातक है। इसमें अब सीधे तौर पर हथियारबंद घुसपैठ की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने इस काम को शहजाद भट्टी जैसे गैंगस्टरों और कट्टरपंथी यूट्यूबर्स को सौंप दिया है। ये लोग सोशल मीडिया को एक भर्ती केंद्र की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। इनका शिकार वे युवा बन रहे हैं जो मानसिक रूप से थोड़े कमजोर हैं या जिन्हें धार्मिक कट्टरपंथ के नाम पर आसानी से बरगलाया जा सकता है। तुषार के मामले में भी यही हुआ। उसे पहले सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में लाया गया, फिर धीरे-धीरे उसके मन में मौजूदा व्यवस्था और अपने ही मूल धर्म के खिलाफ जहर भरा गया। धर्मांतरण तो सिर्फ एक औपचारिकता थी, असली मकसद तो उसका ब्रेनवॉश करके उसे एक किलिंग मशीन में तब्दील करना था। तुषार का तुषार से हिजबुल्लाह बनना यह दशार्ता है कि कट्टरपंथ की खुराक उसे इस कदर दी गई कि वह अपनी गौरवशाली पारिवारिक विरासत को भूलकर उन लोगों की जान लेने पर उतारू हो गया जो उसकी हिटलिस्ट में थे।

सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात इस आतंकी मॉडल की हिटलिस्ट है। आमतौर पर आतंकी संगठनों के निशाने पर सुरक्षा बल या राजनेता होते हैं, लेकिन हिजबुल्लाह बने तुषार को जो काम सौंपा गया था, वह समाज को अंदर से खोखला करने वाला था। उसकी सूची में वे एक्स-मुस्लिम शामिल थे जिन्होंने अपनी स्वतंत्र सोच से इस्लाम छोड़ दिया था। यह कट्टरपंथ का वह चरम है जहां व्यक्तिगत पसंद और अभिव्यक्ति की आजादी के लिए कोई जगह नहीं बचती। अगर कोई अपनी मर्जी से जीवन जीना चाहे, तो उसे दुश्मन मान लिया जाता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जो सामरिक रूप से दिल्ली के बेहद करीब है और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील माना जाता है, अब इस खतरनाक प्रयोग की प्रयोगशाला बनता जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में बिजनौर, गाजियाबाद, मेरठ और हापुड़ से हुई गिरफ्तारियां बताती हैं कि आईएसआई का स्लीपर सेल नेटवर्क अब डिजिटल माध्यमों से जमीनी स्तर पर अपनी जड़ें फैला चुका है।

इस पूरे प्रकरण में एक सवाल यह भी उठता है कि क्या हमारा सामाजिक ताना-बाना इतना कमजोर हो गया है कि कोई बाहरी ताकत चंद वीडियो और तकरीरों के जरिए हमारे युवाओं को देशद्रोही बना सकती है? तुषार के पिता और उसकी मां का रोना इस बात की गवाही है कि उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनका बेटा कब उनके हाथों से फिसलकर अंधेरी गलियों में जा पहुंचा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश का इलाका, जहां की कृषि और सेना में भागीदारी की कहानियां प्रसिद्ध रही हैं, वहां सोलर सीसीटीवी कैमरों के जरिए जासूसी करना और संवेदनशील ठिकानों की रेकी करना एक नए तरह के युद्ध का संकेत है। यह युद्ध सीमाओं पर नहीं, बल्कि मोबाइल स्क्रीन और बंद कमरों में लड़ा जा रहा है।

लोकतंत्र में लोक की आस्था का प्रमाण - बम्पर मतदान

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हुआ अभूतपूर्व बम्पर मतदान लोकतंत्र में लोक की आस्था का प्रमाण है। यह राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। यह बताता है कि भारत के आम नागरिक का अपने संविधान, संवैधानिक प्रक्रियाओं और संस्थाओं पर कितना अटूट विश्वास है। राजनैतिक दलों के लिए इस मतदान में क्या छुपा है वो तो 4 मई 2026 को ज्ञात होगा किन्तु जनता जनार्दन अपना कर्तव्य निभाने में जीत चुकी है।

राजनैतिक विश्लेषक बंगाल में बंपर मतदान के पीछे कई कारण बता रहे हैं जैसे कि मतदाता जागरूकता अभियानों में लगातार वृद्धि, महिलाओं और युवाओं की बढ़ती भागीदारी, बेहतर चुनाव प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही स्थानीय मुद्दों पर जागरुकता। बंगाल में एक बड़ा कारण जनमानस में राजनीतिक चेतना जाग्रत होना भी माना जा रहा है। कुछ लोग एसआईआर के कारन कम हुए मतदाताओं को ही इसका एकमात्र कारण बता रहे हैं जबकि कुछ लोग टीएमसी व बीजेपी द्वारा अपने- अपने मतदाताओं को मतदान केंद्रो तक पहुंचाने को भी महत्वपूर्ण कारण मान रहे हैं। चुनावी हिंसा के लिए कुख्यात पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव आयोग द्वारा सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं अतः भयमुक्त वातावरण स्वाभाविक रूप से यहाँ अधिक मतदान का एक कारण है। बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 2 लाख 40 हजार जवानों की तैनाती की गई है और अधिकतर सीटों पर मतदान शांत रहा है। पश्चिम बंगाल में रिकार्ड मतदान ने चुनावी मनोविज्ञान पूरी तरह से बदल दिया है और चुनावी सर्वे करने वाली संस्थाओं को भी हैरान कर दिया है।

सभी के मन में यह प्रश्न है कि क्या भयमुक्त वातावरण में हुआ भारी मतदान बीजेपी के पक्ष में हो रहा है ? इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि बंगाल में भाजपा बहुत मजबूती से करो या मरो के जूनून से चुनाव लड़ रही है। स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा के चालीस स्टार प्रचारकों ने पूरे बिहार को मथ डाला है। ठेठ बंगाली में बोलती स्मृति ईरानी, भीड़ खींचती कंगना रानौत, लोगों का मन मोहती मैथिली के साथ साथ हिंदुत्व को धर देते योगी जी और हिमंता जी और फिर स्वयं गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी जी। भाजपा इतने उत्साह में है कि उसकी ओर से पहले चरण के बाद ही घोषणा तो कर दी गई है कि महाजंगलराज का समापन हो चुका है । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चिंतामुक्त होकर कोलकाता में हुगली नदी के किनारे समय बिता रहे हैं हुए और नौका विहार का आनंद लेते हुए फोटोग्राफी कर पूरी दुनिया को कोलकोता दर्शन करा रहे हैं । ये बात और है कि इससे बंगाल का चुनावी वातावरण गर्म हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मां गंगा का बंगालियों के जीवन में एक विशेष स्थान है, इसका जल एक प्राचीन सभ्यता की भावना को अपने साथ समेटे हुए है। उन्होंने लिखा कि कोलकाता में मैंने हुगली नदी के तट पर कुछ समय बिताया यह मा गंगा के प्रति आभार व्यक्त करने का एक अवसर था। हुगली के तट पर मैंने पश्चिम बंगाल के विकास और महान बंगाली लोगों की समृद्धि के लिए काम करने की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने यह भी बताया कि नौका विहार के दौरान उन्हें प्रसिद्ध विद्यासागर सेतु और हावड़ा ब्रिज को देखने का अवसर मिला।

मृत्युंजय दीक्षित

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

10 मई तक करें बीज बुकिंग, लक्ष्य से अधिक आवेदन पर ई-लॉटरी से होगा चयन

पारदर्शी व्यवस्था के साथ खरीफ 2026 के लिए बीज वितरण में बदलाव

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 26 अप्रैल 2026: कृषि विभाग ने खरीफ 2026 के लिए बीज वितरण प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए पंजीकृत कृषकों से 10 मई तक ऑनलाइन बीज बुकिंग करने की अपील की है। उप कृषि निदेशक राजीव कुमार ने बताया कि इस बार बीज वितरण पहले आओ, पहले पाओ और ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा।

उन्होंने जानकारी दी कि यदि निर्धारित लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, तो लाभार्थियों का चयन ई-लॉटरी प्रणाली के जरिए किया जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जाएगी।

खरीफ 2026 के अंतर्गत कृषक विभिन्न योजनाओं के तहत सामान्य बीज जैसे अरहर, उड़द, मूंग (मिनीकिट बीज सहित) तथा संकर बीज जैसे संकर बाजरा एवं संकर ज्वार के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन बुकिंग अनिवार्य है। किसान स्वयं या जन सेवा केंद्र के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

उप कृषि निदेशक ने स्पष्ट किया कि केवल वही कृषक पात्र होंगे जो कृषि विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत हैं। चयनित कृषक अपने विकास खंड के राजकीय कृषि बीज भंडार से पॉस मशीन पर अंगूठा प्रमाणीकरण के माध्यम से निःशुल्क मिनीकिट बीज प्राप्त कर सकेंगे। वहीं, अनुदानित बीज के लिए कृषकों को निर्धारित अंश जमा करना होगा।

उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था सामान्य एवं मिनीकिट दोनों प्रकार के बीज वितरण पर समान रूप से लागू होगी। अधिक जानकारी के लिए किसान संबंधित कृषि अधिकारियों या बीज भंडार से संपर्क कर सकते हैं।

कृषि विभाग ने सभी पात्र किसानों से समय सीमा के भीतर आवेदन कर योजना का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की है।

नोएडा में अवैध मदिरा पर बड़ी कार्यवाही, ट्रक से 237 पेटी बरामद

हरियाणा से मणिपुर ले जाई जा रही थी मदिरा, चालक गिरफ्तार; कीमत लगभग 20 लाख रुपये

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा, 26 अप्रैल 2026: जिला आबकारी अधिकारी गौतमबुद्ध नगर के नेतृत्व में अवैध मदिरा की बिक्री एवं परिवहन पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। आबकारी विभाग, प्रवर्तन मेरठ तथा थाना नॉलेज पार्क की संयुक्त टीम द्वारा 25 अप्रैल को नॉलेज पार्क-3 क्षेत्र में छापेमारी कर एक ट्रक से भारी मात्रा में अवैध मदिरा बरामद की गई।

कार्रवाई के दौरान शारदा गोल चक्कर से रेलवे क्रॉसिंग की ओर जाने वाले मार्ग पर एक अशोक लीलैंड ट्रक (संख्या एच आर 38 डब्ल्यू एस 6194) को रोका गया। तलाशी लेने पर ट्रक में लकड़ी के बक्सों में छिपाकर रखी गई अंग्रेजी मदिरा बरामद हुई। इसमें 750 मिलीलीटर की 90 पेटी, 375 मिलीलीटर की 95 पेटी तथा 180 मिलीलीटर की 52 पेटी सम्मिलित हैं। इस प्रकार कुल 237 पेटी मदिरा बरामद की गई, जिन पर केवल हरियाणा में विक्रय हेतु अंकित था।

मौके से ट्रक चालक लाखाराम पुत्र जोधाराम, निवासी ग्राम कानासर, जनपद बाड़मेर (राजस्थान) को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में ज्ञात हुआ कि मदिरा को ऑटो पार्ट्स की कूटरचित बिल्टी बनाकर हरियाणा से बिहार एवं पश्चिम बंगाल के मार्ग से होते हुए मणिपुर ले जाया जा रहा था।

उक्त प्रकरण में चालक, ट्रक स्वामी तथा संबंधित आसवनी के विरुद्ध थाना नॉलेज पार्क में भारतीय न्याय संहिता तथा आबकारी अधिनियम की धारा 318 (4), 60, 63 एवं 72 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। बरामद मदिरा का अनुमानित मूल्य लगभग 20 लाख रुपये आंका गया है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध मदिरा के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर एवं सख्ती के साथ संचालित किया जाता रहेगा।

दस्तकारों व पारंपरिक कारीगरों के विकास हेतु विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना संचालित

10 दिवसीय प्रशिक्षण व आधुनिक औजार उपलब्ध, ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा, 26 अप्रैल 2026: जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, गौतमबुद्धनगर के उपायुक्त उद्योग ने जानकारी देते हुए बताया कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के स्थानीय दस्तकारों तथा पारंपरिक कारीगरों के विकास के उद्देश्य से शासन द्वारा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना संचालित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत दर्जी, नाई, हलवाई, बढ़ई, राजमिस्त्री जैसे पारंपरिक कारीगरों की आजीविका को सुदृढ़ कर उनके जीवन स्तर में सुधार किया जाएगा। योजना के तहत चयनित कारीगरों को कौशल उन्नयन हेतु 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद आधुनिक तकनीक पर आधारित उन्नत औजार (टूलकिट) भी वितरित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त लाभार्थियों को प्रचलित मार्जिन मनी योजनाओं के अंतर्गत ऋण सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

पात्रता के संबंध में बताया गया कि आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए तथा वह उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है। इस योजना के लिए किसी प्रकार की शैक्षिक योग्यता अनिवार्य नहीं है, किन्तु आधार कार्ड होना आवश्यक है। साथ ही, आवेदक ने पिछले दो वर्षों में केंद्र या राज्य सरकार से टूलकिट से संबंधित कोई लाभ प्राप्त न किया हो।

योजना के अनुसार एक परिवार (पति-पत्नी) से केवल एक सदस्य ही आवेदन के लिए पात्र होगा तथा पात्रता की पुष्टि हेतु शपथ पत्र देना अनिवार्य होगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना में पात्रता के लिए जाति कोई बाध्यता नहीं है। इच्छुक लाभार्थी विभागीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, गौतमबुद्धनगर से संपर्क कर सकते हैं।

ग्रेटर नोएडा के 22 पार्कों में एलईडी हाईमास्ट लाइटों का शुभारंभ

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने किया लोकार्पण, सार्वजनिक स्थानों पर भी बढ़ी रोशनी

समाज जागरण संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा, 26 अप्रैल 2026: ग्रेटर नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए 22 पार्कों में एलईडी हाईमास्ट लाइटें स्थापित की गई हैं। रविवार को जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने प्राधिकरण अधिकारियों एवं स्थानीय निवासियों की उपस्थिति में इन लाइटों का शुभारंभ किया।

प्राधिकरण के विद्युत अभियांत्रिकी प्रभाग-2 द्वारा सेक्टर-36 एवं 37 के छह-छह पार्कों, सेक्टर पाई-1 के दो पार्कों तथा स्वर्णनगरी के आठ पार्कों में ये लाइटें लगाई गई हैं। इसके अतिरिक्त सेक्टर पी-3, बिल्डर क्षेत्र, ओमीक्रॉन-1 स्थित पार्क (130 मीटर मार्ग), एलजी सोसाइटी के निकट, होंडा कंपनी के प्रवेश द्वार तथा सेक्टर पी-3 मंदिर परिसर के पास भी हाईमास्ट लाइटें स्थापित की गई हैं।

इन परियोजनाओं पर प्राधिकरण द्वारा लगभग 1.90 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं। विधायक धीरेंद्र सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में सुरक्षा एवं सुविधा दोनों में वृद्धि होगी।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व डेल्टा, अल्फा, जीटा, बीटा और गामा जैसे सेक्टरों में भी एलईडी हाईमास्ट लाइटें स्थापित की जा चुकी हैं। पहले अधिकांश पार्कों में सोडियम लाइटें लगी होने के कारण पर्याप्त रोशनी नहीं मिल पाती थी, जिससे निवासियों को कठिनाई होती थी।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के निर्देशानुसार अब सभी पार्कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर चरणबद्ध तरीके से एलईडी हाईमास्ट लाइटें लगाई जा रही हैं। प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा सिंह ने बताया कि जहां-जहां अभी भी सोडियम लाइटें लगी हैं, वहां शीघ्र ही एलईडी हाईमास्ट लाइटें स्थापित की जाएंगी।

इस अवसर पर प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक, अन्य अधिकारीगण तथा स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

टीएमयू में एग्रीकल्चर कॉलेज साइंसेज की दो दिनी नेशनल कॉन्फ्रेंस 27 अप्रैल से होगी

समाज जागरण

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज की ओर से विकसित भारत 2047 के मद्देनजर सतत विकास लक्ष्य–एसडीजीएस पर केंद्रित दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस 27 अप्रैल से मेडिकल लेक्चर थियेटर में आयोजित होगी। कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज के डीन प्रो. प्रवीन कुमार जैन ने यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि कॉन्फ्रेंस में सतत कृषि, जलवायु परिवर्तन, जल प्रबंधन एवं ग्रामीण विकास जैसे विषयों पर मंथन होगा। कॉन्फ्रेंस में व्याख्यान, तकनीकी सत्र, पैनल चर्चा, पोस्टर्स प्रस्तुति आदि होंगे। कॉन्फ्रेंस में मेहमान प्रोसिडिंग का विमोचन भी करेंगे।

कॉन्फ्रेंस में हेमवती बहुगुणा यूनिवर्सिटी, उत्तराखंड के पूर्व कुलपति प्रो. एसपी सिंह, इको संस्कृति कलेक्टिव फाउंडेशन के मानद अध्यक्ष डॉ. एस बिस्वास, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, उत्तराखंड के वैज्ञानिक-ई डॉ. गोपाल कृष्ण, जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, उत्तराखंड के वैज्ञानिक-ई डॉ. केएस कानवाल बतौर मेहमान शामिल होंगे। इनके संग-संग टीएमयू के कुलपति प्रो. वीके जैन और डीन एकेडमिक्स प्रो. मंजुला जैन की भी उल्लेखनीय मौजूदगी रहेगी। कॉन्फ्रेंस सचिव प्रो. गणेश दत्त भट्ट ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में आधा दर्जन से अधिक सूबों के जाने-माने शिक्षाविद्, वैज्ञानिक और शोधार्थी भी शिरकत करेंगे।

रासायनिक आपदा से बचाव के लिए गाइडलाइन जारी, औद्योगिक इकाइयों को जागरूकता बढ़ाने के निर्देश

आपदा से पहले तैयारी और संकट के दौरान सतर्कता पर दिया गया विशेष जोर

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 26 अप्रैल 2026: राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (भारत सरकार) द्वारा रासायनिक आपदाओं के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों को लेकर विस्तृत गाइडलाइंस जारी की गई हैं। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गौतमबुद्धनगर ने जनपद की सभी औद्योगिक इकाइयों के संचालकों एवं प्रबंधकों को इन दिशा-निर्देशों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि रासायनिक आपदा के समय सही जानकारी और सतर्कता से बड़े हादसों को टाला जा सकता है तथा जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। औद्योगिक क्षेत्रों में कर्मचारियों और आसपास के निवासियों को इन गाइडलाइंस की जानकारी देना बेहद जरूरी है।

आपदा से पहले क्या करें:

गाइडलाइन के अनुसार रसायनों का सुरक्षित भंडारण और सही उपयोग बेहद आवश्यक है। किसी भी रसायन का अनावश्यक मिश्रण न करें, क्योंकि इससे विषैली गैसें बन सकती हैं। गैर-खाद्य पदार्थों को उनके मूल कंटेनर में सुरक्षित रखें और उपयोग न किए गए रसायनों का सही तरीके से निपटान करें। खतरनाक क्षेत्रों में धूम्रपान या आग जलाने से बचें।

इसके अलावा आपातकालीन संपर्क नंबर तैयार रखें, सुरक्षित आश्रयों की पहचान करें और परिवार के लिए आपदा प्रबंधन योजना बनाएं। एक आपदा किट भी तैयार रखें, जिसमें जरूरी सामग्री हो।

आपदा के दौरान क्या करें:

रासायनिक आपात स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत सुरक्षित स्थान की ओर निकलें। घर से बाहर निकलते समय चेहरे पर गीला कपड़ा रखें। यदि बाहर निकलना संभव न हो तो घर के दरवाजे और खिड़कियां बंद कर लें। सुरक्षित स्थान पर पहुंचकर पुलिस और स्वास्थ्य सेवाओं को तुरंत सूचना दें।

समुदाय की भूमिका:

गाइडलाइन में समुदाय की भागीदारी को भी अहम बताया गया है। लोगों को रासायनिक खतरों और प्राथमिक उपचार के बारे में जागरूक करें। आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें और अफवाहों से बचें। साथ ही प्रशासन को सही जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि प्रभावी राहत कार्य किया जा सके।

अपर जिलाधिकारी ने कहा कि इन दिशा-निर्देशों का पालन कर औद्योगिक क्षेत्रों में संभावित जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

तोड़फोड़ के आरोपियों के नेपाल भागने की आशंका, चौकी प्रभारी सहित कई कर्मियों पर कार्रवाई

हिंसक श्रमिक आंदोलन की जांच तेज, छह टीमें दबिश में जुटीं

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा, 26 अप्रैल 2026: श्रमिक आंदोलन के दौरान हुई हिंसा और तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल तथा नोएडा पुलिस की संयुक्त टीमें कई राज्यों में लगातार दबिश दे रही हैं। कुछ आरोपियों के नेपाल भाग जाने की आशंका भी जताई जा रही है।

जांच में सामने आया है कि आगजनी और तोड़फोड़ में शामिल अधिकांश चिन्हित आरोपियों के मोबाइल फोन पिछले कई दिनों से बंद हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कुल छह टीमें सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं।

सूत्रों के अनुसार जिन औद्योगिक इकाइयों में तोड़फोड़ हुई है, उनके स्वामी एवं संचालक शीघ्र ही प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से मिलकर हुए नुकसान का विवरण प्रस्तुत करेंगे। बताया जा रहा है कि लगभग पांच सौ कारखानों और कंपनियों में प्रदर्शन के दौरान तोड़फोड़ की गई, जबकि तीस से अधिक वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया।

इस घटना से संबंधित अनेक दृश्य और ध्वनि सामग्री सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हुई है, जिनमें मिर्ची चूर्ण, ज्वलनशील पदार्थों तथा आगजनी का उल्लेख किया गया है। पुलिस इन सामग्रियों के आधार पर संबंधित व्यक्तियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

हिंसक प्रदर्शन के दौरान दर्ज सभी प्रकरणों की जांच के लिए जिला पुलिस द्वारा एक विशेष अन्वेषण दल का गठन किया गया है, जो साक्ष्यों का संकलन कर रहा है। जांच में यह भी सामने आया है कि तोड़फोड़ में कुछ युवतियां भी शामिल थीं, जिनकी पहचान कर ली गई है।

मामले में विदेशी संपर्क की आशंका के दृष्टिगत आतंकवाद निरोधक दल भी जांच में जुटा हुआ है। हाल ही में दो ऐसे युवकों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके विदेशी संचालकों से संपर्क होने की जानकारी मिली है। अब यह जांच की जा रही है कि उनका इस आंदोलन से कोई संबंध तो नहीं है।

इधर, इस प्रकरण में पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई का क्रम भी जारी है। विशेष आर्थिक निर्यात क्षेत्र चौकी के प्रभारी धीरेंद्र मलिक को लाइन हाजिर कर दिया गया है। एक पैरोकार को भी हटाए जाने की चर्चा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इससे पूर्व भी कई अधिकारियों को पद से हटाया जा चुका है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घटना में संलिप्त सभी आरोपियों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इकोविलेज-1 सोसाइटी पर 46 हजार का जुमार्ना, बेसमेंट में कचरा मिलने पर कार्रवाई

प्राधिकरण की जांच में गीले-सूखे कचरे व मलबे का निस्तारण न होने की पुष्टि

समाज जागरण संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा, 26 अप्रैल 2026: ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित इकोविलेज-1 सोसाइटी पर 46,200 रुपये का जुमार्ना लगाया है। यह कार्रवाई बेसमेंट में कचरे का ढेर मिलने तथा गीले-सूखे कचरे एवं निर्माण मलबे का उचित निस्तारण न किए जाने पर की गई।

सोसाइटी निवासियों की शिकायत पर प्राधिकरण की टीम ने मौके का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि बेसमेंट में चारों ओर कचरा जमा था तथा दूषित पानी के कारण दुर्गंध फैल रही थी। इससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे उत्पन्न होने की आशंका बनी हुई थी।

बताया गया कि सोसाइटी में पांच हजार से अधिक परिवार निवास करते हैं, किंतु घरों से निकलने वाले कचरे का पृथक्करण और निस्तारण करने के बजाय उसे बेसमेंट में एकत्र किया जा रहा था।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी के निर्देश पर की गई जांच में सोसाइटी प्रबंधन की लापरवाही उजागर हुई। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक ने बताया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए कचरे का समुचित प्रबंधन नहीं किया जा रहा था।

नियमों के अनुसार अधिक मात्रा में कचरा उत्पन्न करने वाली आवासीय सोसाइटियों को कचरे का निस्तारण स्वयं करना अनिवार्य है। इसके बावजूद सोसाइटी में कचरे का पृथक्करण, प्रसंस्करण तथा निर्माण मलबे के निस्तारण में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं, जिसके चलते कुल 46,200 रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुपालन हेतु नियमित जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने सभी बड़ी आवासीय सोसाइटियों एवं संस्थानों से अपील की कि वे कचरे का उचित प्रबंधन स्वयं करें और शहर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग दें।

प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

टेंडर के बावजूद प्यासे पेड़, सेक्टर-130 में प्राधिकरण व ठेकेदार पर लापरवाही के आरोप

निवासियों ने उठाए सवाल—रखरखाव नहीं, फिर भी हो रहा भुगतान

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा, 26 अप्रैल 2026: सेक्टर-130 में पेड़ों के रखरखाव को लेकर प्राधिकरण और ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। क्षेत्र के निवासियों का आरोप है कि लाखों रुपये के टेंडर जारी होने के बावजूद पेड़-पौधों को समय पर पानी नहीं मिल रहा है, जिससे वे सूखने की कगार पर पहुंच रहे हैं।

आरडब्ल्यूए के उपाध्यक्ष अशोक चौहान ने बताया कि सेक्टर-130 की आंतरिक सड़कों के दोनों ओर लगे पेड़ों में पानी देने के लिए प्राधिकरण द्वारा ठेका दिया गया है, लेकिन ठेकेदार द्वारा न तो पेड़ों के चारों ओर जल संचयन हेतु गड्ढे बनाए गए हैं और न ही नियमित सिंचाई की जा रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पेड़ों के रखरखाव में लापरवाही के बावजूद ठेकेदार को भुगतान किया जा रहा है। साथ ही, प्राधिकरण के उच्च अधिकारी भी लंबे समय से सेक्टर का निरीक्षण करने नहीं पहुंचे हैं।

निवासियों के अनुसार लगभग दो वर्ष पूर्व अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी द्वारा सेक्टर का दौरा किया गया था और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए थे, किंतु आज तक उन निर्देशों का समुचित पालन नहीं हुआ।

स्थानीय लोगों ने प्राधिकरण से मांग की है कि मामले की जांच कर ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की जाए तथा पेड़-पौधों के समुचित रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ क्षेत्र की हरियाली भी बनी रहे।

गौतमबुद्धनगर पुलिस लाइन्स में 566 आरक्षियों की भव्य दीक्षांत परेड सम्पन्न

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने ली सलामी, उत्कृष्ट प्रशिक्षुओं को किया सम्मानित

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा, 26 अप्रैल 2026: पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में पुलिस लाइन्स, गौतमबुद्धनगर स्थित परेड मैदान में आरटीसी में प्रशिक्षित आरक्षियों के प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भव्य दीक्षांत परेड का आयोजन उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर आधारभूत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 566 नवप्रशिक्षित आरक्षियों ने अनुशासन, समर्पण एवं दक्षता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने परेड की सलामी ग्रहण की तथा नवप्रशिक्षित आरक्षियों को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल रोजगार नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति एक महत्वपूर्ण दायित्व है।

उन्होंने आरक्षियों से अपेक्षा की कि वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ आमजन में सुरक्षा और विश्वास की भावना को सुदृढ़ करें। उन्होंने आधुनिक पुलिस व्यवस्था में संवेदनशीलता, तत्परता और निष्पक्षता को अत्यंत आवश्यक बताते हुए कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठा, ईमानदारी और अनुशासन के साथ करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आरक्षियों, प्रशिक्षकों एवं अन्य प्रशिक्षण कर्मियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि इन आरक्षियों ने 21 जुलाई 2025 से प्रशिक्षण प्रारंभ किया था, जिसे प्रशिक्षण निदेशालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 20 अनुभागों में विभाजित कर नौ माह की अवधि में पूर्ण कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान शारीरिक दक्षता, कानून-व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, मानवाधिकार, सामुदायिक पुलिसिंग एवं व्यवहारिक कौशल से संबंधित व्यापक प्रशिक्षण दिया गया।

परेड का संचालन प्रथम परेड कमांडर रिक्रूट आरक्षी राजेश कुमार द्वारा किया गया। विभिन्न विषयों एवं प्रशिक्षण क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अनेक आरक्षियों को सम्मानित किया गया, जिनमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु रिक्रूट आरक्षी आकाश को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, प्रशिक्षकगण तथा अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

यह दीक्षांत परेड नवप्रशिक्षित आरक्षियों के लिए उनके पुलिस जीवन की एक महत्वपूर्ण शुरूआत के रूप में स्मरणीय रही।

टीएमयू फार्मेसी के मेडएथलॉन में बीफार्म फर्स्ट ईयर का जलवा

विजेता खिलाड़ियों को 30 अप्रैल को ऑडिटोरियम में आयोजित फेयरवेल समारोह में किया जाएगा सम्मानित

समाज जागरण

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ फार्मेसी की स्पोर्ट्स प्रतियोगिता मेडएथलॉन में बीफार्म फर्स्ट ईयर का जलवा रहा। बीफार्म फर्स्ट

ईयर की टीम ने टग ऑफ वार और वॉलीबॉल के फाइनल मुकालबे अपने नाम किए, जबकि बास्केटबाल फाइनल, बैटमिंटन सिंगल्स फाइनल, क्रिकेट और बॉक्स क्रिकेट सेमीफाइनल में भी बीफार्म फर्स्ट ईयर के स्टुडेंट्स ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। मेडएथलॉन के तहत कैरम, चेस आदि खेलों की प्रतियोगिताएं भी हुईं। टग ऑफ वॉर प्रतियोगिता का मुकाबला बी.फार्म और एम.फार्म टीमों के बीच खेला गया। प्रतियोगिता में दोनों टीमों के बीच जबर्दस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, लेकिन बी.फार्म टीम ने अपनी शक्ति, समन्वय और रणनीति का शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों सेट अपने नाम किए। क्रिकेट प्रतियोगिता के सभी मैंचों में स्टुडेंट्स की ओर से बीफार्म फर्स्ट ईयर के आरजू चंद्रवंशी ने सर्वाधिक 156 रन बनाए, जबकि फैकल्टी टीम की ओर से कप्तान श्री अभिषेक आनन्द ने सर्वाधिक 136 रनों के संग-संग 04 विकेट भी चटकाए। मेडएथलॉन के तहत बॉक्स क्रिकेट का फाइनल रोमांचक मुकाबले में फार्मडी की टीम ने फैकल्टी की टीम को 38 रनों से यह मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विशाल जैन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। बॉस्केटबाल फाइनल मुकाबले में कुल 24 बॉस्केट में फैकल्टी श्री मिथुल मेमन ने सर्वाधिक 18 बास्केट बनाए। स्पोर्ट्स कोर्डिनेटर डॉ. स्मृति तिवारी ने यह जानकारी साझा करते हुए बताया, इन विजेताओं को 30 अप्रैल को ऑडिटोरियम में आयोजित फेयरवेल समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

बास्केटबॉल का मुकाबला फैकल्टी टीम और बीफार्म प्रथम वर्ष के छात्रों के बीच खेला गया। फैकल्टी टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 24-21 बास्केट से बी.फार्म प्रथम वर्ष की टीम को मात दी। वॉलीबॉल मुकाबले के पहले सेट में बी.फार्म प्रथम वर्ष की टीम ने 15-7, जबकि दूसरे सेट में भी 15-12 से एमफार्म को पराजित कर मुकाबला जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। बी.फार्म प्रथम वर्ष की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों सेट अपने नाम किए। बैडमिंटन सिंगल्स फाइनल और डबल्स फाइनल के मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। बैडमिंटन सिंगल्स फाइनल में बीफार्म थर्ड ईयर के प्रिंस और बीफार्म फर्स्ट ईयर के सुधांशु के बीच मुकाबला खेला गया। प्रिंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों सेट अपने नाम किए। उन्होंने पहला सेट 15-6 से जीता, जबकि दूसरे सेट में 15-7 से जीत दर्ज कर फाइनल अपने नाम किया। डबल्स फाइनल मुकाबले में बीफार्म थर्ड ईयर के प्रिंस और अविनाश की जोड़ी का सामना फैकल्टी टीम के डॉ. मित्थुल मेमन और डॉ. फूल चंद से हुआ। इस मुकाबले में भी प्रिंस और अविनाश की जोड़ी ने बेहतरीन तालमेल और कौशल का प्रदर्शन करते हुए पहला सेट 21-9 और दूसरा सेट में 21-19 से अपने नाम किया।

गुन्नौर कोठी मोहल्ला में सरकारी हेड पंप हुए खराब पानी को तरस रहे लोग

समाज जागरण

गुन्नौर। कस्बा के मोहल्ला कोठी के लोगों को बिना पानी के मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। यह मोहल्ला दलित बस्ती के रूप में जाना जाता है, जहां बीते एक साल से दो हैंडपंप खराब पड़े हैं। कई घरों में निजी नल की सुविधा भी

नहीं है, जिससे लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। लोगो ने बताया कि उनके घरों में पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। सरकारी हैंडपंप खराब होने के कारण उन्हें दूसरों के घरों पर जाकर पानी भरना पड़ता है। इससे रोजाना काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, गीता देवी ने बताया कि उनके घर के सामने लगा सरकारी नल भी पिछले एक साल से खराब पड़ा है। कई बार नगर पंचायत में शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी में पानी जैसी बुनियादी जरूरत पूरी न होना बेहद चिंता का विषय है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द खराब हैंडपंपों को ठीक कराने और पानी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है।

बास्टा में खड़ी कार धू-धू कर जली– गर्मी बनी कारण, बड़ा हादसा टला

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर चांदपुर थाना क्षेत्र के बास्टा गांव में रविवार दोपहर एक खड़ी कार में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही मिनटों में वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि

घटना के समय आसपास भीड़ कम थी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार काफी देर से जिला सहकारी बैंक के पास खड़ी थी। अचानक उसमें से धुआं उठने लगा और फिर आग की लपटें तेज हो गईं। मौके पर मौजूद लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि उस पर काबू नहीं पाया जा सका। कुछ ही देर में कार पूरी तरह जल गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना रविवार को होने के कारण क्षेत्र में सामान्य दिनों से कम भीड़ थी। यदि उस समय वहां अधिक लोग मौजूद होते, तो जनहानि की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था ?

बताया जा रहा है हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है, लेकिन प्रारंभिक जांच में भीषण गर्मी को इसकी मुख्य वजह माना जा रहा है।

मामले में बास्टा चौकी इंचार्ज संदीप पंवार से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि घटना की विस्तृत जानकारी अभी जुटाई जा रही है। फिलहाल, आग लगने के कारणों की जांच जारी है।

अपर पुलिस महानिदेशक को परेड के साथ दी गई सलामी।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। रविवार सुबह पुलिस लाइंस के मैदान पर गर्व और अनुशासन का अनोखा संगम देखने को मिला। उप्र पुलिस के आरक्षी भर्ती-2025 के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके 584 प्रशिक्षु सिपाही जब पासिंग आउट परेड में कदमताल करते हुए पुलिस विभाग का हिस्सा बने तो पूरा माहौल भावुक और उत्साह से भर गया। पूरी यूनीफार्म में सजे प्रशिक्षु सिपाहियों की सधी चाल के साथ अनुशासन, समन्वय, शारीरिक दक्षता एवं पुलिस सेवा के प्रति समर्पण का प्रभावशाली प्रदर्शन किया तो परिजनों की आंखें खुशी से नम हो गईं। अतिथियों ने सेवा, समर्पण और अनुशासन का संदेश दिया।

मुख्य अतिथि एवं अपर पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण उप्र डॉ. बीडी पॉल्सन ने शुभारंभ करते हुए कहा कि परेड में प्रशिक्षुओं को आधुनिक पुलिसिंग, साइबर अपराध, संविधान, मानवाधिकार, लैंगिक संवेदनशीलता, पुलिस कार्यप्रणाली, अनुशासन, नैतिकता, जवाबदेही और व्यावहारिक पुलिस कर्तव्यों का प्रशिक्षण दिया गया था। प्रशिक्षण के दौरान गार्ड ड्यूटी, एस्कॉर्ट ड्यूटी, लॉकअप ड्यूटी, वर्दी अनुशासन, रैंक पहचान, सैल्यूट, योग, खेलकूद एवं सामुदायिक सेवा जैसे विषयों में भी दक्ष बनाया गया है। पुलिस बल में नव आरक्षियों के सम्मिलित होने से कानून-व्यवस्था, जनसुरक्षा और महिला,पुरुष पुलिस बल की क्षमता को और अधिक सुदृढ़ता मिलेगी। यह आयोजन उप्र प्रदेश पुलिस की आधुनिक, संवेदनशील और जनोन्मुखी छवि को और मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण अवसर है। इसके बाद रिक्रूट आरक्षियों की कुल 12 प्लाटूनों द्वारा मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। इसके बाद मुख्य अतिथि और एसएसपी आदित्य लांग्हे ने 12 प्लाटूनों का निरीक्षण किया गया। प्रथम परेड कमांडर के रूप में योगेश शर्मा, द्वितीय कमांडर के रूप में नागेंद्र सिंह, तृतीय कमांडर के रूप में अतुल कुमार रहे। 12 प्लाटूनों द्वारा मुख्य अतिथि को सलामी देते हुए मार्च किया गया। परिसर में उपस्थित पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और परिजनों ने तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया। मौके पर एसपी ग्रामीण अनुज चौधरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शासी निकाय ने प्रधानमंत्री से की भेंट, शताब्दी वर्ष पर स्मारक डाक टिकट जारी

समाज जागरण

नई दिल्ली। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में अग्रणी श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शासी निकाय के सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने संस्थान की उपलब्धियों की सराहना करते हुए इसे राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला केंद्र बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष कॉलेज अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मना रहा है, जो उसकी शैक्षणिक उत्कृष्टता और गौरवपूर्ण परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान की दीर्घकालिक भूमिका और विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान करने वाली पीढ़ियों के निर्माण में इसके योगदान को सराहा।

इस विशेष अवसर पर कॉलेज के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किया गया, जो संस्थान की ऐतिहासिक यात्रा और उपलब्धियों को दर्शाता है।

कमरे में बंद कर जहरीला पदार्थ देकर महिला की मौत केस दर्ज

समाज जागरण

गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र गांव अकबरपुर में दहेज के लोभियों ने रिश्तेदारों के साथ मिलकर कमरे में बंद कर महिला को जहरीला पदार्थ खिलाकर मौत के घाट उतार दिया।

थाना कैला देवी क्षेत्र के गांव कैलमुडी निवासी मृतका के पिता सत्यपाल पुत्र भगवान दास ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी रेनू का विवाह बीते 25 मई 2025 को हिंदू रीति रिवाज के चलते हैसियत के हिसाब से दान दहेज देकर शादी गुन्नौर कोतवाली क्षेत्र के गांव अकबरपुर निवासी गजेंद्र के बेटे कृष्ण के साथ की थी लेकिन शादी के कुछ दिन बाद से ही ससुरालजन बुलेट मोटरसाइकिल की मांग करने लगे आए दिन उसकी बेटी से कहते थे कि दूसरी जगह से शादी में 10 लाख रुपए का दहेज मिल रहा था तेरे पिता ने भरपूर दान दहेज नहीं दिया है और उसके साथ आए दिन मारपीट भी करते थे हालांकि शर्म की वजह से महिला दर्द सहती रही लेकिन बीते शनिवार दोपहर 1:00 बजे के करीब महिला को बुलेट की मांग करते हुए पति कृष्णा, देवर कन्हैया , सास गेंदा देवी व रिश्तेदार, रोहतास, वीरेश, ने मिलकर दहेज की मांग पूरी न होने के चलते कमरे में बंद करके जहरीला पदार्थ देकर मार दिया जिसके चलते उसके जान चली गई गुन्नौर कोतवाली प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तहरीर के आधारपर आरोपी पति कृष्णा देवर कन्हैया , सांस गैंदा देवी , निवासीगढ़ गांव अकबरपुर थाना गुन्नौर जबकि रोहतास पुत्र ना मालूम निवासी बदरई थाना जुनावई, वीरेश पुत्र ना मालूम निवासी फतेहपुर थाना गुन्नौर के खिलाफ दहेज हत्या सुमित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है

बहजोई में दीक्षांत परेड के बाद नवआरक्षियों को पुलिस अधीक्षक ने किया संबोधित

समाज जागरण

बहजोई।पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार द्वारा ईश्वरदास टेक्निकल इन्स्टीट्यूट बहजोई में दीक्षांत परेड समारोह के उपरांत नव नियुक्त रिक्रूट आरक्षियों को संबोधित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने आरक्षियों को पुलिस विभाग के विभिन्न कार्यों एवं दायित्वों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। अपने संबोधन में वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सजग रहने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया तथा आरक्षियों को इनसे निपटने के प्रभावी उपायों के संबंध में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों को तकनीकी

ज्ञान के साथ-साथ संवेदनशीलता एवं सतर्कता भी बनाए रखनी चाहिए इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने अपने अनुभव साझा करते हुए, आरक्षियों को ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं अनुशासन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी रिक्रूट आरक्षियों ने अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा एवं समर्पण के साथ करने का संकल्प लिया

इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत, प्रतिसार निरीक्षक अशोक कुमार, निरीक्षक राधेश्याम शर्मा आदि उपस्थित रहें ।

तीर्थंकर पंचोत्सव: प्रभु श्री नेमि चले राजुल से ब्याह रचाने, पशुओं की चीख सुन हुआ वैराग्य

समाज जागरण

फिरोजाबाद।तीर्थंकर पंचोत्सव में प्रभु श्री नेमि चले ब्याह रचाने। पूज्य गुरुदेव सौभाग्य सागर एवं सुरत्न सागर गुरुदेव के परम सानिध्य में निकाली गई प्रभु श्री नेमि की बारात। लेकिन पशुओं की चीख सुन हुआ वैराग्य और ब्याह छोड़ निकल पड़े आत्म कल्याण की ओर।

नगर में आज प्रातः प्रभु श्री नेमीनाथ की भव्यतम बारात निकली। जो अट्टावाला जैन मंदिर से प्रारम्भ होकर घंटाघर, सदर बाजार, सेंट्रल चौराहा, कम्पनी बाग, बस स्टैंड होते हुए श्री महावीर जिनालय में संपन्न हुई। बारात में ऊंट, घोड़ों के साथ बग्गीयों पर देव लोक के कुबेर इंद्र, यज्ञनायक, ईशान इंद्र, सानत इंद्र, महेन्द्र इंद्र, ब्रह्म इंद्र, ब्रह्मओत्तर इंद्र, लावंत इंद्र, शुक्र इंद्र, कापिष्ट इंद्र, महा शुक्र इंद्र, और भगवान की बुआ विराजे हुए थे और सबसे अंत में मनुष्यों के साथ स्वर्ण बग्गी पर सौधर्म इंद्र अपने साथ प्रभु नेमि कुमार को लिए विराजे हुए थे। प्रभु की बारात में सैकड़ों नर नारी नृत्य करते हुए चल रहे थे। बारात मार्ग में जैन युवा संघर्ष समिति, भारतीय जैन मिलन, जैन मित्र मंडल, पल्लीवाल महा सभा, महिला जैन मिलन ने बारातियों का तिलक लगाकर एवं दुपट्टा उढ़ा कर स्वागत किया।

बारात में बाजे बज रहे थे, शंख-ध्वनि हो रही थी, मंगलगान गाये जा रहे थे और जय-जय शब्दों का नाद सुनाई दे रहा था। नेमिकुमार महाविभूति के साथ विवाह-मण्डप के नजदीक पहुँचे। दूर से ही नेमि के सुन्दर रूप को देखकर राजीमती के हर्ष का पारावार न रहा।इतने में नेमिकुमार के कानों में करुण शब्द सुनाई पड़ा। पूछने पर उनके सारथी ने कहा,महाराज, आपके विवाह की खुशी में बाराती लोगों को मांस खिलाया जाएगा। यह शब्द बाड़े में बन्द पशुओं का है। नेमिकुमार सोचने लगे, इन निरपराध प्राणियों को मारकर खाने में कौन-सा सुख है? यह सोचकर उनके हृदय-कपाट खुल गये, उन्हें संसार से विरक्ति हो गयी। अपने सारथी से कहकर उन्होंने सभी पशुओं को मुक्त कराया । मुक्ति के पथिक ने स्वयं की मुक्ति से पूर्व उन मूक पशुओं को मुक्त करवाकर स्वयं भी विवाह छोड़ कर मोक्ष मार्ग की और निकल गए।

बारात में मुकेश जैन विभव, निमिष जैन, शैलेन्द्र जैन शैली, संजीव जैन एडवोकेट, विजय जैन एडवोकेट, मनोज जैन दद्दा, राहुल जैन एम आर, अशोक भदावर, मनोज जैन जे पी, राजेश जैन आईडिया, विशाल जैन एडवोकेट, धर्मेंद्र जैन रोकी, देवेंद्र जैन रसूलपुर, चंद्र प्रकाश जैन, संजय जैन पी आर ओ, प्रवीण जैन, मनीष जैन किड्स, सौरभ जैन, जितेंद्र जैन टाइगर, महेन्द्र जैन भुल्ली, राजू जैन, धीरेश जैन सिंघई, अनुज जैन तुलसी, अभिषेक जैन, श्रयांश जैन, राजीव जैन, जयंती प्रसाद जैन के साथ सैकड़ों बाराती शामिल थे।

धनगर समाज ने किया मेधावी छात्र सम्मान

समाज जागरण

फिरोजाबाद। टूडंला धनगर महासभा द्वारा गाँव सिकरारी में हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट में उत्तीर्ण 70% से अधिक पाल, बघेल, धनगर समाज के मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया।

सम्मान करते हुए धनगर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष भँवर सिंह धनगर (एडवोकेट) ने कहा कि मेधावी छात्रों को उत्साह वर्धन के लिए पुरस्कृत किया जाना इसलिए आवश्यक हो जाता है क्योंकि बच्चे आज का वर्तमान और कल का भविष्य होते हैं। मेधावी छात्र अपने

परिवार व समाज व देश का नाम रोशन करते हैं। हर माँ-बाप को अपने बच्चों की पढ़ाई पर जोर देना होगा जिससे अगली पीढ़ी शिक्षित बन सके। धनगर समाज के हर व्यक्ति को अपने बच्चों को पढ़ाने पर जोर देना होगा जिससे समाज में डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, राजनेता बनकर देश की सेवा में योगदान देना होगा।

समारोह में प्राची धनगर, साक्षी धनगर, हर्ष धनगर, भरत धनगर, अन्नु धनगर, रजत धनगर, आरती धनगर, प्रियांश धनगर, डेविड धनगर, शुभम धनगर, ईशांत धनगर, निधी, उपासना धनगर आदि मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया तथा सैकड़ों लोगों ने भाग लिया।

नशा मुक्त भारत अभियान 2.0 ऐप का शुभारंभ, निगरानी और समन्वय होगा सुदृढ़

समाज जागरण

नई दिल्ली। मादक पदार्थों की मांग में कमी लाने और अभियान की प्रभावशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए उन्नत नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) 2.0 ऐप का शुभारंभ किया है। यह कदम दवाओं की मांग में कमी के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के अंतर्गत निगरानी एवं संस्थागत समन्वय को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया है।

गौरतलब है कि नशा मुक्त भारत अभियान की शुरुआत 15 अगस्त 2020 को देश के 272 सबसे संवेदनशील जिलों में की गई थी, जिसे बाद में 15 अगस्त 2023 से पूरे देश के सभी जिलों में विस्तारित कर दिया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जनसमुदाय तक पहुंच बनाकर मादक पदार्थों के सेवन के दुष्परिणामों के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाना है। अब तक इस अभियान के तहत देशभर में 8.3 लाख से अधिक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा चुकी हैं, जिनके माध्यम से 26 करोड़ से अधिक लोगों तक संदेश पहुंचाया गया है। इनमें 9.5 करोड़ से अधिक युवा, 6.47 करोड़ से अधिक महिलाएं तथा 28 हजार से अधिक नशा मुक्ति मित्र सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं।

यह उन्नत ऐप 24 अप्रैल 2026 को चंडीगढ़ में आयोजित चिंतन शिविर के दौरान पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया तथा केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार द्वारा संयुक्त रूप से लॉन्च किया गया।

ऐप की प्रमुख विशेषताएं:

यह डिजिटल मंच राज्यों, जिलों और अन्य संबंधित संस्थाओं के लिए एक केंद्रीकृत प्रणाली के रूप में कार्य करेगा। इसके माध्यम से विभिन्न स्तरों पर कार्यान्वयन एजेंसियों के बीच वास्तविक समय में रिपोर्टिंग, निगरानी और समन्वय को सुगम बनाया जाएगा।

ऐप में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए उन्नत सुविधाएं जोड़ी गई हैं। इसके माध्यम से अभियान से जुड़ी गतिविधियों को अपलोड और ट्रैक किया जा सकेगा। साथ ही एक समेकित डैशबोर्ड के जरिए त्वरित जानकारी उपलब्ध होगी।

यह मंच नशा मुक्ति मित्रों के लिए सूचना, शिक्षा और संचार सामग्री भी उपलब्ध कराता है, जिससे जागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाया जा सके। इसके अलावा स्वयंसेवकों को जोड़ने और उनके प्रबंधन के लिए सरल प्रणाली भी विकसित की गई है।

ऐप में शपथ ग्रहण कार्यक्रमों के आयोजन की सुविधा के साथ-साथ नशा मुक्ति हेल्पलाइन और मानसिक स्वास्थ्य सहायता सेवाओं तक भी सीधी पहुंच प्रदान की गई है।

साहब... सचिव हैं या झोलाछाप डॉक्टर

गांव की जिम्मेदारी या मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़

समाज जागरण

गुन्नौर- एक सरकारी जिम्मेदारी... और दूसरी खतरनाक लापरवाही। मामला ऐसा कि सवाल खुद खड़े हो रहे हैं–आखिर साहब ग्राम पंचायत के विकास कार्यों का जिम्मा संभाल रहे हैं या बिना डिग्री के डॉक्टर बनकर लोगों की जिंदगी से खेल रहे हैं?

गुन्नौर तहसील के रजपुरा विकासखंड के गांव बहटकरन निवासी मनोज गोस्वामी, जो कृतिया समेत अन्य ग्राम पंचायतों में सचिव के पद पर तैनात हैं, इन दिनों किसी फाइल या विकास योजना से ज्यादा 'इंजेक्शन और दवाइयों' के लिए चर्चा में हैं। आरोप है कि उन्होंने अपने ही गांव बहटकरन में झोलाछाप क्लीनिक खोल रखा है, जहां दिनभर मरीजों की लाइन लगी रहती है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, सचिव साहब खुलेआम मरीजों का इलाज करते हैं–हर बीमारी की दवा, हर दर्द का इलाज और जरूरत पड़ने पर इंजेक्शन भी। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह सब बिना किसी मान्यता प्राप्त चिकित्सकीय डिग्री या लाइसेंस के किया जा रहा है।

अब सवाल उठता है कि जब पूरा दिन 'डॉक्टरी' में गुजर रहा है, तो ग्राम पंचायत के विकास कार्य कब और कैसे पूरे होते होंगे? क्या सरकारी जिम्मेदारियां अब सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई हैं?

दूसरी ओर, यह भी बड़ा सवाल है कि स्वास्थ्य विभाग और विकासखंड के अधिकारी आखिर क्यों मौन हैं? क्या उन्हें इस पूरे मामले की जानकारी नहीं है, या फिर जानकारी होने के बावजूद आंखें मूंद ली गई हैं?

एक तरफ सरकार ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्रयासरत है, वहीं दूसरी तरफ इस तरह के झोलाछाप इलाज न केवल कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि लोगों की जान के साथ सीधा खिलवाड़ भी हैं।

ग्रामीणों में इस पूरे मामले को लेकर आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है।

अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार विभाग इस 'दोहरी भूमिका' निभा रहे सचिव पर कब तक कार्रवाई करते हैं–या फिर यूं ही गांव की जिम्मेदारी और मरीजों की जिंदगी के बीच यह खतरनाक खेल चलता रहेगा।

विवाद के बाद घर में घुसकर युवक की हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

शादी समारोह में हुए झगड़े का लिया बदला, पुलिस ने अवैध असलहा व वाहन किए बरामद

बिजनौर, 26 अप्रैल 2026: जनपद के चांदपुर क्षेत्र अंतर्गत हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के ग्राम रावटी में पुरानी रंजिश और शादी समारोह में हुए विवाद को लेकर एक युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने घटना में शामिल तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 अप्रैल 2026 को ग्राम रावटी निवासी सुदेश कुमार ने थाना हीमपुर दीपा में तहरीर देकर बताया कि गांव के कुछ युवकों ने उनके घर में घुसकर उन पर और उनके पुत्र सौरभ पर जानलेवा हमला किया। इस दौरान सौरभ गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। इस मामले में पुलिस ने हत्या की धारा 103(1) के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया था।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 20 अप्रैल को एक विवाह समारोह के दौरान शराब को लेकर सौरभ से उनका विवाद हुआ था। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से रात में उसके घर पहुंचकर गोली मारकर हत्या कर दी।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी अंकित पुत्र भूपेंद्र, अतुल पुत्र भूपेंद्र तथा सोकेंद्र उर्फ शौकीन उर्फ शौकी पुत्र छोटन, निवासी ग्राम टूंगरी को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक अवैध तमंचा .32 बोर, खोखा कारतूस, दो मोटरसाइकिलें तथा दो मोबाइल फोन और नकद धनराशि बरामद की है।

इस हत्याकांड का खुलासा करने वाली टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक जयभगवान सिंह, उपनिरीक्षक मुकेश कुमार, मुख्य आरक्षी सचिन पंवार तथा आरक्षी सचिन सार्थक, मोहित कुमार, शशिराम और अनुज कुमार शामिल रहे।

पुलिस अधीक्षक ने टीम की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

सरकारी ट्रामा सेंटर में लापरवाही उजागर

- घायल मरीजों को नहीं मिला स्टेचर, मरीज को गोद मे लेकर गए तीमारदार
- तिमारदार स्टेचर खींचने को मजबूर

समाज जागरण

फिरोजाबाद । सरकारी ट्रामा मरीजों हो रही परेशानी, घायल मरीजों नहीं मिल पा रहा स्टेचर, ऐसी तस्वीर सामने आयी है, क्या सरकारी दावे यही है

- फिरोजाबाद जिले का सरकारी ट्रामा सेंटर इन दिनों बदहाली के आंसू बहा रहा है। यह हम नहीं कह रहे है, तस्वीर बता रही है, तस्वीर रात के अंधेरे की है, कहने को तो ट्रामा सेंटर में करीब 6 से अधिक वार्ड बॉय है, यानि मरीज को लाने ले जाने के लिए, इसके बावजूद मरीजो के स्टेचर को तिमारदारो को खींचना पड़ रहा है, इतना ही नहीं तिमारदार मरीज को गोद में उठाकर लेजाने को मजबूर है, मामले को लेकर बीजेपी नेता ने अपनी आवाज को बुलंद करते हुये आरोप लगाया है, सरकार के नुमाइंदे सरकार को बदनाम करने के लिए पूरा जोर लगा रहे है, इस व्यवस्थाओं के संबंध में कॉलेज के प्रचार्या डॉक्टर योगेश गोयल से बात की गई है तो उनका कहना है कि में मेडिकल शिक्षा से आया हूं मैं शिक्षा विभाग देखता हूं जबकि यह सीएमएस डॉ नवीन जैन को देखना चाहिए सीएमएस डॉ नवीन जैन से बात करो तो उनका कहना है कि मेरी कोई सुनता नहीं है यह सब मेडिकल कॉलेज के लोग हैं इस तरह जनता दोनों अधिकारियों के मध्य पिसकर रह गई है और इलाज के नाम पर भद्दा मजाक किया जा रहा है।

चुनार किला ग्राउंड पर पासिंग आउट पर IG धर्मेंद्र सिंह को 670 जवानों ने दी सलामी

समाज जागरण

मीरजापुर /चुनार किला व समसपुर आर्म पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में670 जवानों की 9 माह की प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद पासिंग आउट चुनार के किला ग्राउंड पर चुनार के ही आरटीसी प्रशिक्षण केंद्र समसपुर से 316 जवान और चुनार आर टी सी में 354आज 26 अप्रैल को दोनों प्रशिक्षण केंद्रों से जिसमें आमद 694 में 670 जवानों ने पास किया। 24 जवानों को पुनः ट्रेनिंग दिया जाएगा। पासिंग आउट के मुख्य अतिथि IG धर्मेंद्र सिंह ने खुली जिप्सी में परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कहां की 9 माह की ट्रेनिंग सभी की पूरी हो गई है।

और कहा कि वर्दी धारण करने के बाद सभी को मिला अधिकार आप सभी पीड़ित को न्याय दिलाएंगे।

सभी जवान आजमगढ़ से JTC कर के चुनार किला में आर्मी पुलिस ट्रेनिंग सेंटर चुनार (APTS) ट्रेनिंग कर आजमगढ़ के लिए सभी जवान जाएंगे पासिंग आउट के समय जवानों के फैमिली भी मौजूद रही किला ग्राउंड पर यह पल सभी जवानों के परिवारों का भाऊक पल रहा।

ग्राउंड पर उपस्थित पुलिस उपाधीक्षक गणेश कुमार गुप्ता, आर आई जनार्दन यादव ,सूबेदार रामाश्रय यादव, जेएस पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर अखिलेश सिंह, पूर्व नगर पालिका परिषद सभासद राजेश यादव उर्फ राजू यादव शहीद नगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

चिंतन शिविर में भिक्षावृत्ति से जुड़े व्यक्तियों के पुनर्वास हेतु आदर्श दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली/चंडीगढ़। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 24 से 26 अप्रैल 2026 तक आयोजित चिंतन शिविर के दौरान भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों तथा आश्रय गृहों में रह रहे लोगों की देखभाल, पुनर्वास और प्रबंधन से संबंधित व्यापक आदर्श दिशानिर्देश का अनावरण किया गया।

इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य आश्रय गृहों में रहने वाले व्यक्तियों को मानवीय और गरिमापूर्ण जीवन उपलब्ध कराना है। इसके अंतर्गत निवारक स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता व्यवस्था, आधारभूत अवसंरचना और क्षमता विस्तार जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रमुखता दी गई है। साथ ही पोषण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। दिशानिर्देशों में व्यावसायिक प्रशिक्षण और पुनर्वास को विशेष महत्व दिया गया है, ताकि भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके और वे समाज़नजनक जीवन की ओर अग्रसर हो सकें। इसके अतिरिक्त कानूनी सहायता और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने पर भी बल दिया गया है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लैंगिक संवेदनशीलता और बाल संरक्षण से संबंधित प्रावधानों को भी शामिल किया गया है। साथ ही जवाबदेही और प्रभावी निगरानी व्यवस्था स्थापित करने के लिए एक स्पष्ट ढांचा तैयार किया गया है, जिससे इन दिशानिर्देशों का सही क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अपील की है कि वे इन दिशानिर्देशों को गंभीरता से लागू करें और विभिन्न सरकारी योजनाओं के साथ समन्वय स्थापित कर देशभर के आश्रय गृहों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाएं।

हाईवे पर बाइक टकराई, दंपती सहित दो मासूम घायल, गंभीर हालत में रेफर

समाज जागरण

कांधला।(फुरकान जंग) थाना क्षेत्र के दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर गांव जसाला के निकट रविवार को हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा आगे चल रहे एक बाइक सवार द्वारा अचानक कट मारने से हुआ, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। और बाइक डिवाइडर से टकरा गई।शामली के मोहल्ला दयानंद नगर निवासी विपिन अपनी पत्नी मीनाक्षी, नौ वर्षीय बेटी देवांशी और 12 वर्षीय पुत्र सात्विक के साथ बाइक से कांधला से वापस शामली लौट रहे थे। जैसे ही वे गांव जसाला के पास पहुंचे, तभी आगे चल रहे एक बाइक सवार ने अचानक कट मार दिया। अचानक आए इस मोड़ से विपिन संतुलन खो बैठे और उनकी बाइक आगे वाली बाइक से टकरा कर डिवाइडर से टकरा गई।हादसे मे दंपती समेत दोनों बच्चे घायल हो गए। हादसे के बाद राहगीरों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने घायलों को कस्बे के राजकीय
अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। तहरीर मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

--जच्चा-बच्चा वार्ड में लापरवाही और अवैध वसूली की शिकायत

--स्टाफ नर्स को चेतावनी, वार्ड आया के स्थानांतरण के लिए अधिकारियों को भेजा पत्र

समाज जागरण कांधला।

नगर के सरकारी अस्पताल के चिकित्सक प्रभारी ने जच्चा-बच्चा वार्ड में तैनात स्टाफ नर्स व वार्ड आया के खिलाफ उच्च अधिकारियों से शिकायत करते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने वार्ड आया को हटाने और स्टाफ नर्स को अवैध वसूली को लेकर कड़ी चेतावनी दी है।चिकित्सक प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने इस संबंध में उच्च अधिकारियों को अलग-अलग दो शिकायती पत्र भेजे हैं। पहले पत्र में उन्होंने बताया कि जच्चा-बच्चा वार्ड में तैनात वार्ड आया बबीता के खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही हैं। आरोप है कि वह मरीजों के साथ सही व्यवहार नहीं करती और ड्यूटी में लापरवाही बरतती है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने वार्ड आया को यहां से हटाकर अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की है।दूसरी शिकायती पत्र में चिकित्सक प्रभारी ने जच्चा-बच्चा वार्ड की स्टाफ नर्स को चेतावनी दी है। उन्होंने बताया कि लेबर रूम में मरीजों से दवाइयों और इनाम के नाम पर अवैध वसूली की शिकायतें सामने आई हैं। आरोप यह भी है कि रुपये न देने पर मरीजों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है।उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में यदि किसी भी मरीज से अवैध वसूली की शिकायत मिली तो संबंधित स्टाफ नर्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही चेतावनी दी कि किसी भी स्टाफ नर्स के खिलाफ शिकायत मिलने पर उसकी सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी जाएगी।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता से मारपीट, दो माह की बच्ची छीनने का आरोप

समाज जागरण कांधला।

कस्बा निवासी एक विवाहिता ने अपने पति व ससुराल पक्ष के लोगों पर अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर मारपीट करने और उसकी दो माह की मासूम बच्ची को जबरन छीनकर अपने पास रखने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर थाने में तहरीर दी है।रविवार को मुजफ्फर नगर के खतौली निवासी मवीश अपने परिजनों के साथ थाने पहुंची। उसने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के लोग उससे 20 हजार रुपये की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न करने पर उसके साथ मारपीट की गई और उसकी दो माह की बच्ची को उससे छीन ली।पीड़िता ने पुलिस से बच्ची को वापस दिलाने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई है। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

'महिला आरक्षण का विरोध करना दुर्भाग्यपूर्ण'

– गांव भूरा में कार्यक्रम में पहुंचे उप्र प्राक्कलन समिति के सभापति व अन्य जनप्रतिनिधि, विपक्ष पर साधा निशाना

समाज जागरण

कैराना।(फुरकान जंग) गांव भूरा में कार्यक्रम के दौरान उप्र विधानसभा प्राक्कलन समिति के सभापति व अन्य जनप्रतिनिधि पहुंचे। उन्होंने महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्ष को घेरते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया।

रविवार को गांव भूरा में सन्नी चौहान के आवास पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप्र विधानसभा प्राक्कलन समिति के अध्यक्ष एवं नकुड़ विधायक मुकेश चौधरी ने कहा कि स्व. बाबू हुकुम सिंह द्वारा किए गए कार्य आज भी जनसेवा की मिसाल हैं। उन्होंने कहा कि मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है और उसी मार्ग पर चलकर क्षेत्र की सेवा करना मेरा लक्ष्य है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी समस्या के लिए वे सीधे संपर्क करें, समाधान कराया जाएगा। मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने कहा कि विपक्ष द्वारा महिला आरक्षण का विरोध किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ने से रोकना समाज की प्रगति को बाधित करना है। जब महिलाएं नेतृत्व में आएंगी, तभी असली परिवर्तन संभव होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को बराबरी का अधिकार मिलना ही चाहिए। सिकंदराबाद विधायक ठाकुर लक्ष्मीराज सिंह ने कहा कि सरकार बिना भेदभाव के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना ही हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर कुलदीप, रामपाल, भगीरथ, हरपाल, चैन सिंह, जितेंद्र चौहान टिंकू, नरेंद्र चौहान आदि मौजूद रहे।

तेज धूप और भीषण गर्मी से लोग बेहाल 42 डिग्री रहा तापमान

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) तेज धूप और भीषण गर्मी के कारण लोग बेहाल हो गए हैं।रविवार को मौसम का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सैल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को सवेरे से ही तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण भीषण गर्मी का प्रकोप बढ गया था। सवेरे 10 बजे से ही गर्म हवाओं का प्रकोप छा होने से गर्मी और लू के चलते लोग घरों से बाहर निकलने से बचते नजर आये। सड़कों पर लोगों की संख्या बहुत कम हो गई है। इसके साथ ही, देर रात भी तापमान में कोई राहत नहीं मिली है।जिससे लोग लगातार असहज महसूस कर रहे हैं। इस भीषण गर्मी को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की है, जिसमें लोगों को तेज धूप और लू से बचने के उपाय बताए गए हैं। जिला अस्पताल के सीएमएस डा. किशोर आहुजा ने लोगों से कहा है कि वे धूप में बाहर निकलने से बचें, और अगर बाहर जाना ही पड़े, तो वे सिर पर कपड़ा या छांव का इस्तेमाल करें। इसके अलावा, अधिक से अधिक पानी पीने की सलाह दी गई है ताकि शरीर में पानी की कमी ना हो और लू के प्रभाव से बचाव किया जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि इस गर्मी में बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखा जाए, क्योंकि वे अत्यधिक गर्मी और लू के शिकार हो सकते हैं। साथ ही, घरों में एसी और पंखों का उपयोग बढ़ाने की सलाह दी गई है, ताकि तापमान कम किया जा सके। गर्मी के इस प्रकोप के चलते लोग लू से भी परेशान हो रहे हैं। कई स्थानों पर लोगों को चक्कर आना, सिरदर्द और उल्टी की शिकायतें हो रही हैं। डॉक्टरों ने इन समस्याओं से बचाव के लिए सर्द जलपान और आराम करने की सलाह दी है।

जैन स्थानक में निशुल्क न्यूरोथैरेपी कैंप का आयोजन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) लायंस क्लब शामली सिनेर्जी ने सामाजिक सेवा के अंतर्गत शहर के मिल रोड स्थित जैन स्थानक मंदिर में निशुल्क न्यूरोथेरेपी कैंप का आयोजन किया। इस कैंप में अनुभवी न्यूरोथेरेपिस्ट विशेषज्ञों द्वारा मरीजों का इलाज किया गया, जिसमें विशेष रूप से कमर दर्द, साइटिका और अन्य मांसपेशियों से संबंधित दर्दों का प्रभावी उपचार किया गया। कैंप का शुभारंभ सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, चेयरमैन अरविन्द संगल ने फीता काटकर किया। कैंप में कुल 175 मरीजों ने भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुआ। विशेषज्ञों ने न केवल उपचार प्रदान किया, बल्कि मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया, जिससे वे भविष्य में इन समस्याओं से बचाव कर सकें। मौके पर भारत संगल, डॉ. अजय वर्मा, निशांत गर्ग, तुषार धवन, वैभव गुप्ता, भुवनेश कौशिक, विश्वास टिहरी, मोहित कम्बोज पुनीत जैन, अनंत गुप्ता मौजूद रहे।

--जुनैद की मौत का जिम्मेदार एक आरोपी गिरफ्तार

--वायरल ऑडियो से खुलासा, महिलाओं सहित आरोपी पर हुआ था मुकदमा दर्ज; 19,700 रुपये बरामद

समाज जागरण
कैराना। (फुरकान जंग)

सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो के आधार पर कैराना पुलिस ने पुलिस का भय दिखाकर अवैध वसूली करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 19,700 रुपये नगद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया और बाकी फरार आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक 25 अप्रैल को एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें कैराना क्षेत्र निवासी हाकम एक व्यक्ति से पुलिस कार्रवाई का डर दिखाकर रुपये वसूलता हुआ सुनाई दे रहा था। ऑडियो में 50 हजार रुपये की लेनदेन और रकम लौटाने की बातचीत भी सामने आई थी।मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक शामली के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी कैराना के निर्देशन में कैराना कोतवाली प्रभारी समयपाल अत्री व उनकी पुलिस टीम ने रविवार को आरोपी हाकम पुत्र आशा, निवासी मोहल्ला आलखुर्द, को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि करीब चार-पांच माह पहले उसने थाना कैराना पुलिस का नाम लेकर थाना कांधला क्षेत्र के गांव मलकपुर निवासी जुनैद से 50 हजार रुपये वसूले थे। बाद में उसने 21 हजार रुपये वापस कर दिए थे, जबकि बाकी रकम खर्च हो गई। बरामद 19,700 रुपये भी उसी अवैध वसूली का हिस्सा बताए गए हैं। और जुनैद पर दबाव बनाया गया था जिस कारण जुनैद ने आत्महत्या कर ली थी और अपना वीडियो भी वायरल किया था।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक राकेश कुमार, हेड कांस्टेबल ललित शर्मा, शहजाद, अंकुर मलिक व कांस्टेबल राहुल शामिल रहे।

प्रेमिका से बात न कराने पर युवक को ट्रेन के आगे फेंका, मौत; दो आरोपी जेल भेजे गए जेल

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

थाना क्षेत्र के गांव जसाला निवासी मोनू कश्यप की हत्या के मामले में पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोप है कि प्रेमिका से बात न कराने पर दोनों युवकों ने मोनू को ट्रेन के आगे फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई थी।

थाना क्षेत्र के गांव पंजोखरा के श्मशान घाट के पास रेलवे लाइन पर मोनू कश्यप कई दिन पूर्व घायल अवस्था में मिला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे पहले कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से गंभीर हालत के चलते उसे मेरठ के अस्पताल रेफर किया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी।मृतक की मां ने गांव के सचिन और शुभम पर हत्या का शक जताते हुए थाने में तहरीर दी थी।पुलिस ने

मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। घटना के बाद समाज के लोगों ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की थी। इसी को लेकर रविवार को पीड़ित के घर बैठक भी हुई, जिसमें एसपी कार्यालय पर धरना देने की रणनीति बनाई गई।थाना प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि जांच में सामने आया है कि मोनू की दो प्रेमिकाएं थीं। घटना वाले दिन आरोपियों ने उसे घर से बुलाया और जंगल में बैठकर तीनों ने शराब पी। इसी दौरान आरोपियों ने मोनू पर अपनी प्रेमिका से बात कराने का दबाव बनाया।

इंकार करने पर उसके साथ मारपीट की गई और बाद में उसे ट्रेन के आगे फेंक दिया गया।पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

प्रेम प्रसंग में खून-खराबे के बाद युवक ने की आत्महत्या, गांव ओदरी में सनसनी

समाज जागरण
झिंझाना। (फुरकान जंग)

क्षेत्र के गांव ओदरी में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। 20 वर्षीय युवक का शव उसके ही घर में फांसी के फंदे से लटका मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है मृतक युवक का पड़ोस में रहने वाली एक युवती के साथ काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। मृतक ने पहले युवती पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया था उसके बाद फांसी लगा ली।रविवार को गांव ओदरी निवासी युवक पड़ोसी युवती के घर में घुस गया किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक रूप ले बैठा। आरोप है कि युवक ने गुस्से में आकर युवती पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों द्वारा घायल युवती को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है।घटना के बाद युवक नसीम अपने घर लौट आया और मानसिक तनाव में आकर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। कुछ देर बाद जब परिजनों की नजर पड़ी तो घर में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया ओर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। फिलहाल मामले में किसी भी पक्ष की ओर से थाने में तहरीर नहीं दी गई है, लेकिन पुलिस पूरे घटनाक्रम की गहनता से जांच कर रही है।
इस घटना के बाद गांव ओदरी में गम का माहौल है। एक ही घटना में हिंसा और आत्महत्या की इस कड़ी ने लोगों को स्तब्ध कर दिया है। कोतवाली प्रभारी वीरेंद्र कसाना ने बताया घटना की सूचना मिली थी घायल युवती का अस्पताल में उपचार चल रहा है जबकि मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मामला प्रेम-प्रसंग का है तहरीर के आधार पर कार्यवाही की जायेगी। गांव में शांति व्यवस्था के लिए पुलिस फोर्स तैनात हैं।

-प्राक्कलन समिति की उप समिति ने कलेक्ट्रेट में की अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक।

समाज जागरण
शामली। (फुरकान जंग)

उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्राक्कलन समिति 2025-26 उप समिति के प्रथम अध्ययन दल के सभापति मुकेश चौधरी के सभा पतित्व में समिति के सदस्य लक्ष्मीराज सिंह, डॉ. मंजू सिवाच तथा जिलाध्यक्ष भाजपा रामजी लाल कश्यप की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी। कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण एवं शहरी आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा लगाए गये स्टॉल का निरीक्षण माननीय सभापति एवं समिति के सदस्यों द्वारा किया गया एवं इनके उत्पादों की प्रशंसा की गयी उन्होंने लड्डू गोपाल की ड्रेस बनाने वाली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से बांके बिहारी वृंदावन जाकर वहां से आर्डर लाने की बात कही।जिलाधिकारी आलोक यादव व पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह ने समिति के सभापति एवं सदस्यों को पुष्पगुच्छ,एवं समूह द्वारा तैयार उत्पाद भेंट कर स्वागत किया। बैठक में पंचायती राज विभाग, नगर विकास विभाग, उ0प्र0 जल निगम ग्रामीण तथा उ0प्र0 जल निगम शहरी, परिवहन विभाग, आवास एवं शहरी नियोजन विभाग, आबकारी विभाग, कारागार विभाग, महिला बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, ऊर्जा विभाग, गृह विभाग, राज्य कर विभाग, सिंचाई एवं जलसंसाधन विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, सहकारिता विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, पर्यटन विभाग, समाज कल्याण विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग तथा लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 सेतु निगम एवं उ0प्र0 निर्माण निगम आदि विभागों के बिन्दुओं पर गहनता से समीक्षा की गयी। उप समिति के सभापति मुकेश चौधरी ने कहा कि अधिकारी सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य करें जिससे पंक्ति के अंतिम छोर पर खडे व्यक्ति को शत-प्रतिशत लाभ मिल सके। सभी अधिकारी अपने उत्तरदायित्वों का बेहतर निर्वहन करें।उन्होने कहा कि इस समिति का मूल उद्देश्य बजट संबंधी कार्यों को गति देना है। उन्होने कहा कि सभी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता मानक के अनुरूप रहे तथा कार्यों को समयबद्धता के साथ पूर्ण किया जाए। बैठक में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका शामली के अनुपस्थित पाए जाने पर माननीय सभापति द्वारा लखनऊ में समिति के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही समिति के समक्ष जिन विभागों से संतोषजनक जवाब नहीं मिला उनकी टीम गठित कर जांच कराने के निर्देश दिए। सभापति ने उद्घाटन, शिलान्यास एवं भूमि पूजन के कार्यों में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने के निर्देश दिएं। उन्होने सभी प्राथमिक विद्यालयों में कम्पोजिट ग्राण्ट से इनवर्टर लगाए जाने के निर्देश दिए। स्कूलों में निपुणशाला बनाई जाए जिससे सरकारी विद्यालयों में बच्चों का नामांकन बढ सके। पंचायत विभाग को गांव में लाईब्रेरी एवं ओपन जिम बनाने के निर्देश दिए जिससे बच्चों का मानसिक एवं शारीरिक विकास हो सके। आबकारी विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि ओवररेटिंग एवं अवैध शराब की शिकायत न रहे। इस संबंध में बड़ी कार्यवाही करने के लिए कहा। वाणिज्यकर विभाग को चौकसी बढाने के निर्देश दिए ताकि सरकार के राजस्व में बढोत्तरी हो सके। लोक निर्माण विभाग को सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के निर्देश दिए। सभी नगर निकाय समूह की महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए उकने आर्थिक उन्नयन मे सहयोगी बनें।समिति द्वारा योजना का नाम, कार्यदायी संस्था, स्वीकृति वर्ष, पूर्णता की तिथि, प्रशासनिक स्वीकृति, अवमुक्त धनराशि, व्यय, प्रगति, प्रतिशत, स्थिति की विस्तार से जानकारी ली। बैठक में जिलाधिकारी ने सभापति एवं समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि आप द्वारा जो भी दिशा निर्देश दिए गए हैं उनका पालन किया जाएगा। बैठक में जिलाधिकारी आलोक यादव, पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी,अपर जिलाधिकारी न्यायिक सोहनलाल,पीड़ी डीआरडीए प्रेम चन्द, सहित संबंधित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन में दीक्षांत परेड समारोह का भव्य आयोजन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)रविवार को शामली पुलिस लाईन में दीक्षांत परेड समारोह -2026 का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस मौके पर प्रशिक्षण प्राप्त आरक्षियों की परेड हुई, और उन्हें प्रशस्ति पत्र तथा पुरस्कार वितरित किए गए। जिले में 200 आरक्षियों की भर्ती हुई, जिसमें 198 आरक्षी और 2 मृतक आश्रितों को भी शामिल किया गया।
समारोह की शुरूआत मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक मंजिल सैनी द्वारा परेड की सलामी लेकर की गई। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ और पुलिस महानिदेशक का लाईव प्रसारण भी सुना गया। इस दौरान सभी आरक्षियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसपी एनपी सिंह ने जिले में हुई भर्ती की जानकारी दी और प्रशिक्षणार्थियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि जिले में 200 आरक्षियों की भर्ती की गई है, जिसमें दो मृतक आश्रित भी शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि जिले की नवनिमार्णाधीन पुलिस लाईन जल्द ही पूरी तरह से तैयार हो जाएगी, जो एक आधुनिक पुलिस लाईन के रूप में विकसित होगी। उन्होंने बताया कि आगामी एक से दो महीनों में पुलिस लाईन का हैंडओवर हो जाएगा, जिसमें एक खेल का मैदान भी शामिल होगा, जो पुलिसकर्मियों के लिए लाभकारी साबित होगा। मुख्य अतिथि आईजी मंजिल सैनी ने इस अवसर पर उत्तर प्रदेश पुलिस की सुरक्षा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस जनमानस को सुरक्षा देने के लिए हमेशा तैयार रहती है। साथ ही उन्होंने महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के सम्मान को बढ़ावा देने की अपील की। इस दौरान उन्होंने चयनित सभी आरक्षियों को शुभकामनाएं भी दी। कार्यक्रम का संचालन अनुराग शर्मा ने किया। इस कार्यक्रम में डीएम आलोक यादव, एमएलसी किरणपाल कश्यप, सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, सीडीओ विनय कुमार तिवारी, चेयरमैन अरविन्द संगल, सीओ जितेन्द्र कुमार, पूर्व आईजी विजय गर्ग, अंकित गोयल, सूर्यवीर सिंह, मोहित जैन, दीपक बंसल, यशपाल पंवार मौजूद रहे।

बार कैरियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) अखिल भारतीय अग्रवाल समाज ट्रस्ट द्वारा रविवार को जिले में पहली बार कैरियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें प्रसिद्ध काउंसलर सृष्टि महेदरू ने जिलेभर से इंटरपास आउट छात्र-छात्राओं को चार घंटे की काउंसलिंग की और उनको कैरियर के प्रति प्रोत्साहित किया। रविवार को शहर के हनुमान धाम स्थित अग्रसैन बारातघर में अखिल भारतीय अग्रवाल समाज ट्रस्ट द्वारा जिले में पहली बार कैरियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह, चेयरमैन अरविन्द संगल और पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल ने संयुक्त रूप से महाराजा अग्रसैन की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि इस तरह के सेमिनार से छात्रों को आगे बढने का अवसर प्रदान होता है। उन्होने कहा कि जरूरी नही कि सरकारी नौकरी में जाकर ही देश की सेवा होती है। अपना खुद का व्यापार और उद्योग जोडकर भी देश की सेवा की जा सकती है। आज प्रदेश की सरकार युवाओं को उनके उद्योग आगे बढने के लिए अनेकों योजनाऐं चला रही है। व्यापारियों और उद्यमियों को सुरक्षित माहौल दिया जा रहा है। आज कोई अपराधी उद्यमी को परेशान नही कर सकता है। इसके आद प्रसिद्ध काउंसलर सृष्टि महेदरू ने छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार के टिप्स दिए और कैरियर के प्रति जागरूक किया। इस दौरान पांच ऐसे छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया जिन्होने सेमिनार के दौरान बेहतर प्रदर्शन कर प्रश्न पूछे। सेमिनार में पानीपत यूनिवर्सिटी, गीता यूनिवर्सिटी, जेनिसिस कोचिंग सैंटर के संचालकों द्वारा भी स्टॉल लगाए गए थे। इस अवसर पर आकाश गुप्ता, रजत बंसल, ओमप्रकाश, प्रवीन गोयल, संगीत गोयल, रोबिन गर्ग, राहुल तायल, नीरज संगल, विकास गर्ग, उत्तम जिंदल, अंकित गुप्ता, अमित बंसल, सुमित बंसल, राहुल तायल आदि मौजूद रहे।

रटौल हादसे में मृतकों के परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे सपा नेता रवि बैसला

दो किशोरों की मौत से गांव में शोक की लहर, कस्बे की समस्याएं भी सुनीं

समाज जागरण

चांदीनगर। रटौल में बाइक हादसे में मारे गए दो किशोरों के परिजनों को सांत्वना देने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रवि बैसला रविवार को मृतकों के घर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मिलकर दुख साझा किया। शनिवार सुबह 16 वर्षीय शहजाद और 14 वर्षीय अयान बाइक से रटौल-लोनी मार्ग पर घूमने निकले थे। पेट्रोल पंप के समीप बाइक अनियंत्रित होकर रटौल गेट से टकरा गई, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही रवि बैसला अपने सभी कार्यक्रम छोड़कर मृतकों के घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह हृदय विदारक घटना है जिससे पूरा क्षेत्र दुखी है। उन्होंने

परिजनों को ढांढस बंधाया। इसके बाद रवि बैसला ने कस्बे का दौरा किया, जहां लोगों ने जगह-जगह उनका स्वागत किया। लोगों ने उनके सामने बिजली की समस्या रखी। बैसला ने समस्या के समाधान का आश्वासन देते हुए कहा कि क्षेत्र के लोगों की समस्या उनकी अपनी समस्या है। इस मौके पर नरेन्द्र, पप्पल,आस मोहम्मद, नूरहसन सिद्दीकी, इरशाद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अमेरिकन फिल्म निमार्ता की टीम के सदस्यों ने नीरा आर्य को दी श्रद्धांजलि

समाज जागरण बागपत।

संयुक्त राज्य अमेरिका के अबार्ना, इलिनोइस के प्रमुख फिल्म निमार्ता किरण दासरी ने खेकड़ा की बेटी महान स्वतंत्रता सेनानी नीरा आर्य के जीवन पर करीब 200 करोड़ के बजट की फिल्म बनाने की घोषणा की है। इस संबंध में निमार्ता की ओर से उनके प्रतिनिधि मंडाला राजकुमार, जरपुल्ला लिंगास्वामी और निर्देशक अजय कुमार पुलिपति ने रविवार को खेकड़ा स्थित नीरा आर्य स्मारक पर नीरा आर्य को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर फिल्म के निर्देशक अजय कुमार पुलिपति ने बताया कि उन्होंने नीरा आर्य के जीवन पर गहरा शोध किया है। ब्रिटिश सरकार द्वारा आजादी से पूर्व लंदन ले जाए गए कई टन दस्तावेजों में भी नीरा आर्य के नाम और काम की जब खोज की गई तो वहां पर एक दस्तावेज में पता चला कि नीरा आर्य को बंदी ब्रिगेडियर जे ए सालोमोंस ने बनाया था। द्वितीय विश्व युद्ध खत्म होने के बाद 1945 में अंग्रेजों ने काला पानी पर पुनः कब्जा कर लिया था। इसके बाद, ब्रिगेडियर जे ए सालोमोंस ने आजाद हिन्द फौज की रानी झांसी रेजिमेंट की सैकड़ों रानियों को कालापानी की काल कोठरी में बंद कर दिया था, जिसमें से नीरा आर्य भी एक थी। और फिर, आजादी तक काला पानी में बंदी महिलाओं का न केवल मानसिक और शारीरिक शोषण हुआ, वरन यौन शोषण की भी सारी हदें पार कर दी गई। उन्हीं शोषित महिलाओं में नीरा आर्य भी एक थी, जिन्होंने काला पानी की यातना सही। लेकिन जाते–जाते अंग्रेज कालापानी के वे दस्तावेज अपने साथ ले गए, जिनमें रानी झांसी रेजिमेंट की गुमनाम महिलाओं की काला पानी की सजा का ब्योरा दर्ज

था। पारंतु निमार्ता ने उन दस्तावेजों तक लंदन में अपनी पहुंच बनाई और नीरा आर्य की कहानी पर गहरा अनुसंधान किया। खेकड़ा में नीरा आर्य के अंतिम आगमन और यहां के स्थानीय निवासी चौधरी मेहूं डूंगर और उनके दस वर्षीय पुत्र श्रीपाल धामा की नीरा के साथ तत्कालीन मार्मिक भेंट को भी फिल्म में फिल्मांकित किया जाएगा और फिल्म के अंत में नीरा आर्य स्मारक एवं पुस्तकालय की झलक भी देखने को मिलेगी। मधु धामा की पुस्तक आजाद हिन्द की पहली जासूस से भी कुछ सामग्री इस फिल्म में ली जाएगी। इसलिए फिल्म निमार्ता की ओर से टीम ने मधु धामा से भी इस अवसर पर भेंट करके उनकी पुस्तक प्राप्त की और उनसे पुस्तक की सामग्री फिल्म में उपयोग करने के लिए अनुमति ली। यह फिल्म मूलतः तेलूगु, अंग्रेजी के साथ ही हिन्दी में भी होगी।

बालीवुड एवं दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग से जुड़े कई विश्वप्रसिद्ध कलाकार इस फिल्म का हिस्सा होंगे। यदि सबकुछ सही रहा तो फिल्म 26 जनवरी 2027 को रिलीज की जा सकती है। फिल्म की शूटिंग दक्षिण भारत के हैदराबाद, मणिपुर, सिंगापुर और लंदन इत्यादि जगहों पर करने की योजना है।

वैश्य परिवार महासंघ ने जिला टॉपर जानवी जैन को किया सम्मानित

आईएएस बनने का सपना, माता-पिता को भी पहनाया पटका

समाज जागरण

बड़ौत। भारतीय वैश्य परिवार महासंघ ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करने की श्रृंखला में यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा की जिला टॉपर जानवी जैन को वैश्य समाज गौरव सम्मान से सम्मानित किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मां अम्बा बालिका डिग्री कॉलेज ग्वाली खेड़ा के प्राचार्य डॉ. राजीव गुप्ता पुट्ठी अपने साथियों के साथ जानवी के निवास पर पहुंचे। उन्होंने जानवी के पिता संदीप जैन व माता दुर्गेश जैन को बधाई दी। जानवी को पटका पहनाकर स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संगठन ने उनके माता-पिता को भी पटका पहनाकर सम्मानित किया। जानवी जैन जनता वैदिक इंटर कॉलेज बड़ौत की छात्रा हैं। उनके माता-पिता ने बताया कि जानवी बचपन से होनहार रही है और उन्हें आशा है

कि वह निरंतर सबका नाम रोशन करती रहेगी। जानवी ने कहा कि वह निरंतर मेहनत करती रहेगी। उनका सपना आईएएस बनने का है। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव गुप्ता पुट्ठी ने कहा कि प्रतिभावान विद्यार्थियों से युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। ये बच्चे अपन परिजनों के साथ-साथ अपने शिक्षकों का भी नाम रोशन करते हैं। संगठन के आमंत्रित सदस्य अमित जैन विक्की ने भी छात्रा को बधाई दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय संरक्षक जयभगवान गर्ग, डॉ. योगेश जिंदल, राष्ट्रीय सलाहकार योगाचार्य डॉ. राजीव जैन, प्रदेश कानूनी सलाहकार एडवोकेट विभोर गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राममोहन गुप्ता, जिलाध्यक्ष एडवोकेट रामकुमार अग्रवाल, विवेक गुप्ता, सचिन गुप्ता, नितिन गुप्ता, प्रणित जैन आदि ने भी प्रतिभावान छात्रा को बधाई व शुभकामनाएं दी।

खेकड़ा की बेटी कनिष्का कौशिक का हुआ भव्य सम्मान

समाज जागरण बागपत।

आईआईएमटी यूनिवर्सिटी मेरठ की मेधावी छात्रा एवं खेकड़ा की होनहार बेटी कनिष्का कौशिक ने अपनी असाधारण प्रतिभा और कड़ी मेहनत के दम पर एक साथ तीन प्रतिष्ठित उपलब्धियां हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता पर सर्व खाप 360 ब्राह्मण समाज द्वारा उन्हें भव्य रूप से सम्मानित किया गया। कनिष्का कौशिक को ओम प्रकाश गुप्ता मेमोरियल अवॉर्ड - बीएससी ऑप्टोमेट्री में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर, डॉ सत्य प्रभा गुप्ता गोल्ड मेडल - स्कूल टॉपर बनने पर व चांसलर गोल्ड मेडल - प्रोग्राम टॉपर बनने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नरेश शर्मा (सर्व खाप चौधरी 360 ब्राह्मण समाज) ने कहा कि हमारा लक्ष्य है नारी

सशक्तिकरण एवम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ इसी तरह हम हर जाति और धर्म की बच्चियों को सम्मानित करते रहेंगे। वहीं पंडित जयकिशन शर्मा (अध्यक्ष ब्राह्मण समाज) ने कहा कि कनिष्का ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। पंडित अनुज शर्मा ने कहा हम लोग घर समाज के लोगों को जागरूक करेंगे की वो बेटियों को पढ़ने में कोई कसर ना छोड़े। इसके साथ ही पंडित रामपाल शर्मा ने कहा कि बेटियों की शिक्षा और सम्मान ही समाज की असली प्रगति का आधार है। इस मौके पर संजय वत्स ललित मोहन शर्मा विशाल पांडे प्रफुल्ल शांडिल्य राधेश्याम शर्मा मुनेश शर्मा उपस्थित रहे।

अग्रवाल मंडी टटीरी में मनाई गई भगवान परशुराम की जयंती

समाज जागरण बागपत।

कस्बा अग्रवाल मंडी टटीरी स्थित चौपाल नंबर 2 में आज परशुराम जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई, इसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भगवान परशुराम जी के चित्र पर फूल माला पहनाकर उन्हें नमन किया। इस

मौके पर हवन का आयोजन किया गया, जिसमें सभी लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया और हवन कुंड में आहुतियां डाली। हवन पूजन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें सभी ने एक साथ बैठकर सब्जी, पूरी व हलवे का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर, सत्यप्रकाश शर्मा, राहुल शर्मा, विजयपाल शर्मा, राजबीर शर्मा, हरीकिशन शर्मा, योगेश शर्मा, सचिन शर्मा, ममली शर्मा, मनोज शर्मा, इंदरपाल शर्मा, वेद प्रकाश शर्मा, हेमकांत शर्मा, भोलू पंडित आदि उपस्थित रहे।

बागपत में धूमधाम के साथ मनाया गया भगवान परशुराम जन्मोत्सव

समाज जागरण बागपत।

अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण विकास मंच के तत्वावधान में भगवान परशुराम जी के पावन जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में परशुराम भवन, पक्का घाट, बागपत पर एक भव्य, दिव्य एवं गरिमामयी संगोष्ठी कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के गणमान्य व्यक्तियों, प्रबुद्ध वर्ग, बुद्धिजीवियों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं विधिवत दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके उपरांत आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने भगवान परशुराम जी के जीवन चरित्र, उनके त्याग, तपस्या, साहस, पराक्रम एवं धर्म रक्षा के लिए किए

गए कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भगवान परशुराम जी केवल एक योद्धा ही नहीं, बल्कि ज्ञान, न्याय और धर्म के प्रतीक भी हैं, जिनके आदर्श आज के समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। संगोष्ठी के दौरान समाज में व्याप्त कुरीतियों, शिक्षा के अभाव, सामाजिक असंगठन एवं नैतिक मूल्यों के क्षरण जैसे विषयों पर भी गंभीरता से चर्चा की गई। कार्यक्रम में राकेश शर्मा, वासुदेव कौशिक, प्रतिभा शर्मा, नितिश भारद्वाज, राहुल शर्मा, सनी शर्मा, श्रीश भारद्वाज, आचार्य कनक भारद्वाज, प्रवेश शर्मा (वैद्य जी), हर्ष भारद्वाज, प्रवीण शर्मा, एडवोकेट हर्ष शर्मा, वरुण शर्मा (गौ सेवक) सहित अनेक गणमान्य एवं सम्मानित व्यक्ति उपस्थित रहे।

पुलिस की छवि धूमिल करने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

समाज जागरण

कैराना। एक हेड कांस्टेबल ने कथित रूप से पुलिस के नाम पर रुपये लेने और छवि धूमिल करने का आरोप लगाते हुए दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। हेड कांस्टेबल ललित शर्मा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि शनिवार को वह अन्य साथियों के साथ क्षेत्र में वांछित अभियुक्त की तलाश में गश्त कर रहा था। इसी दौरान मोहल्ला आलकलां में एक युवक मिला, जिसने व्हाट्सएप पर वायरल हो रहे एक ऑडियो के बारे में जानकारी दी। बताया गया कि उक्त ऑडियो में हाकम निवासी मोहल्ला आलखुर्द किसी अन्य से बातचीत करता हुआ सुनाई दे रहा है, जिसमें वह रुपये वापस करने की बात कह रहा है। आरोप है कि बातचीत में यह भी कहा गया है कि 50 हजार रुपये पुलिस से बचाने और छुड़ाने के नाम पर लिए जाने की बात सामने आई है। पुलिसकर्मी का कहना है कि यह ऑडियो झूठा और भ्रामक है, जिससे पुलिस विभाग की छवि खराब हुई है। इसके अलावा एक युवक पर उक्त ऑडियो को वायरल करने का आरोप है। मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

भारतीय श्रमिक कामगार कर्मचारी महासंघ की बैठक का आयोजन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) भारतीय श्रमिक कामगार कर्मचारी महासंघ की एक महत्वपूर्ण बैठक अमित गिरी के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में साप्ताहिक बंदी के मुद्दे पर चर्चा करते हुए यह निर्णय लिया गया कि श्रमिकों का शोषण किसी भी हाल में सहन नहीं किया जाएगा और उनकी आवाज और अधिकारों के लिए संघर्ष किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि शामली नगर में श्रमिकों का शोषण हो रहा है, खासकर रविवार को साप्ताहिक बंदी के दिन अवकाश न मिलने के कारण श्रमिक परेशान है। प्रशासन की लापरवाही से साप्ताहिक बंदी कानून का उल्लंघन हो रहा है, और छुट्टी के बावजूद श्रमिकों को काम करना पड़ रहा है। इसके साथ ही 12 से 14 घंटे तक श्रमिकों से काम

लिया जा रहा है।महासंघ ने प्रशासन से साप्ताहिक बंदी लागू करने की मांग की है। चेतावनी दी कि अगर प्रशासन ने इस मामले पर ध्यान नहीं दिया, तो महासंघ बड़ा धरना-प्रदर्शन करेगा। इस धरने का आयोजन शामली तहसील में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए किया जाएगा। कहा कि महासंघ के पदाधिकारी जल्द ही डीएम से मिलकर इस मामले को उठाएंगे। बैठक में शौर्य गिरी, राजत निर्वाल, चरत गिरी, सुशील चावला, प्रवीन सैनी, पारस बंसल, विश्वास निर्वाल, गुलवेज खान, मोहसिन अहमद, उस्मान खान, राहुल नामदेव, संजय सैनी, अमित, सोनू ठाकुर आदि मौजूद रहे।

अश्लील वीडियो वायरल करने का आरोप

समाज जागरण

कैराना। एक ट्रांसजेंडर ने कुछ लोगों पर जहरीला पदार्थ पिलाकर हत्या की साजिश रचने, धमकी देने और अश्लील वीडियो वायरल करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। मोहल्ला आर्यपुरी निवासी अन्नु गुरु महबूब (ट्रांसजेंडर) ने मुकदमा दर्ज कराया कि पिछले करीब एक वर्ष से देव कुमार उर्फ सिम्मी निवासी अंबेडकर कॉलोनी रायपुर रोड देहरादून व कादिर उर्फ काव्य निवासी गांव सीजूड जिला सहारनपुर हाल निवासी कैराना उसके पास रहते थे, जो उसके साथ बधाई मांगते समय भी साथ जाते थे। आरोप है कि इन लोगों ने उसे जहरीला पदार्थ पिलाकर उसकी हत्या करने की योजना बनाई थी। जब उसे इस साजिश की जानकारी हुई, तो उसने आरोपियों से बातचीत की, जिस पर उन्होंने भविष्य में कोई गलत हरकत न करने का आश्वासन दिया। इस संबंध में एक लिखित सहमति भी दी गई थी।आरोप है कि 21 अप्रैल को रवि निवासी पानीपत ने फोन कर उसे जान से मारने की धमकी दी। इसके अलावा देव कुमार उर्फ सिम्मी और कादिर उर्फ काव्य ने भी अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कॉल कर धमकियां दीं। पीड़िता का कहना है कि इन धमकियों की रिकॉर्डिंग उसके पास सुरक्षित है। यह भी आरोप है कि आरोपी पक्ष ने एआई के माध्यम से उसके फोटो से अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं, जिससे उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच रहा है। मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर टला बड़ा विमान हादसा: स्विस एयरलाइंस के इंजन में लगी आग, बाल-बाल बचे 228 यात्री

रविवार तड़के दिल्ली हवाई अड्डे पर ज्यूरिख के लिए जाने वाले स्विस इंटरनैशनल एयर लाइंस के विमान को उड़ान भरने से रोकना पड़ा। उसके एक इंजन में आग लगने की वजह से ऐसा करना पड़ा। इस घटना के कारण आपातकाल घोषित कर दिया गया और विमान में सवार सभी यात्रियों को निकालना पड़ा। इस हादसे में चार यात्री और चालक दल का एक सदस्य घायल हो गया।

एयरलाइन ने बताया कि यह घटना उड़ान एलएक्स147 पर रात 1 बजे के कुछ ही देर बाद हुई, जब दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ान भरने के दौरान एक इंजन में कोई दिक्कत आ गई। चालक दल ने टेकऑफ रोक दिया और एहतियात के तौर पर विमान को खाली कराने का फैसला किया। इस घटना में शामिल विमान एयरबस ए330 था। इस वाइड-बॉडी विमान का इस्तेमाल लंबी दूरी वाली उड़ानों के लिए किया जाता है। इस विमान में 228 यात्री, चार शिशु और चालक दल के 13 सदस्य सवार थे।

एयरपोर्ट परिचालक

दिल्ली इंटरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने बताया कि ह्यपूरी तरह से आपातकाल घोषित कर दी दिया गया था। यह एयरपोर्ट पर बचाव और

अग्निशमन सेवाओं के लिए चेतावनी का सबसे ऊंचा स्तर होता है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी तय सुरक्षा प्रोटोकॉल तुरंत लागू कर दिए गए और यात्रियों को सुरक्षित रूप से बाहर निकाल लिया गया। डायल ने यह भी बताया कि एयरपोर्ट के संचालन पर असर नहीं पड़ा।

स्विस एयरलाइंस ने बताया कि चार यात्री अस्पताल में हैं और कंपनी के कर्मचारी वहां मौजूद रहकर उनकी पूरी मदद कर रहे हैं। चालक दल के एक सदस्य को टखने में मोच आई है, जबकि चालक दल के बाकी सदस्य सुरक्षित हैं। एयरलाइन ने घायलों की संख्या में पहले हुई विसंगति को स्वीकार किया।

उसने बताया कि पहले छह यात्रियों के घायल होने की सूचना दी गई थी, लेकिन बाद में इस संख्या को दुरुस्त करके चार किया गया, क्योंकि दो लोग बिना चोट के साथ थे।

जुआ खेल रहे तीन दबोचे

समाज जागरण

कैराना। नगर में बंद पड़ी हसन स्टील फैक्ट्री के खंडहर में जुआ खेल रहे तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से ताश के पत्ते व 810 रुपये की नकदी बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम साजिद निवासी गांव भूरा, सलीम व संकित निवासीगण विमला की आंगनबाड़ी विद्यानंद कॉलोनी पानीपत बताए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों का चालान कर दिया है।

मारपीट व धमकी देने में मुकदमा

समाज जागरण

कैराना। मारपीट करने और धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया। मोहल्ला बेगमपुरा निवासी अभिषेक शर्मा उर्फ लवकेश ने मुकदमा दर्ज कराया कि 23 अप्रैल को वह राजेंद्र कॉलोनी स्थित अपने प्लॉट पर खड़ा था। आरोप है कि तभी उसका भाई रजनीश अपने दो अज्ञात साथियों के वहां पहुंचा और गाली–गलौज करते हुए मारपीट की। इसके बाद धमकी भी दी गई। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बुढ़ापे की टेंशन खत्म: अटल पेंशन योजना में ₹210 से शुरू करें निवेश, हर महीने मिलेगी ₹5,000 की फिक्स पेंशन!

आप अटल पेंशन योजना में कम निवेश कर बुढ़ापे में 5,000 रुपये महीने की गारंटीड पेंशन पा सकते हैं। जानिए उम्र के हिसाब से निवेश का गणित और परिवार के लिए फायदे

बुढ़ापे में पैसों की तंगी से बचना चाहते हैं, तो आपके लिए अटल पेंशन योजना एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है। सरकार द्वारा चलाई जाने वाली यह स्कीम न केवल आपको हर महीने 5,000 रुपये की गारंटीड पेंशन का भरोसा देती है, बल्कि आपके बाद आपके परिवार की आर्थिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है।

हालिया आंकड़ों के मुताबिक, इस योजना से जुड़ने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ी है और यह 9 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें आप आज निवेश शुरू करते हैं और 60 साल की उम्र के बाद आपको हर महीने एक तय रकम पेंशन के तौर पर मिलती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस 5,000 रुपये की पेंशन को पाने के लिए आपकी जेब से हर महीने कितना पैसा कटेगा? इसका सीधा कनेक्शन आपकी उम्र से है; आप जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, बोझ उतना ही कम होगा। आइए समझते हैं इस योजना का गणित और उम्र के हिसाब से आपके निवेश का पूरा हिसाब-किताब।

उम्र के हिसाब से तय होता है आपका निवेश अटल पेंशन योजना में निवेश की सबसे पहली और जरूरी शर्त आपकी उम्र है। इस योजना में

शामिल होने के लिए आपकी उम्र 18 साल से 40 साल के बीच होनी चाहिए। निवेश की रकम पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करती है कि आपने किस उम्र में इस स्कीम को शुरू किया है।

इसका नियम सीधा है कि आप जितनी कम उम्र में जुड़ेंगे, आपका महीने लगने वाला पैसा contr ibutionउतना ही कम होगा। चूंकि इस योजना में कम से कम 20 साल तक निवेश करना जरूरी है, इसलिए 40 साल की उम्र के बाद इसमें शामिल नहीं हुआ जा सकता।

अगर आपका टारगेट रिटायरमेंट के बाद हर महीने 5,000 रुपये पेंशन पाना है, तो निवेश का गणित कुछ इस तरह काम करता है:

18 साल की उम्रः यदि आप 18 साल की उम्र में इस योजना से जुड़ते हैं, तो 5,000 रुपये की पेंशन के लिए आपको हर महीने मात्र 210 रुपये जमा करने होंगे। 25 साल की उम्रः अगर आप 25 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं, तो यह रकम बढ़कर 376 रुपये प्रति माह हो जाती है। 30 साल की उम्रः 30 साल की दहलीज पर खड़े व्यक्ति को इसी 5,000 रुपये की पेंशन के लिए हर महीने करीब 577 रुपये जमा करना होगा।

39-40 साल की उम्रः यदि आप योजना की अधिकतम उम्र सीमा यानी 40 साल के करीब जुड़ते हैं, तो आपको हर महीने 1,454 रुपये तक निवेश करने पड़ सकते हैं।

यह निवेश आपको 60 साल की उम्र तक लगातार करना होता है।

श्री बालाजी धाम डोभ पर भव्य संकीर्तन करते हुए पहुँची 86 वीं पैदल ध्वजा यात्रा

प्रत्येक रविवार श्री बालाजी धाम डोभ पर लगाया जाता है, निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, जिसमे आंख, दांत, स्वास्थ्य जांच कर दी जाती है निशुल्क दवाइयां व चश्मे

समाज जागरण, जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी, 26 अप्रैल। भिवानी रोड स्थित श्री बालाजी धाम गाँव डोभ के संस्थापक प्रधान श्री पुरुषोत्तम दास बंसल ने जानकारी देते हुये बताया कि प्रत्येक रविवार श्री बालाजी धाम डोभ पर संकीर्तन,भंडारा एवं निशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाया जाता हैं जिसमे आंख जाँच, दांत जाँच, फिजियोथेरेपिस्ट, मेडिसिन और देशी वैध द्वारा इलाज किया जाता हैं सभी दवाईयां और चश्मे निशुल्क दिये जाते हैं

आज का काढी चावल का भंडारा मीनाक्षी चोपडा डोभ द्वारा लगाया गया

संकीर्तन में शंकर बनियानी द्वारा बालाजी का सुन्दर सुन्दर भजनों का गुणगान किया गया रिंकू महादेव द्वारा सुन्दर-सुन्दर झांकियों प्रस्तुत की गई आगे प्रधान जी ने बताया कि प्रत्येक रविवार को शनि देव मित्र मण्डल तेज कॉलोनी रोहतक एवं भक्तजनों द्वारा श्री दुर्गा भवन मंदिर भिवानी स्टैंड से सुबह 9 बजे पैदल ध्वजा यात्रा श्री बालाजी धाम डोभ के लिये चलती हैं

श्री दुर्गा भवन मंदिर से ज्योत प्रचण्ड कर के यात्रा कि शुरूआत की जाती हैं सभी हाथ में ध्वजा लिये जय श्री राम के जयकारे लगाते हुये श्री बालाजी धाम डोभ पहुँचे रास्ते में दो जगह पड़ाव होता हैं पहला पड़ाव नजदीक खुशबू गार्डन के सामने जगदम्बा ट्रेक्टर हाउस एवं रास्ते में दुसरा पड़ाव पंचमुखी हनुमान मंदिर के सामने भिवानी रोड पर होता हैं मन्दिर से भक्तों की वापसी के लिये निःशुल्क ऑटो उपलब्ध करवाई जाती हैं

इस अवसर पर रमेश गुप्ता, रवि चिटकरा, राकेश गुप्ता, तुषार, विनोद् गुप्ता, वंश, सैंटी, खुशाल, पंडित नरेश कौशिक, राजेश गोयल, सुनील निमाड़ी, सुनील शर्मा,अमित कौशिक एवं अन्य भक्तजन उपस्थित रहे

राज्यसभा सांसदो ने आप पार्टी से की गंद्दारी किया विश्वासघातः- जसदेव निका जिला परिषद आप

समाज जागरण

कालांवाली (सुरेश जोरासिया) आप आदमी पार्टी को उस समय गहरा झटका लगा जब एक साथ आप आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदो ने अपनी ही पार्टी का दामन छोड़ भाजपा में शामिल हो गए। आम आदमी पार्टी ने कुछ को मनोनित किया एवं कुछ निर्वाचित होकर चुने गए। राजनीति में अक्सर राजनेता दल बदल लेते है। आप आदमी पार्टी से जिला परिषद जसदेव सिंह निका ने प्रैसवार्ता करते हुए कहा कि आप आदमी पार्टी ने इनको राज्यसभा में भेजा और पार्टी में इनका कद बढ़ाया और मान सम्मान किया। राघव चड्डा पंजाब से राज्यसभा सदस्य व दिल्ली में जलविभाग के चेयरमैन भी रहे है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर संकटो के बादल मंडराए ओर एक वर्ष के लिए उन्हें जेल जाना पड़ा उसी दौरान राघव चड्डा अपने स्वास्थ्य को लेकर विदेश चलेगे आखों कि जांच करवाने के लिए गए यह कोई अचानक नही हुआ यह तो साल भर से सोची

समझी नीती के तहत भाजपा में गए है। केजरीवाल व मनीष सिसोदिया पर ईडी की छापेमारी हुई तो कहीं ना कही पर इनका भी नाम लगभग तह था। उसी डर भंय के कारण पार्टी शामिल हो गए। पंजाब की जनता ने इनको कोई महत्व नही दिया इन्होंने पंजाब के लिए आवाज नही उठाई। इन्होंने ऐयरपार्ट पर समोसे को प्राथमिता दी मानो देश केवल समोसे की कीमत पर खड़ा है। जो कोई व्यक्ति हवाई जहाज में सफर कर रहा है वह सम्मान्य व्यक्ति से आर्थिक तौर से सम्पन्न है सम्मान्य व्यक्ति तो समोसे के लिए ऐयरपार्ट जाता नही। संदीप पाठक पार्टी में संगठन मंत्री के गरीमामय पद पर थे अकसर कार्यकताओं को कहते आपको कहीं ईडी सीबीआई की छापेमारी का डर है तो आप पार्टी को छोड़ दो जो पार्टी का कार्यकर्ता है वह केजरीवाल के शेर है। यह तो वह कहावत हो गई दे देखो, दे देखो शेर आया पता तो अब चला कि यह शेर की आड़ में गीदड़ थे। यह वाक्य जिला परिषद आप पार्टी जसदेव सिंह निका ने कहे। उन्होंने कहा यह सरप्रस्त लोग है जोकि अपने लालच ओर निजी लाभ के लिए गए है आने वाले समय हम जनता इन्हे माफ नही करेगी और इनकी को पुछ पड़ताल नही होगी पूर्व मुख्यमंत्री पंजाब और कई ऐसे नेता को पार्टी से धोखा किया वह कहीं के नही रहे।

महामंडलेश्वर स्वामी श्री कमलानंद गिरि जी महाराज मुक्तसर पधारेंगे 29 अप्रैल को

श्री राम भवन में शुरू होगा पांच दिवसीय सत्संग अमृतवर्षा कार्यक्रम

पंजाब श्री मुक्तसर साहिब रघुनंदन पराशर/समाज जागरण चीफ ब्यूरो

श्री मुक्तसर साहिब, 26 अप्रैलः श्री कल्याण कमल आश्रम हरिद्वार के अनंत श्री विभूषित 1008 महामंडलेश्वर स्वामी श्री कमलानंद गिरि जी महाराज 29 अप्रैल को शाम पांच बजे टिब्बी साहिब रोड स्थित श्री राम भवन पधारेंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए श्री राम भवन मंदिर कमेटी के सेवादार नत्थू राम गोयल, नरेंद्र गुप्ता एवं दीपिका दाबडा ने बताया कि महाराज जी का श्री राम भवन पधारने पर श्रद्धालुओं द्वारा भव्य अभिनंदन किया जाएगा। इसी के साथ ही पांच दिवसीय सत्संग अमृतवर्षा कार्यक्रम भी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ शुरू हो जाएगा। जिसमें रोजाना शाम चार से छह बजे तक सद्गुरु देव महाराज द्वारा श्रद्धालुओं को जहां प्रवचनों की अमृतवर्षा में स्नान करवाया जाया करेगा। वहीं भजन गंगा में डुबकियां लगवाई जाया करेंगी। यही नहीं महाराज जी के मुक्तसर आगमन पर 29 अप्रैल को शाम 3.30 बजे से श्री राम भवन में अंजनी नंदन-कष्ट निकंदन-रवि कुल गौरव मान श्री हनुमंत लाल जी महाराज की गौरव-गाथा श्री सुंदरकांड पाठ (पंचम् सोपान) का सामूहिक पाठन गायन भी होगा। 151 भक्तजन मिलकर यह पाठ-पाठन करेंगे।

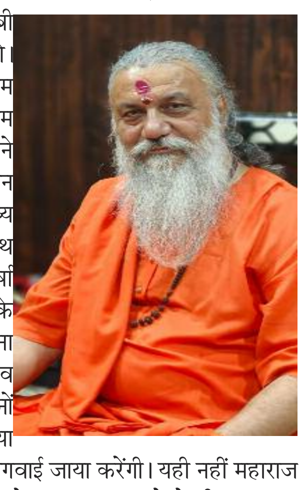

भाई रमन जैन ने कहा कि जो भी श्रद्धालु इन पाठों की लड़ी में अपना,अपने सत्संगी भाई-बहनों का नाम लिखवाना चाहता है वो दीपिका दाबड़ा के मोबाइल नंबर 98882-78815 या उनके मोबाइल नंबर 99159-18508 पर मैसज कर या फोन कर नाम लिखवा दे।

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री ने सेबी के 38वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य भाषण दिया

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आज मुंबई में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के 38वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाषण दिया। इस अवसर पर श्रीमती सीतारमण ने सेबी की देशव्यापी निवेशक जागरूकता पहल मिशन जागरूक का डिजिटल रूप से शुभारंभ भी किया।

अपने मुख्य वक्तव्य में केंद्रीय वित्त मंत्री ने सेबी से उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने का आग्रह किया, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण साइबर सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि किसी बड़े एक्सचेंज, डिपॉजिटरी, क्लियरिंग कॉरपोरेशन या बड़े ब्रोकर पर एक सफल साइबर हमला राष्ट्रीय स्तर पर बाजारों को बाधित कर सकता है, संपत्ति नष्ट कर सकता है और जनविश्वास को हिला सकता है, जिसे फिर से स्थापित करने में वर्षों लग सकते हैं। उन्होंने कहा कि एआई आधारित उपकरण साइबर हमलों को तेज, अधिक अनुकूलनीय, व्यापक और कई मामलों में अधिक स्वायत्त बना रहे हैं। ये जोखिम कई रूपों में सामने आ सकते हैं,जैसे- सिस्टम की कमजोरियों की स्वचालित पहचान, सोर्स कोड में दुर्भावनापूर्ण हस्तक्षेप, सॉफ्टवेयर सप्लाई चेन पर हमले और ऐसे समन्वित हमले जो पहचान से बचने के लिए वास्तविक समय में बदलते रहते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, इसलिए केवल सेबी ही नहीं, बल्कि सभी विनियमित संस्थाओं को अत्यधिक सतर्क रहना होगा। हमले के उपकरण तेजी से विकसित हो रहे हैं और बचाव के उपकरणों को उससे भी तेज विकसित होना होगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि टेक्नोलॉजी के बढ़ते उपयोग के साथ सोशल मीडिया पर नकली निवेश वीडियो और ऐप्स की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है जिनमें से कई 'डीपफेक एआई' का उपयोग कर नेताओं की नकली पहचान प्रस्तुत करते हैं

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि अप्रैल 2025 से लागू सेबी का साइबर सुरक्षा और साइबर रेजिलिएंस फ्रेमवर्क सराहनीय है और इस पर आगे और काम किया जा सकता है।

वित्त मंत्री ने बताया कि सेबी की डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल फॉरेंसिक प्रयोगशाला उन्नत विश्लेषण और एआई/एमएल मॉडल का उपयोग कर जटिल बाजार हेरफेर पैटर्न और नेटवर्क आधारित धोखाधड़ी का पता लगा रही है। उन्होंने ह्लसेबी चेकह्व पहल की भी सराहना की, जो निवेशकों को धन हस्तांतरण से पहले पंजीकृत मध्यस्थों के भुगतान विवरण की जांच करने की सुविधा देती है। उन्होंने कहा कि इन पहलों का विस्तार तेजी और व्यापकता के साथ किया जाना चाहिए तथा क्षेत्रीय भाषाओं में जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए, साथ ही फर्जी सामग्री के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था भी होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सॉफ्ट-टच नियमन और सार्वजनिक परामर्श आर्थिक दक्षता और प्रभावी शासन के लिए आवश्यक हैं। अत्यधिक विस्तृत नियम पुस्तिका के बजाय सिद्धांत-आधारित विनियमन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2023 में नियामक प्रक्रिया में सार्वजनिक परामर्श को शामिल करने की बात कही गई थी।वित्त मंत्री ने सेबी द्वारा परामर्शात्मक दृष्टिकोण अपनाने, जनमत आमंत्रित करने और बाजार प्रतिभागियों से संवाद करने की सराहना की।

उन्होंने कहा कि हमारे निवेशक वैश्विक हैं और नियामकीय विकास का प्रभाव सीमाओं से परे जाता है, इसलिए नियामकीय संवाद केवल घरेलू स्तर तक सीमित नहीं रह सकते। श्रीमती सीतारमण ने शिकायत निवारण तंत्र को विश्वसनीय, सुलभ और समयबद्ध बनाए रखने पर भी जोर दिया।

उन्होंने बिना पंजीकृत फिन-फ्लुएंसर्स के खिलाफ सेबी की कार्रवाई की तारीफ करते हुए कहा कि जिम्मेदार वित्तीय शिक्षा के लिए सक्षम ढांचे जरूरी हैं, लेकिन अनभिज्ञ खुदरा निवेशकों के भरोसे का निजी लाभ के लिए दुरुपयोग स्वीकार्य नहीं होना चाहिए।

वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि सेबी, आईईपीएफए और बाजार संस्थानों के साथ मिलकर कई निवेशक शिविर कार्यक्रम आयोजित कर चुका है, जिससे अनक्लेम्ड वित्तीय संपत्तियों को कम करने और जागरूकता बढ़ाने में मदद मिली है।

उन्होंने सेबी से भारतीय प्रतिभूति बाजार में समान केवाईसी मानदंड लागू करने और प्रक्रियाओं के सरलीकरण व डिजिटलीकरण में अग्रणी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "सेबी के पास इस क्षेत्र में नेतृत्व करने के लिए निवेशकों की भागीदारी का पैमाना, डिजिटल बुनियादी ढांचे की गहराई और साथी नियामकों के बीच संस्थागत विश्वसनीयता है।"

सेबी के अध्यक्ष श्री तुहिन कांत पांडे ने कहा कि विगत वर्षों के दौरान सेबी ने स्क्रीन-आधारित ट्रेडिंग, डीमैटेरियलाइजेशन, रोलिंग सेटलमेंट, कॉरपोरेट गवर्नेंस को मजबूत करने और जोखिम प्रबंधन प्रणाली विकसित करने जैसे कई बुनियादी सुधार किए हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारत में 5,900 से अधिक सूचीबद्ध कंपनियां और 14 करोड़ से अधिक निवेशक हैं। पिछले दशक में बाजार पूंजीकरण में लगभग 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई है, जबकि म्यूचुअल फंड संपत्तियों में 20 प्रतिशत से अधिक की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि सेबी ने पिछले एक वर्ष में सभी हितधारकों के साथ मिलकर व्यापार सुगमता के लिए व्यापक सुधार किए हैं, जिनका उद्देश्य नियमों को सरल बनाना, अस्पष्टताओं को दूर करना और पूंजी निर्माण को बढ़ावा देना है।

ग्राम विकास योजनाओं को हरित दिशा देने हेतु पांच वर्षीय राष्ट्रीय परियोजना प्रारंभ

ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (जीपीडीपी) को हरित रूप देने और अभिनव वित्तपोषण के माध्यम से स्थानीय समुदायों और संस्थानों को सशक्त बनाकर जमीनी स्तर पर जैव विविधता शासन को मजबूत करने के उद्देश्य से, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) और राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने ह्यजैव विविधता संरक्षण प्रतिबद्धताओं को सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत क्षमताओं को मजबूत करना नामक एक ऐतिहासिक पांच वर्षीय परियोजना शुरू की है। यह परियोजना भारत सरकार, वैश्विक पर्यावरण सुविधा (जीईएफ) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की एक संयुक्त पहल है, जिसके लिए 2025-2030 की अवधि के लिए 4.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान दिया गया है।

यह परियोजना दो पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण भू-भागों पर आधारित है। तमिलनाडु में, पश्चिमी और पूर्वी घाटों के संगम पर स्थित सत्यमंगलम भू-भाग, जिसमें मुदुमलाई बाघ अभ्यारण्य और सत्यमंगलम बाघ अभ्यारण्य शामिल हैं, वन-सीमावर्ती समुदायों को एकजुट करता है जो वन्यजीव गलियारों के दीर्घकालिक संरक्षक हैं। उनके गहन पारिस्थितिक ज्ञान को ग्राम विकास परियोजनाओं (जीपीडीपी) में शामिल किया जाएगा, जिससे जैव विविधता संरक्षण को स्थानीय शासन में प्रमुख स्थान मिलेगा। मेघालय के गारो हिल्स में, नोकरेक जैवमंडल अभ्यारण्य, बालपक्रम राष्ट्रीय उद्यान और सिजू वन्यजीव अभ्यारण्य मिलकर सरकारी वनों और आरक्षित वनों का एक जीवंत ताना-बाना बुनते हैं, जो ग्राम पंचायतों के समकक्ष ग्राम रोजगार परिषदों (वीईसी) में समुदाय-नेतृत्व वाले संरक्षण को शामिल करने के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करते हैं।

इस परियोजना का एक प्रमुख उद्देश्य पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) और जैव विविधता प्रबंधन समितियों (बीएमसी) को मजबूत करने के लिए स्थानीय विकास योजनाओं में जैव विविधता को मुख्यधारा में लाना और वन विभागों, राजस्व प्राधिकरणों, निर्वाचित प्रतिनिधियों और नागरिक समाज को एक साथ लाने वाले भू-स्तरीय बहु-हितधारक मंचों का निर्माण करना है ताकि समुदाय के स्वामित्व वाली, वित्त पोषित जैव विविधता योजनाएं तैयार की जा सकें।

एक अन्य प्रमुख उद्देश्य संरक्षण प्रबंधन के लिए प्रत्यक्ष पुरस्कार के रूप में सतत आजीविका सृजित करने वाले पहुंच और लाभ साझाकरण (एबीएस) व्यवस्थाओं, सीएसआर सह-वित्तपोषण और हरित सूक्ष्म उद्यमों को सक्रिय करके नवीन वित्तपोषण तंत्रों को बढ़ावा देना है। तीसरा उद्देश्य ज्ञान प्रबंधन और क्षमता निर्माण पर केंद्रित है, जिसमें एनबीए और एमओईएफसीसी प्लेटफार्मों के माध्यम से राष्ट्रव्यापी स्तर पर अनुकरण के लिए दोनों क्षेत्रों से नवाचारों को व्यवस्थित रूप से एकत्रित करना शामिल है, जिसमें महिलाओं, अनुसूचित जातियों और आदिवासी समुदायों की आर्थिक और शासन भूमिकाओं को आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

शासन संरचना जमीनी स्तर से ऊपर की ओर (बॉटम-अप) दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसमें पंचायती राज संस्थाएं प्रमुख प्रबंधकीय भूमिका निभाती हैं। यह परियोजना भारत की अद्यतन राष्ट्रीय जैव विविधता रणनीति और कार्य योजना (एनबीएसएपी 2024-2030), कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता ढांचे के ऐतिहासिक 30x30 लक्ष्य, पेरिस समझौते के तहत भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित अंशदान (एनडीसी) और तमिलनाडु विजन 2030 तथा मेघालय विजन 2030 के लक्ष्यों

"कैंसर से बचे लोग सच्चे योद्धा हैं": जयपुर में कैंसर से बचे लोगों के दिवस समारोह में उपराष्ट्रपति का भाषण

सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि कैंसर से बचे लोगों का दिवस अटूट आशा और मानवीय साहस का उत्सव है। उन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए भगवान महावीर कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र और केजी कोठारी मेमोरियल ट्रस्ट की सराहना की और 1997 में अपनी स्थापना के बाद से कैंसर के क्षेत्र में अस्पताल की अनुकरणीय सेवा को स्वीकार किया, जिसने अपने समर्पित और करुणामय उपचार के माध्यम से अनगिनत लोगों के जीवन को छुआ है।

भारत में कैंसर के बढ़ते बोझ पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आईसीएमआर के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार, देश में प्रतिवर्ष 15 लाख से अधिक कैंसर के मामले सामने आते हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स-रकार ने रोकथाम, शीघ्र निदान, उपचार और रोगी देखभाल के उद्देश्य से कई पहलें शुरू की हैं।

उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 68 लाख से अधिक कैंसर उपचार उपलब्ध कराए गए हैं, जिनमें से लगभग 75 प्रतिशत लाभार्थी ग्रामीण क्षेत्रों से हैं। यह योजना स्वास्थ्य सेवाओं में मौजूद कमियों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि केंद्र सरकार देश भर के जिला अस्पतालों में डे केयर कैंसर सेंटर स्थापित कर रही है, जिनमें से 450 से अधिक सेंटर पहले से ही कार्यरत हैं। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत शुरू की गई पहलों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से प्रारंभिक जांच और जिला एवं उप-मंडल अस्पतालों में कैंसर रोधी दवाओं को आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल

करना शामिल है।

निवारक स्वास्थ्य देखभाल के महत्व पर जोर देते हुए, उपराष्ट्रपति ने गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से निपटने के लिए इस वर्ष की शुरूआत में शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम के बारे में बात की, जिसका लक्ष्य एक करोड़ से अधिक लड़कियों को कवर करना है। उन्होंने इस पहल को आगे बढ़ाने में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और राजस्थान सरकार के प्रयासों की सराहना की। उपराष्ट्रपति ने देशभर के कैंसर उपचार संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय और साझा ज्ञान की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कैंसर देखभाल में नवीनतम तकनीकी प्रगति को सभी सार्वजनिक और निजी अस्पतालों में प्रभावी ढंग से साझा किया जाना चाहिए, ताकि बेहतर परिणाम सुनिश्चित हो सकें और गुणवत्तापूर्ण उपचार तक व्यापक पहुंच हो सके। उन्होंने रेखांकित किया कि संस्थानों के बीच अधिक सहयोग और समझ से कैंसर के खिलाफ राष्ट्र की लड़ाई को काफी मजबूती मिलेगी।

उन्होंने धूम्रपान, तंबाकू सेवन, नशीली दवाओं के उपयोग और अस्वास्थ्यकर फास्ट फूड की आदतों के हानिकारक प्रभावों के बारे में निरंतर जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि जीवनशैली में बदलाव कैंसर के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कैंसर से बचे लोगों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने उन्हें "योद्धा" बताया, जिन्होंने असाधारण दृढ़ता और साहस का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी कहानियां दूसरों के लिए आशा की किरण हैं और उन्होंने डॉक्टरों और देखभाल करने वालों की अथक सेवा और करुणा के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने अस्पताल के व्यापक प्रयासों की सराहना की, जिनमें स्क्रीनिंग अभियान, मोबाइल मेडिकल यूनिट और नुक्कड़ नाटक, शैक्षिक व्याख्यान और सामुदायिक शिविर जैसे जागरूकता अभियान शामिल हैं, जिन्होंने शीघ्र निदान और जीवन बचाने में योगदान दिया है। उपराष्ट्रपति ने जागरूकता बढ़ाने, शीघ्र निदान को प्रोत्साहित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया कि कोई भी कैंसर से अकेले न लड़े। उन्होंने लोगों से कैंसर से बचे लोगों की कहानियों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया और एक ऐसे समाज के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया जहां आशा, भय पर विजय प्राप्त करे।

उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर कैंसर से बचे लोगों को सम्मानित भी किया और इस बीमारी पर विजय पाने में उनके साहस और दृढ़ता को सराहा।

राजस्थान के राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसानराव बागडे; राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेंद्र सिंह खिमसर; भगवान महावीर कैंसर अस्पताल के अध्यक्ष श्री नवरतन कोठारी भी उपस्थित थे। और अन्य विशिष्ट अतिथि इस अवसर पर उपस्थित थे।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने उन्नत बख्तरबंद वाहनों (ट्रैक्ड और व्हील्ड) का अनावरण किया

रक्षा विभाग (आरएंडडी) के सचिव और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने 25 अप्रैल, 2026 को महाराष्ट्र के अहिल्यानगर स्थित डीआरडीओ प्रयोगशाला परिसर में उन्नत बख्तरबंद वाहनों (ट्रैक्ड एवं व्हील्ड) का अनावरण किया। इन अत्याधुनिक वाहनों को व्हीकल्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (वीआरडीई) द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। आधुनिक तकनीक से लैस ये बख्तरबंद वाहन सशस्त्र बलों की बदलती और जटिल परिचालन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं।

दोनों उन्नत बख्तरबंद वाहनों को स्वदेशी रूप से डिजाइन एवं विकसित 30 मिमी के क्रूलेस टरेट से सुसज्जित किया गया है, जो गतिशीलता, मारक क्षमता और सुरक्षा की आधुनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इन वाहनों में हाई-पावर इंजन और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का समावेश किया गया है, जिससे उच्च पावर-टू-वेट अनुपात, बेहतर गति, तीव्र ढलानों एवं कठिन बाधाओं को पार करने की क्षमता सुनिश्चित होती है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से, इनमें चारों ओर मॉड्यूलर ब्लास्ट और बैलिस्टिक प्रोटेक्शन प्रदान किया गया है, जो एसटीएएनएजी लेवल 4 तथा 5 के मानकों के अनुरूप है। इसके अतिरिक्त, हाइड्रो जेट प्रणाली से युक्त यह एम्फीबियन प्लेटफॉर्म जल अवरोधों को पार करने में सक्षम है, जिससे इसकी ऑपरेशनल लचीलापन और बहुउद्देशीय उपयोगिता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।

30 मिमी का क्रू-लेस टरेट 7.62 मिमी पीकेटी गन के साथ एकीकृत है और इसे एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों के प्रक्षेपण के लिए भी कॉनफि गर किया गया है, जिससे इसकी मारक क्षमता व बहुआयामी उपयोगिता और बढ़ जाती है। इसके मूल डिजाइन में लचीलापन रखा गया है, जिससे इसे विभिन्न परिचालन भूमिकाओं के अनुरूप आसानी से कॉनफि गर किया जा सकता है। इन उन्नत बख्तरबंद वाहनों में स्वदेशी सामग्री की हिस्सेदारी वर्तमान में लगभग 65 प्रतिशत है, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 90 प्रतिशत तक ले जाने की योजना है, जो रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को और सुदृढ़ करेगा। इन वाहनों का निर्माण दो औद्योगिक साझेदारों टाटा एडवांस्ड सिस्टमस लिमिटेड और भारत फोर्ज लिमिटेड द्वारा किया गया है, जिन्हें कई एमएसएमई का सहायता प्राप्त है। इस सहयोग के परिणामस्वरूप, विकसित हो रहे रक्षा इकोसिस्टम को मजबूती मिली है। इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और आमार्मेंट एंड कॉम्बैट इंजीनियरिंग सिस्टम्स (एसीई); प्रोडक्शन, कोऑर्डिनेशन एंड सर्विसेज इंटरैक्शन (पीसीएंडएसआई) के महानिदेशक; टीएएसएल पुणे के सीईओ व एमडी; बीएफएल पुणे के वाइस चेयरमैन तथा जॉइंट एमडी; एवं उद्योग जगत के अन्य प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के निदेशक और वैज्ञानिक भी उपस्थित थे, जिनमें व्हीकल्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट, आमार्मेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट, डिफेंस मेटलर्जिकल रिसर्च लैबोरेटरी, हाई एनर्जी मैटेरियल्स रिसर्च लैबोरेटरी, कॉम्बैट व्हीकल्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट, और रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) शामिल हैं।

पुद्दुचेरी में ओटीएम संकुल का उद्घाटन

भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक डीजी परमेश शिवमणि ने 25 अप्रैल,2026 को पुद्दुचेरी में तटरक्षक जिला मुख्यालय संख्या 13 के अत्याधुनिक ओटीएम प्रशासनिक परिसर का उद्घाटन किया।

यह उपलब्धि पूर्वी तट पर भारत की समुद्री सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। भारतीय तटरक्षक बल द्वारा विकसित यह नव-निर्मित परिसर आधुनिक बल, आधुनिक बुनियादी ढांचा की परिकल्पना को साकार करता है। इसे इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि परिचालन दक्षता में वृद्धि हो और संसाधनों का बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जा सके, जिससे प्रशासनिक क्षमता को पहले से अधिक मजबूत बनाया हो जाए। इस केंद्र में एक उन्नत ऑपरेशन सेंटर के साथ-साथ पुद्दुचेरी का समुद्री बचाव उप-केंद्र भी स्थित है, जो कमांड, नियंत्रण और समन्वय के लिए एक एकीकृत केंद्र का निर्माण करता है।

NTPC से राखड़ परिवहन में लापरवाही से बढ़ा प्रदूषण, ग्रामीणों में आक्रोश...

समाज जागरण

सिंगरौली जिले में एनटीपीसी रिहन्द परियोजना से फ्लाई ऐश (राखड़) के परिवहन को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। रेलवे रैक के माध्यम से हो रहे राखड़ परिवहन में नियमों की अनदेखी के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि ठेका कंपनी ऐश टेक इंडिया द्वारा राख से भरी बोगियों को ठीक से कवर नहीं किया जा रहा, जिसके कारण उड़ती राख पूरे क्षेत्र में फैल रही है और प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। बताया जा रहा है कि रेलवे राखड़ यार्ड के संचालन का जिम्मा ऐश टेक इंडिया को सौंपा गया है। आरोप है कि कई बोगियां बिना ढंके ही परिवहन में लगी हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में भी कुछ बोगियां ढकी हुई और कुछ खुली दिखाई दे रही हैं, जिससे लापरवाही की आशंका और मजबूत हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि हल्की हवा चलते ही राख उड़कर आसपास के गांवों और घरों तक पहुंच जाती है।

घर-आंगन तक पहुंच रही राख, स्वास्थ्य पर खतरा मंडराता दिख रहा है ऐसे में राखड़ यार्ड के आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि सुबह घरों में फर्श, बर्तन, कपड़े और यहां तक कि पानी में भी राख की परत जम जाती है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। आंखों में जलन, सांस लेने में दिक्कत, खांसी और एलर्जी जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि खेतों में गिर रही राख से फसलों को भी नुकसान हो रहा है। बढ़ते प्रदूषण के कारण खुले में रहना मुश्किल हो गया है। आरोप यह भी है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए न तो नियमित जल छिड़काव हो रहा है और न ही अन्य प्रभावी उपाय अपनाए जा रहे हैं।

कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ने आवाहन करते हुए कहा कि हम ग्रामीणों के साथ उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे अगर इन की समस्याओं को भी सुनी जाएगी तो वहीं प्रदूषण से परेशान ग्रामीणों ने प्रशासन और एनटीपीसी रिहन्द प्रबंधन से मांग की है कि खुले में राखड़ परिवहन पर तुरंत रोक लगाई जाए और सभी बोगियों को अनिवार्य रूप से कवर कर परिवहन सुनिश्चित किया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे सामूहिक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस पूरे मामले ने एनटीपीसी रिहन्द प्रबंधन और ठेका कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय पर्यावरण कार्यकताओं का कहना है कि खुले में राखड़ परिवहन पर्यावरण मानकों का उल्लंघन है और इससे क्षेत्र में गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा हो सकता है।

इन सभी मामलों को लेकर जब एनटीपीसी के PRO से संपर्क किया गया, तो उन्होंने स्पष्ट जवाब देने के बजाय बात को टालते हुए कहा कि वे मीटिंग में हैं और टेक्स्ट मैसेज भेज दिया जाए। इससे यह सवाल उठता है कि जिम्मेदार अधिकारी अपने कर्तव्यों के प्रति कितने गंभीर हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि एनटीपीसी के GM इस पूरे मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और क्या कोई ठोस कार्रवाई की जाती है या नहीं।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलटी, दो की मौत, चार घायल..

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह। जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बमनी के पास शनिवार देर रात एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए दमोह जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुजरात पासिंग नीले रंग की मारुति कार क्रमांक GJ 03 KP 2907 से एक ही परिवार के छह लोग गुजरात से उत्तर प्रदेश के जौनपुर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बमनी गांव के पास मोड़ पर कार चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और कार सड़क किनारे खाई में जा गिरी।

दुर्घटना में संतोष विश्वकर्मा (24 वर्ष) और शिवानी विश्वकर्मा (14 वर्ष) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं पूजा विश्वकर्मा (30 वर्ष), संगम विश्वकर्मा (20 वर्ष), अच्छेलाल विश्वकर्मा (32 वर्ष) और संदीप विश्वकर्मा (24 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायल जौनपुर, उत्तर प्रदेश निवासी बताए जा रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस और डायल 112 को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने घायलों को वाहन से बाहर निकालकर तत्काल जिला

अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।कुम्हारी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नगर परिषद खांड में 3 करोड़ का 'खरीदी घोटाला'

चहेते ठेकेदारों को उपकृत करने के लिए नियमों की बलि,

अब 'अपनों' के साये में होगी जांच

समाज जागरण

शहडोल मध्य प्रदेश के नगरीय प्रशासन विभाग में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका प्रत्यक्ष प्रमाण शहडोल जिले की नगर परिषद खांड (बाणसागर) में देखने को मिल रहा है। यहाँ के मुख्य नगरपालिका अधिकारी (CMO) पर आरोप है कि उन्होंने निकाय के तकनीकी अमले यानी उपयंत्री को पूरी तरह बायपास करते हुए, सरकारी नियमों की धज्जियाँ उड़ाकर लगभग 3 करोड़ रुपये की सामग्री खरीदी में भारी वित्तीय अनियमितता की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, भोपाल ने जांच कमेटी तो गठित कर दी है, लेकिन जांच की निष्पक्षता पर अभी से सवालिया निशान लगने शुरू हो गए हैं।

क्या है पूरा मामला और घोटाला?

प्राप्त दस्तावेजों और शिकायतों के विश्लेषण से पता चलता है कि नगर परिषद खांड में पिछले करीब चार महीनों के भीतर विभिन्न सामग्रियों की थोक में खरीदी की गई। इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता को ताक पर रखकर 'फिक्स्ड टेंडरिंग' का खेल खेला गया। आरोप है कि निविदा (टेंडर) प्रक्रिया में ऐसी 'अजीबोगरीब' और 'अनाप-शनाप' शर्तें जोड़ी गईं, जिससे केवल चुनिंदा और पसंदीदा सप्लायर ही दौड़ में शामिल हो सकें।

घोटाले का मुख्य केंद्र बिंदु बाजार दर से कई गुना अधिक कीमतों पर सामान खरीदना है। शिकायत के अनुसार, जो सामग्री बाजार में सामान्य दरों पर उपलब्ध थी, उसे चहेते ठेकेदारों से ऊँची दरों पर खरीदा गया। खरीदी गई सामग्रियों की सूची काफी लंबी है, जिसमें 4 पानी के टैंकर, 5 इलेक्ट्रिक ऑटो कचरा वाहन, सोलर पैनल इंस्टालेशन, तिरंगा लाइट, गेट वाल्व, हैंडपंप सामग्री, स्वच्छता हेतु रासायनिक सामग्री (लिक्विड एवं ब्लीचिंग पाउडर), ओपन जिम उपकरण, सीसीटीवी कैमरे, एल.पी. शीट और कंक्रीट कुर्सियां शामिल हैं। इन सभी की गुणवत्ता को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

शिकायतकर्ता और कार्यवाही की शुरूआत

इस भ्रष्टाचार का खुलासा तब हुआ जब जबलपुर के सिहोरा निवासी जागरूक नागरिक प्रवीण तिवारी ने शासन के समक्ष मोर्चा खोला। उन्होंने 21 अप्रैल 2026 को आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, भोपाल के समक्ष साक्ष्यों के साथ लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया कि किस तरह जेम (GeM) पोर्टल के प्रावधानों को दरकिनार किया गया और प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया को कुचला गया। इस शिकायत के आधार पर विभाग ने तत्काल कार्यवाही करते हुए अगले ही दिन 22 अप्रैल 2026 को जांच के आदेश जारी कर दिए। जांच कमेटी का गठन और 'हितों का टकराव'भोपाल से जारी आदेश (क्रमांक/शा.-7/2026/6054) के तहत तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है। इस समिति में शहडोल संभाग के संभागीय कार्यपालन यंत्री अरविन्द शर्मा को अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि रीवा नगर निगम के कार्यपालन यंत्री सिद्धार्थ सिंह और नरसिंहपुर के उपयंत्री प्रमोद बिन्द्रा को सदस्य नियुक्त किया गया है। समिति को निर्देशित किया गया है कि वह एक सप्ताह के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

यहीं से विवाद की स्थिति निर्मित होती है। नगर परिषद खांड, शहडोल संभाग के अंतर्गत आती है और जिस समय यह करोड़ों का कथित घोटाला अंजाम दिया जा रहा था, उस समय संभाग की निगरानी की जिम्मेदारी इन्हीं संभागीय अधिकारियों की थी। अब जब उसी कार्यालय के मुखिया को जांच समिति का अध्यक्ष बनाया गया है, तो जनता के बीच यह संदेश जा रहा है कि क्या 'अपनों' की जांच 'अपने' ही करेंगे? सवाल यह उठता है कि क्या अरविन्द शर्मा अपने ही अधीनस्थ क्षेत्र के अधिकारियों के खिलाफ निष्पक्ष रिपोर्ट देंगे? या फिर यह जांच केवल फाइलें दबाने और लीपापोती करने का एक जरिया बनकर रह जाएगी?

अन्य निकायों का भी यही हाल?

नगर परिषद खांड का यह मामला कोई एकलौती घटना नहीं है। चर्चा है कि शहडोल संभाग सहित प्रदेश के कई अन्य छोटे निकायों में भी इसी तरह का ढर्रा चल रहा है। चहेते सप्लायरों को लाभ पहुँचाने के लिए उपयंत्रियों और तकनीकी अधिकारियों की राय को दरकिनार करना एक परंपरा बनती जा रही है। यदि इस मामले में निष्पक्ष जांच होती है और दोषियों पर कड़ी दंडात्मक कार्यवाही की जाती है, तो अन्य निकायों के लिए यह एक कड़ा संदेश होगा। लेकिन यदि जांच समिति ने केवल कागजी खानापूर्ति की, तो भ्रष्ट अधिकारियों के हौसले और बुलंद होंगे।

नतीजों पर टिकी निगाहें

फिलहाल, संयुक्त संचालक कार्यालय ने 22 अप्रैल को पत्र जारी कर खांड के मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देश दिया है कि वे सामग्री क्रय से संबंधित सभी 11 बिंदुओं की मूल फाइलें और बिल-वाउचर 7 दिन के भीतर कार्यालय में जमा कराएं। भ्रष्टाचार के इस मामले में सरकार की साख दांव पर है। अब देखना यह है कि क्या यह जांच केवल औपचारिकता बनकर रह जाती है या फिर सरकारी खजाने को करोड़ों का चूना लगाने वाले सफेदपोश अधिकारी सलाखों के पीछे पहुँचते हैं। जनता की निगाहें अब जांच समिति की उस रिपोर्ट पर टिकी हैं, जो एक सप्ताह के भीतर पेश होनी है।

-एमपी ट्रांसको ने दमोह की पारेषण व्यवस्था को किया सशक्त.-,

११० केवी सबस्टेशन दमोह मे ऊर्जीकृत हुआ नया 50 एम वी ए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर-

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने दमोह जिले की विद्युत पारेषण प्रणाली को और अधिक मजबूत एवं विश्वसनीय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। एम पी ट्रांसको द्वारा 220 केवी सबस्टेशन, दमोह में क्षमता वृद्धि करते हुए 43 वर्ष पुराने 20 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर के स्थान पर 50 एमवीए का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है। जिससे सब स्टेशन की क्षमता बढ़कर 650 एम वी ए की हो गई है।

*** -विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता और स्थिरता में होगा सुधार- श्री तोमर-**

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि लगभग 5 करोड रुपये की अनुमानित लागत के इस अपग्रेडेसन से दमोह जिले में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता और स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होगा। बढ़ती विद्युत मांग को ध्यान में रखते हुए किया गया यह कार्य न केवल वर्तमान जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि भविष्य की मांग के अनुरूप भी पर्याप्त क्षमता उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा विद्युत मांग में वृद्धि को देखते हुए कंपनी द्वारा विभिन्न सबस्टेशनों पर क्षमता वृद्धि और आधुनिकीकरण के कार्य लगातार किए जा रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

इस क्षमता वृद्धि से दमोह जिले सहित आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अधिक निर्बाध और विश्वसनीय हो सकेगी।

-दमोह जिले की क्षमता हुई 1083 एम वी ए-

एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता श्री एम वाय मंसूरी ने बताया कि दमोह जिले की कुल स्थापित ट्रांस फार्मेशन कैपेसिटी बढकर 1083 एमवीए हो गई है। दमोह जिले में एमपी ट्रांसको अपने छह सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है जिसमें 220 के वी सबस्टेशन दमोह के अलावा एवं 132 के वी के 5 सब स्टेशन दमोह 132 केवी 90 एमवीए,बटियागढ़ 90 एमवीए, हटा 113 एमवीए,पथरिया (पतेरा) 50 एमवीए एवं तेजगढ़ 90 एमवीए शामिल हैं।

इन क्षेत्रों को होगा फायदा-

श्री मंसूरी ने बताया कि ट्रांसमिशन कंपनी के महत्वपूर्ण सब स्टेशनों में शामिल दमोह 220 के वी सब स्टेशन से 33 के वी के 13 फीडरों को विद्युत आपूर्ति की जाती है। जिससे दमोह शहर,नरसिंगगढ़, बांसा, पटेरा, जबेरा के दो फीडर, बांदकपुर ,जलनिगम,बीएसएनएल, इंडस्ट्रियल, पावरग्रिड, केरबना क्षेत्र शामिल हैं.

रेत ठेकेदार के 'रसूख' तले सिसकती अनूपपुर की नदियां- 3 किलोमीटर का भूगोल निगल गया ठेकेदार , 'धृतराष्ट्र' बना बैठा है पूरा सिस्टम

१८ करोड़ की फाइल पर 'कुंडली' और एनजीटी नियमों की 'कब्र'-अफसरों की एसी कमरों वाली मॉनिटरिंग में हो रहा सोन-केवई का सरेआम चीरहरण

सीएम तक नहीं पहुंच रही नदियों के 'कत्लेआम' की चीख- ईओडब्ल्यू-लोकायुक्त मौन, 'संदिग्ध' पहरेदारी में खुलेआम लुट रहा सरकारी खजाना

समाज जागरण

इंट्रो -चंबल पर सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले के बाद भी अनूपपुर में प्रशासन की रहस्यमयी खामोशी कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है। प्राप्त शिकायतों के अनुसार, शहडोल कमिश्नर, अनूपपुर कलेक्टर और खनिज निगम की आंखों के सामने एसोसिएट कॉमर्स बेखौफ होकर नदियों का सीना चीर रहा है। शासन-प्रशासन ने मानो इस खुले खेल के आगे आत्मसमर्पण करते हुए बेशर्मी की चादर ओढ़ ली है।

सर्वोच्च अदालत पर्यावरण बचाने के लिए सख्त है लेकिन यहाँ का महकमा ठेकेदार पर पूरी तरह मेहरबान नजर आ रहा है। यह सन्नाटा चीख-चीख कर बता रहा है कि सिस्टम को नियम-कानून से ज्यादा एक रसूखदार के मुनाफे की फिक्र है।

अनूपपुर-प्राप्त शिकायतों और जनचर्चा के अनुसार, खनिज विभाग के कागजों में आवंटित जमीन और हकीकत में हो रही खुदाई के बीच जमीन-आसमान का फासला है। ठेकेदार के 'मैनेजमेंट' ने कदमसरा, पसला और मानपुर तक 3 किलो मीटर का दायरा लांघकर नदी का भूगोल ही निगल लिया है। यदि सैटेलाइट मैपिंग से इस पूरे क्षेत्र की जांच कराई जाए, तो प्रशासन के बंद मॉनिटरों की पोल खुल जाएगी और 3 किलोमीटर की इस डकैती का सच बेनकाब हो जाएगा। विभाग का जीपीएस और ड्रोन सर्वे केवल एयर कंडीशनर कमरों में धूल फांक रहा है जबकि मैदान में नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ रही हैं। यह राजस्व और प्रकृति का ऐसा चीरहरण है जिसे संदिग्ध पहरेदारी में बेखौफ अंजाम दिया जा रहा है।

एनजीटी को खुली चुनौती और सिसकती नदियां

अनूपपुर की जीवनदायिनी सोन और केवई नदियों में हैवी मशीनों की अंधी खरोंच ने जलधाराओं को मौत के मुहाने पर ला खड़ा किया है। आरोपों की जद में आए इस समूचे घटनाक्रम में एनजीटी के सख्त प्रावधानों को ठेकेदार के भारी बूटों और रसूख तले सरेआम कुचला जा रहा है। बीच नदी से रेत निकालने की इस अंधी हवस ने जलस्तर को रसातल में धकेल दिया है। आने वाले समय में कोतमा और आसपास के इलाकों में प्यास बुझाने के लिए पानी तक मयस्सर नहीं होगा। प्रशासन की यह अनदेखी साबित करती है कि उनके लिए पर्यावरण से बड़ा ठेकेदार का खजाना है।

28 करोड़ के जुमार्ने पर 'सरकारी कुंडली'

चचाई की 28 करोड़ रुपये की जुमार्ना फाइल सिस्टम के माथे पर एक बदनुमा दाग है जिसे संदेह के घेरे में लेते हुए ठंडे बस्ते में गाड़ दिया गया है। 'प्रदूषण फैलाने वाला ही हजार्ना भरेगा' का नियम अनूपपुर की चौखट पर आकर घुटने टेक देता है। एक तरफ सरकारी खजाने को करोड़ों का चूना लगने के आरोप हैं तो दूसरी तरफ अधिकारी इस वसूली को दबाकर एसोसिएट कॉमर्स के बचाव में खड़े नजर आते हैं। जनता पूछ रही है कि इस भारी राशि की दंडात्मक वसूली को रोकने के पीछे वह कौन सी संदिग्ध डील है जिसने पूरे महकमे की जुबान सील कर दी है।

खनिज निरीक्षक की संदिग्ध कार्यप्रणाली

नदियों की इस अंधी खुदाई के बीच अनूपपुर में बरसों से अंगद की तरह पैर जमाए बैठीं खनिज निरीक्षक ईशा वर्मा की कार्यप्रणाली शिकायतों और जन चर्चा का मुख्य केंद्र बन चुकी है। शहर के चौक-चौराहों पर यह सवाल गूंज रहा है कि एसोसिएट कॉमर्स को यह अभयदान आखिर किस कुर्सी से मिल रहा है? आरोप है कि लंबे समय तक एक ही जगह जमे रहने से जो अघोषित नेक्सस पनपा है उसने विभाग की साख दांव पर लगा दी है। अब मांग जोर पकड़ रही है कि इनके कार्यकाल में हुए सीमांकन का उच्च स्तरीय ऑडिट हो ताकि इस संदिग्ध गठजोड़ की असलियत सामने आ सके।

इंटेलिजेंस फेल-एडह-लोकायुक्त मौन, मुखिया तक नहीं पहुंच रही 'चीख'इस महाघोटाले में जिले का मुखबिर तंत्र पूरी तरह बौना साबित हो रहा है। बड़ा सवाल यह है कि आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (एडह) और लोकायुक्त जैसी राज्य की बड़ी जांच एजेंसियां आरोपों की जद में आए इस लूटतंत्र पर मूकदर्शक क्यों बनी हुई हैं? जनचर्चा है कि सूबे के मुखिया को स्थानीय अधिकारियों द्वारा गुमराह किया जा रहा है, जिससे इतने बड़े राजस्व नुकसान की खबरें भोपाल तक नहीं पहुंच पा रही हैं।

इस संदिग्ध संरक्षण का ही नतीजा है कि नदियों के इतने बड़े कत्लेआम के बावजूद ठेकेदार की मशीनें राजसात करने या कोई ठोस दंडात्मक कार्रवाई करने की जहमत आज तक नहीं उठाई गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी समाज के हर वर्ग को जोड़ते हुए सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में निरंतर मार्गदर्शन दे रहे हैं - राजेंद्र चौरसिया मंडल अध्यक्ष

मन की बात के 133वें संस्करण का दीनदयाल नगर मंडल में हुआ सामूहिक श्रवण

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह - भारतीय जनता पार्टी दीनदयाल नगर मंडल द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 133वें संस्करण का मंडल के सभी बूथ केंद्रों पर सामूहिक श्रवण कार्यक्रम भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे के मार्गदर्शन एवं मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

दीनदयाल नगर मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया ने असाटी वार्ड क्रमांक 1 के बूथ क्रमांक 128 एवं 129 पर वरिष्ठ नेता कैलाश शैलार के निवास पर मंडल पदाधिकारियों के साथ बैठकर कार्यक्रम को सुना। इस दौरान सभी कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक आत्मसात किया। मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया ने अपने कथन में कहा कि मन की बात कार्यक्रम केवल संवाद नहीं, बल्कि देश के विकास, जनभागीदारी और प्रेरणा का एक सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी समाज के हर वर्ग को जोड़ते हुए सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में निरंतर मार्गदर्शन दे रहे हैं। हमें उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। असाटी वार्ड 1 में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता कैलाश शैलार, मंडल उपाध्यक्ष आशीष राय, विकास जैन, मंडल कार्यालय मंत्री अखिलेश चौबे, मीडिया प्रभारी अखिलेश सिंह घोषी, युवा मोर्चा जिला महामंत्री कार्तिक शैलार बूथ अध्यक्ष आदित्य सेंगर शुभम शैलार एवं मंडल के विभिन्न बूथ केंद्रों पर आयोजित कार्यक्रम में मंडल महामंत्री अरूण सोनी महेंद्र अहिरवार मंडल उपाध्यक्ष श्रीमती गायत्री वंशवर्ती, बालकृष्ण यादव, श्रीमती राधा सोनी, देवल कटारिया, मंडल मंत्री श्रीमती आरती राय, श्रीमती रितु पांडेय, श्रीमती रेणु रजक, राहुल ताम्रकार, अभिषेक सोनी राहुल पाठक, वीरेंद्र साहू कोषाध्यक्ष हरिशंकर पाठक, सह कोषाध्यक्ष सुनील राज सह मीडिया अशोक कंचन सैफ पठान सहित बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक सह संयोजक पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रिश्तों का कत्ल: दमोह में भतीजे ने चाचा की बेरहमी से हत्या, पत्थर से सिर कुचला

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह, रविवार। जिले के नोहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत रोंड गांव में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक भतीजे ने अपने ही चाचा की निर्मम हत्या कर दी। आरोपी ने पहले पत्थर से सिर कुचल दिया, इसके बाद सब्बल से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

बेटी ने देखा खौफनाक मंजर

मृतक की पहचान रोंड गांव निवासी चुन्नू रैकवार (51) के रूप में हुई है। मृतक की बेटी सुषमा रैकवार के अनुसार, रविवार सुबह करीब 7 बजे वह अपने पिता को जगाने के लिए घर के पास बने बाड़े में पहुंची, जहां वे खून से लथपथ गंभीर हालत में पड़े मिले।

घायल अवस्था में ही उन्होंने हमलावर के रूप में अपने भतीजे रामजी रैकवार का नाम लिया।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत परिजनों ने तत्काल उन्हें दमोह जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा सूचना मिलते ही नोहटा थाना प्रभारी अभिषेक पटेल पुलिस बल

के साथ मौके पर पहुंचे। घटनास्थल से खून से सना पत्थर बरामद किया गया है, वहीं आरोपी के कपड़ों पर भी खून के निशान मिलने की बात सामने आई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। नोहटा पुलिस टीम मौके से जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

पारिवारिक विवाद बना हत्या की वजह

प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद को हत्या का मुख्य कारण माना जा रहा है। परिजनों के अनुसार, आरोपी रामजी रैकवार का मृतक से पहले भी विवाद होता रहा था और वह कई बार धमकी दे चुका था। बताया जा रहा है कि आरोपी शराब का आदी है और आए दिन झगड़ा करता था।

शरीर पर गहरे घाव, क्रूरता की हद पार पुलिस के मुताबिक, मृतक के सिर, गर्दन और सीने पर गंभीर चोटें पाई गई हैं, जो वारदात की भयावहता को दशार्ती हैं। हमले के दौरान शरीर पर कई गहरे घाव बने।

परिवार में पसरा मातम

मृतक अपने पीछे तीन बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। एक बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि बेटा महाराष्ट्र में निजी नौकरी करता है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। आरोपी फरार, पुलिस का आश्वासन थाना प्रभारी अभिषेक पटेल ने बताया कि आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। नोहटा पुलिस टीम ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया है कि जल्द से जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

*अधिवक्ता अर्चना गुप्ता मध्यप्रदेश बाल संरक्षण आयोग की सदस्य नियुक्त

समाज जागरण विजय तिवारी

चंदिया ।जिले की नगर परिषद मानपुर के प्रतिष्ठित व्यवसाई एवं समाजसेवी फूलचंद गुप्ता की सुपुत्री अर्चना गुप्ता को मध्य प्रदेश सरकार के बाल संरक्षण आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया है। बता दें कि मानपुर के जाने-माने व्यापारीक परिवार जो की सदैव सामाजिक और धार्मिक सरोकार से जुड़े रहने के लिए सुप्रसिद्ध है की पृष्ठभूमि रखने वाली अर्चना गुप्ता का विवाह जिले के ही चंदिया नगर में हुआ जहां पर उन्होंने एक कुशल गृहणी के अपने दायित्व का बखूबी निर्वहन करने के साथ-साथ विधि व्यवसाय को अपने कैरियर के रूप में चुना साथ ही समाज सेवा को संकल्प लेकर राजनीति में भी सक्रिय भागीदारी निभाना शुरू किया जहां पर भी उन्होंने अपनी काबिलियत का लोहा मनवाते हुए आज वह मुकाम हासिल कर दिखाया है जहां तक पहुंचना निश्चित रूप से एक राजनैतिक व्यक्ति का सपना होता है ।उन्हें मध्यप्रदेश बाल संरक्षण आयोग का सम्मानित सदस्य बनाया जाना यह सिद्ध करता है कि वह एक कुशल ग्रहणी कुशल अधिवक्ता के साथ-साथ एक सफल राजनैतिक चेहरा बनकर उभरी है जो समाज की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणादायक हो सकता है।

पुलिस लाइन चुर्क में 485 रिक्रूट आरक्षियों की दीक्षांत परेड सम्पन्न, नवआरक्षियों ने लिया जनसेवा का संकल्प

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। जनपद के पुलिस लाइन चुर्क स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में रविवार को 485 रिक्रूट आरक्षियों की दीक्षांत परेड गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुई। पूरे परेड ग्राउंड में अनुशासन, ऊर्जा और उत्साह का अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जहां नवआरक्षियों ने अपने कठिन प्रशिक्षण, समर्पण और उत्कृष्ट कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। समारोह के मुख्य अतिथि अरविन्द कुमार मौर्या रहे, जिन्होंने परेड की सलामी ली और सुसज्जित 18 टोलियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आरक्षियों की एकरूपता, शारीरिक दक्षता और ड्रिल की उत्कृष्टता की सराहना की। इसके बाद सभी टोलियों ने शानदार मार्चपास्ट प्रस्तुत किया, जिसमें कदम से कदम मिलाकर चलते हुए सलामी मंच से गुजरते समय मुख्य अतिथि को सलामी दी गई। मार्चपास्ट की सटीकता और अनुशासन ने उपस्थित जनसमूह को प्रभावित किया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षु आरक्षियों को सम्मानित किया गया। सर्वांग सर्वोत्तम प्रशिक्षार्थी का खिताब प्रशांत शुक्ला को मिला। बाह्य कक्षीय विषयों में भी उन्होंने सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया, जबकि अंतः कक्षीय विषयों में नीरज ओझा को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। इसके अलावा अन्य कई प्रशिक्षार्थियों को भी विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने नवआरक्षियों को ईमान दारी, निष्पक्षता और संवेदन शीलता के साथ कर्तव्य निभाने का संदेश दिया तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर सभी आरक्षियों को कर्तव्यों के प्रति शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में जिलाधिकारी चर्चित गौड़, पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि यह दीक्षांत परेड पूरे प्रदेश की सभी आरटीसी में आयोजित की गई, जिसमें लखनऊ में मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने बताया कि सोनभद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लगभग 486 आरक्षियों ने परेड में भाग लिया, जिनमें से करीब 200 से अधिक प्रशिक्षु विभिन्न स्थानों पर तैनात किए जाएंगे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 70 से अधिक महिला आरक्षी भी जनपद को प्राप्त होंगी, जो विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों से आकर यहां सेवाएं देंगी। उन्होंने कहा कि सोनभद्र, जो कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहा है, आज पूरी तरह नक्सलमुक्त हो चुका है। एक समय जहां नक्सलियों की गतिविधियां होती थीं, आज वहीं पुलिस के जवान प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं और देश सेवा में योगदान दे रहे हैं, जो बदलते भारत की नई तस्वीर को दशार्ता है। समारोह का समापन उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक माहौल में हुआ।

पेयजल व्यवस्था व गेहूं खरीद पर विशेष ध्यान दें– प्रभारी मंत्री रविंद्र जायसवाल

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। प्रभारी मा० राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार श्री रविंद्र जायसवाल जी ने आज सर्किट हाउस के सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में जनपद की विभिन्न समस्याओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान मंत्री जी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा अवगत कराए गए समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने विशेष रूप से पेयजल समस्या पर गंभीरता दिखाते हुए निर्देश दिए कि जनपद में स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में खराब हैंडपंपों की मरम्मत को प्राथमिकता दी जाए तथा नगर पालिका एवं अन्य क्षेत्रों में वॉटर कूलर लगाने की व्यवस्था की जाए। मंत्री जी ने गेहूं खरीद केंद्रों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों से समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से गेहूं खरीद सुनिश्चित की जाए। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यव स्थाएं दुरुस्त रखी जाएं।

बैठक में माननीय विधायक सदर भूपेश चौबे, माननीय विधायक घोरावल डॉ. अनिल कुमार मौर्य, जिलाधिकारी चर्चित गोंड, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी वागीश कुमार शुक्ला सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने विभागीय कार्यों में तेजी लाएं और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दें।

रॉबर्ट्सगंज पुलिस ने 90 लीटर चोरी का डीजल व ट्रकों के स्टेपनी टायर के साथ 03 शातिर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के नेतृत्व में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना राबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा हाईवे पर सक्रिय डीजल चोरी करने वाले संगठित गिरोह के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही की गयी है।

दिनांक 26.04.2026 को थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त एवं वांछित अभियुक्तों की तलाश में मामूर थी, तभी मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि मु0अ0सं0 321/2026 से सम्बन्धित चोरी गया डीजल व अन्य सामान कुछ व्यक्ति टोल प्लाजा के पास झाड़ियों में छिपाकर उसकी खरीद-फरोख्त कर रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 15-15 लीटर के 06 प्लास्टिक गैलनों में कुल 90 लीटर चोरी का डीजल, तीन ट्रकों के स्टेपनी टायर तथा 01 अदद ट्रक का टायर बरामद किया गया। इसके अतिरिक्त अभियुक्तों के पास से मोबाइल फोन एवं नगद धनराशि भी बरामद हुई।

पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा स्वीकार किया गया कि वे अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर हाईवे किनारे खड़े ट्रकों से सुनसान स्थानों पर डीजल चोरी करते हैं तथा उसे स्थानीय बाजार में बेच देते हैं। साथ ही विभिन्न ट्रकों से स्टेपनी टायर चोरी कर अवैध रूप से बेचने का कार्य भी करते हैं। अभियुक्तों ने यह भी बताया कि चोरी के दौरान पकड़े जाने की आशंका होने पर वे पत्थरों से हमला कर मौके से फरार हो जाते थे, जिससे यह गैंग एक खतरनाक एवं संगठित गिरोह के रूप में कार्य कर रहा था। अभियुक्त रमेश केशरी द्वारा चोरी के माल को कम दाम में खरीदकर बाजार में अधिक दाम पर बेचने की बात स्वीकार की गयी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि उक्त गिरोह चोरी एवं अवैध खरीद-फरोख्त की श्रृंखला के रूप में कार्यरत था। उक्त बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर अभियुक्तगणों के विरुद्ध मु0 अ0सं0 321/2026 धारा 307, 317(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत विधिक कार्यवाही करते हुए चालान माननीय न्यायालय किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तगण 1. कान्ता पटेल पुत्र त्रिवेणी पटेल निवासी ग्राम लोढ़ी थाना रावट्र्सगंज जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 45 वर्ष, 2. प्रमोद उर्फ कातिया खरवार पुत्र रमाशंकर खरवार निवासी ग्राम लोढ़ी थाना रावट्र्सगंज जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 20 वर्ष, 3. रमेश केशरी पुत्र स्व0 जोगेन्द्र शाव निवासी चुर्क बाजार हाल पता घसिया बस्ती के पास थाना रावट्र्सगंज जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 50 वर्ष ।

महामंडलेश्वर किरन नंदगिरी का मानवीय चेहरा:- दुद्धी में बुजुर्ग असहाय की मदद कर पेश की मिसाल

सम्मान के साथ सेवा: महामंडलेश्वर बनने पर दुद्धी क्षेत्र में मिली बधाइयों की बौछार

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। जनपद के दुद्धी क्षेत्र में मानवता और सेवा की मिसाल उस समय देखने को मिली, जब विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश किन्नर प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष एवं सनातनी किन्नर अखाड़े की नव-नियुक्त महामंडलेश्वर किरन नंदगिरी ने एक बुजुर्ग असहाय व्यक्ति की दवा के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की। इस सराहनीय पहल से क्षेत्र में उनके प्रति सम्मान और भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने इस कार्य को मानवता की सच्ची सेवा बताते हुए उनकी प्रशंसा की। ज्ञात हो कि हाल ही में किरन नंदगिरी को सनातनी किन्नर अखाड़े में महामंडलेश्वर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके इस मनोनयन से दूधी क्षेत्र सहित पूरे सोनभद्र जनपद में खुशी की लहर दौड़ गई। क्षेत्र के ग्रामवासियों, नगरवासियों और आम जनमानस ने उन्हें ढेर सारी बधाइयां एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। लोगों ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में समाज सेवा के कार्य और अधिक गति पकड़ेंगे। इस अवसर पर महामंडलेश्वर किरन नंदगिरी ने अपने जजमानों और क्षेत्रवासियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग की सेवा ही उनका मुख्य उद्देश्य है और वे आगे भी इसी भावना के साथ कार्य करती रहेंगी। किरन नंदगिरी के इस सेवा भाव और सामाजिक समर्पण से क्षेत्र में एक सकारात्मक संदेश गया है, जिससे अन्य लोगों को भी जरूरतमंदों की मदद के लिए प्रेरणा मिल रही है।

नर्वदेश्वर महादेव मंदिर में हुआ वार्षिकोत्सव कार्यक्रम, मिथिलेश पाण्डेय व अरूणा देवी बनी यजमान

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। घोरावल तहसील क्षेत्र के महुआंव पाण्डेय गांव में रविवार को नर्वदेश्वर महादेव मंदिर में महादेव जी का विशेष पूजन किया गया। यह कार्यक्रम मंदिर निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में आयोजित वार्षिको त्सव के रूप में किया गया। इस कार्यक्रम के यजमान मिथिलेश कुमार पाण्डेय व उनकी पत्नी अरूणा देवी रहीं। यहीं मुख्य आचार्य रामजी पाठक व अन्य आचार्य श्याम कुमार पाठक व प्रदीप कुमार मिश्र के द्वारा पूजन कराया गया। सर्व प्रथम आचार्यो द्वारा सविधि पूजन अर्चन स्थापित सभी देवी देवताओं का कराया गया, उसके उपरांत स्थापित नर्वदेश्वर महादेव जी का अभिषेक यजमान द्वारा किया गया। उसके बाद भजन आरती हवन उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। यह वार्षिकोत्सव कार्यक्रम प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी किया जा रहा है। यह कार्यक्रम गांव के सम्मानित लोगों द्वारा बहुत ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस शिवालय में स्थापित भगवान शिव, पार्वती, गणेशजी, संकटमोचन हनुमान जी, राधा कृष्ण के साथ नंदी महाराज आदि सभी विराजमान देवताओं का सविधि पूजन अर्चन किया गया। यह कार्यक्रम बहुत ही उत्साह पूर्वक मनाया गया। साथ ही रात्रि में देवी जागरण का कार्यक्रम ओबरा के भक्त गण के द्वारा होना है। इस अवसर पर मंदिर के मुख्य पुजारी नारायण धर द्विवेदी के साथ रामजी धर द्विवेदी, सत्य धर द्विवेदी व श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर/सेवा संस्थान के संस्थापक राम अनुज धर द्विवेदी के साथ कृष्ण धर द्विवेदी,

गोविंद धर द्विवेदी के साथ तमाम पुरुष व महिलाएं के साथ ग्रामीण भक्त गण उपस्थित रहे।

27 अप्रैल को गो सेवा, गो सम्मान आह्वान अभियान में ले भाग

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। मंडल प्रभारी से राय परामर्श कर जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों को साथ लेकर जिला अध्यक्ष 30 अप्रैल तक वंदे मातरम् चौक घोषित कराएं। क्षेत्रीय महामंत्री अपने-अपने क्षेत्र की पूरी निगरानी रखें। जिस प्रकार से क्षेत्रीय महामंत्री श्याम बाबू शर्मा ने विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश की वर्चुअल बैठक करके सभी जिला अध्यक्षों को निर्देशित किया है। उसी प्रकार क्षेत्रीय महामंत्री शरद परमार व राजू सिंह प्रधान विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश की वर्चुअल वर्चुअल बैठक करके जिला अध्यक्षों को ज्ञापन वार्ता हेतु निर्देशित करें। उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ महाराज महाराज जी के साप्ताहिक जन्मोत्सव कार्यक्रम 5 जून से 12 जून के बीच कोई साथी किसी बड़े पदाधिकारी का कार्यक्रम लेना चाहते हैं, तो उन्हें बता दें, ताकि वे अपने समय व यात्रा की पहले से व्यवस्था कर सकें। 1 मई प्रातः काल 9:00 बजे की विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश की वर्चुअल बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किए जाएंगे। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश की वर्चुअल बैठक में आप सबकी उपस्थित आवश्यक है। हस्तिनापुर संभाग प्रभारी पंकज कुमार वालिया जी के जीव जंतु कल्याण बोर्ड भारत सरकार में सदस्य नामित होने पर ढेर सारी बधाइया। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश मातृशक्ति प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष आशा शर्मा को जन्मतिथि के अवसर पर स्वस्थ, सुखी व शतायु जीवन की ढेर सारी शुभ कामनाएं दी गई।

4 घंटे जाम में कैद जिंदगी, सिस्टम गायब !

हाइवा ब्रेकडाउन से थमा ताला-पनपथा मार्ग, 42°C में तड़पती रही जनता

समाज जागरण उमरिया मानपुर

ताला-पनपथा मार्ग पर रविवार सुबह 8 बजे से लगा भीषण जाम दोपहर 12:30 बजे तक भी नहीं खुल सका। बीच सड़क में एक हाइवा वाहन के खराब हो जाने से शुरू हुई समस्या, सिंगल रोड और अधूरी पटरी के कारण धीरे-धीरे विकराल रूप लेती चली गई। इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासनिक उदासीनता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक हाइवा ने रोकी हजारों की रफ्तार

मार्ग संकरा होने और वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था न होने के चलते एक ही वाहन का ब्रेकडाउन पूरे ट्रैफिक सिस्टम पर भारी पड़ गया। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और हजारों लोग घंटों तक जाम में फंसे रहे।

भीषण गर्मी में बेहाल हुए लोग

42 डिग्री की झुलसाती गर्मी में फंसे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं पानी के लिए तरसते नजर आए। कई लोग मजबूरी में जंगल की ओर भटकते दिखे, जबकि कुछ पेड़ों की छांव में बैठकर राहत तलाशते रहे।

जंगल क्षेत्र में बढ़ा खतरा, वन विभाग नदारद

यह पूरा इलाका वन क्षेत्र से सटा हुआ है, ऐसे में जाम में फंसे लोगों का जंगल की ओर जाना खतरनाक साबित हो सकता था। जंगली जानवरों के खतरे के बावजूद वन विभाग का कोई अमला मौके पर नजर नहीं आया, जो चिंता का विषय है।

प्रशासनिक लापरवाही पर उठे गंभीर सवाल

चार घंटे से अधिक समय तक जाम लगा रहा, लेकिन न पुलिस की सक्रिय मौजूदगी दिखी और न ही कोई राहत व्यवस्था की गई।

यह सवाल उठना लाजमी है कि– क्या आपात स्थिति से निपटने के लिए कोई ठोस योजना नहीं थी? क्या एक सामान्य ब्रेकडाउन से निपटने की क्षमता भी सिस्टम में नहीं है?

जवाबदेही तय होगी या मामला ठंडे बस्ते में जाएगा?

जब हालात इतने बिगड़ जाएं कि लोग पानी के लिए जंगल की ओर भटकने लगें और फिर भी जिम्मेदार विभाग हरकत में न आएं, तो यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

अब देखना यह है कि संबंधित विभाग इस गंभीर चूक पर कोई ठोस कार्रवाई करते हैं या फिर हर बार की तरह यह मामला भी ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा।

खाड़ी में युद्ध से रसोई गैस का संकट: अब अमेरिका बना भारत का सहारा, अप्रैल में हुआ रिकॉर्ड आयात

खाड़ी संकट के कारण भारत का एलपीजी आयात अब अमेरिका पर निर्भर है। साथ ही यूएई से आपूर्ति घटने के बाद सरकार अर्जेंटीना और चिली जैसे नए विकल्प तलाश रही है खाड़ी देशों से आपूर्ति बाधित होने के कारण तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी या रसोई गैस) के लिए भारत अब अमेरिका से आयात में तेजी ला रहा है और वैश्विक स्तर पर विकल्प बहुत सीमित हैं।

मैरीटाइम इंटेलिजेंस फर्म केप्लर के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में अब तक भारत ने अमेरिका से 3,6 1,000 टन रसोई गैस खरीदी है, जो सर्वाधिक है। इस दौरान प्रमुख पश्चिम एशियाई आपूर्तिकताओं से आयात में तेज गिरावट आई है।

भारत के सबसे बड़े रसोई गैस आपूर्तिकर्ता संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 25 अप्रैल तक 1,63,000 टन रसोई गैस आई है, जबकि खाड़ी संकट शुरू होने के पहले फरवरी में 6,26,000 टन रसोई गैस का आयात हुआ था। अन्य खाड़ी देशों से भी आयात घटा है। इस महीने में सऊदी अरब से 1,38,000 टन, कतर से 87,000 टन और ईरान से 61,000 टन की खेप आई है। भारत आपूर्ति के विविधीकरण की कवायद में लगा है। लेकिन अब तक वैकल्पिक बाजारों से मामूली आयात हुआ है। अप्रैल में अब तक अर्जेंटीना से 10,000 टन और चिली से 13,000 टन की शिपमेंट हुई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और होर्मुज स्ट्रेट के फिर से खुलने तक निकट अवधि में खाड़ी देशों से आयात का विकल्प तलाशना चुनौती पूर्ण होगा। केप्लर के पेट्रोकेमिकल्स मैनेजर यूनुस अजौजी ने कहा, भारत अपने एलपीजी आयात का लगभग 90 प्रतिशत पश्चिम एशिया से प्राप्त करता रहा है। वैकल्पिक आपूर्ति कताओं की तलाश कर बदलाव करना जल्दबाजी में नहीं हो सकता। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के कारण बाजार में पहले से ही कमी है। ऐसे में एलपीजी किसी अन्य देश से मंगाने की कवायद करने पर माल ढुलाई और लागत और बढ़ने की संभावना है।

तरजीही इक्विटी का नया रिकॉर्ड : 25 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंची लिस्टिंग, वित्त वर्ष 26 में 1,307 इश्यू

वित्त वर्ष २०२६ में तरजीही इक्विटी लिस्टिंग 1, 307 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वोडाफोन आइडिया के नेतृत्व में कंपनियों ने इसके जरिए 1.49 लाख करोड़ रुपये जुटाए

तरजीही इक्विटी सूचीबद्धता की संख्या ढाई दशक से भी ज्यादा समय में अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। प्राइमडेटाबेस डॉटकॉम के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में तरजीही शेयरों की लिस्टिंग की संख्या 1,307 रही।

यह वर्ष 2000-01 से उपलब्ध सबसे अधिक आंकड़ा है। यह वित्त वर्ष 2025 में देखी गई 986 ऐसी सूचीबद्धताओं से 33 प्रतिशत ज्यादा है। इस आंकड़े में हर अलॉटमेंट की लिस्टिंग को एक अलग घटना माना गया है और निर्गम के लिए सूचीबद्धता की तारीख को माना गया है, न कि उस तारीख को जब शेयर अलॉट किए गए थे। इन तरजीही इक्विटी इश्यू की कुल कीमत लगभग 1.49 लाख करोड़ रुपये थी, जो रिकॉर्ड में तीसरी सबसे ज्यादा है। इससे पहले ऊंचा स्तर वित्त वर्ष 2019 (लगभग 1.96 लाख करोड़) और वित्त वर्ष 2020 (लगभग 1.63 लाख करोड़ रुपये) दर्ज किया गया था।

तरजीही इक्विटी निर्गम तब होता है, जब कोई कंपनी कुछ चुनिंदा इकाइयों के समूह को इक्विटी जारी करती है। इनमें प्रवर्तक या गैर-प्रवर्तक समूह के निवेशक शामिल हो सकते हैं। वित्त वर्ष 2026 के कुल निर्गमों में से लगभग 60 प्रतिशत गैर-प्रवर्तक संस्थाओं को जारी किए गए थे।

कुछ बड़े गैर-प्रवर्तक निर्गम उन कंपनियों के आए, जिनमें निजी क्षेत्र का ऋणदाता आईडीएफसी फर्स्ट बैंक (लगभग 7,500 करोड़ रुपये) और फार्मास्युटिकल कंपनी बायोकॉन (6,950 करोड़ रुपये) शामिल हैं। सबसे बड़ा निर्गम वोडाफोन आइडिया (36,950 करोड़ रुपये) का था, जिसने अपनी स्पेक्ट्रम नीलामी की बकाया रकम को इक्विटी में बदलने का विकल्प चुना। कम से कम 244 लिस्टिंग में एसएमई सेगमेंट की कंपनियां भी शामिल थीं, जिससे पता चलता है कि तरजीही इश्यू का इस्तेमाल सिर्फ बड़ी कंपनियों तक ही सीमित नहीं है। एक छोटे निवेश बैंक रिपलवेव इक्विटी एडवायजर्स में पार्टनर मेहुल सावला ने कहा कि तरजीही इक्विटी निर्गम आमतौर पर किसी बड़े निवेश के दौरान या ऐसी कंपनी के लिए फंड जुटाने के लोकप्रिय तरीके होते हैं जो आर्थिक रूप से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हो और जिसके पास पूंजी जुटाने के अन्य रास्ते सीमित हों। कुछ कंपनियों में सेक्टर से जुड़े कारणों से भी हलचल देखने को मिल सकती है, जिनमें फाइनैंशियल सेवा कंपनियां भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, कम से कम एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) और बैंकों के लिए इक्विटी उनकी वृद्धि के लिए मूल जरूरत है, खासकर ऐसे हालात में जब जमा दर धीमी हो तो यह रुझान जारी रहने की संभावना होती है। सावला ने कहा कि कुछ तरजीही इक्विटी निर्गम शेयरों के रूप में आ सकते हैं, जबकि कुछ में वारंट के जरिये कुछ हिस्सा शामिल हो सकता है। वारंट के तहत हिस्सेदारी लेने के लिए पहले कुछ आंशिक भुगतान करना होता है और बाकी रकम तब दी जाती है जब वारंट शेयरों में बदले जाते हैं। प्रवर्तकों को अक्सर वारंट के जरिये तरलता का प्रबंधन करना ज्यादा आसान लगता है। निजी इक्विटी और दूसरे वित्तीय निवेशक वारंट को ज्यादा पसंद कर सकते हैं। इसकी वजह यह कि इससे रिटर्न की दर बेहतर हो जाती है और पूंजी भी कम ही समय के लिए लगानी होती है। प्राइम डेटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया का कहना है कि तेजी से पूरा करने की प्रक्रिया और खास निवेशकों पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता से यह पसंदीदा विकल्प होता है, खासकर बाजार के उतार-चढ़ाव वाले दौर में। हल्दिया के अनुसार, मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव और उसके परिणामस्वरूप पैदा हुई अस्थिरता को देखते हुए यह रुझान मौजूदा वित्त वर्ष में जारी रहने की संभावना है।

भारत को अमेरिका से मिली बड़ी राहत: रूस से कच्चा तेल खरीदने की मिली छूट, सप्लाई की चिंता खत्म

अमेरिका ने अपनी नीति में ऐतिहासिक बदलाव करते हुए भारत सहित कई देशों को रूस से कच्चा तेल की खरीद जारी रखने की अनुमति दे दी। इससे भारत को बड़ी राहत मिली है क्योंकि इससे कच्चे तेल की आपूर्ति से संबंधित चिंता दूर होगी। रूसी तेल खरीद की छूट की घोषणा ऐसे समय में की गई है जब ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध विराम की घोषणा के बावजूद हॉर्मुज स्ट्रेट से जहाजों का आवागमन बाधित है। उद्योग विशेषज्ञों और रिफाइनरी अधिकारियों के अनुसार यह नई छूट भारत के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति की स्थिति को आसान बनाएगी। इक्रा में कॉरपोरेट रेटिंग्स में उपाध्यक्ष और समूह प्रमुख प्रशांत वशिष्ठ ने कहा, यह छूट भारत के लिए बड़ी राहत है क्योंकि इससे हमारी (कच्चे तेल की) आपूर्ति आसान हो जाएगी। संकट के बावजूद हमारी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और इसमें रूस के तेल की आपूर्ति की भूमिका बहुत अहम है।

अमेरिका ने विभिन्न देशों को 16 मई तक रूस से उन कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद खरीदने की अनुमति है, जिन्हें 17 अप्रैल या उससे पहले जहाजों पर लाद दिया गया था।

वरुणा नदी में मिला अज्ञात वृद्ध का शव

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। जंसा थाना क्षेत्र के खेवली पांडेयपुर गांव में रविवार सुबह वरुणा नदी में एक अज्ञात वृद्ध का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर जंसा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद

से शव को नदी से बाहर निकाला।जानकारी के अनुसार, सुबह गांव के कुछ बच्चे नदी में स्नान करने गए थे। इसी दौरान उनकी नजर पानी में तैरते एक शव पर पड़ी। इसे देखकर बच्चे घबरा गए और शोर मचाते हुए गांव की ओर भागे।बच्चों की सूचना पर ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन कई घंटों की कोशिश के बावजूद शव की शिनाख्त नहीं हो सकी।

पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 65 वर्ष प्रतीत हो रही है। उसके शरीर पर काले रंग की शर्ट और भूरे रंग का अंडरवियर पाया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पहचान कराने के प्रयास जारी हैं।

नारी बंदन कार्यक्रम में आने हेतु मां बहनों को किया आमंत्रित

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी जंक्शन।। नारी वंदन कार्यक्रम को लेकर वाराणसी में हो रहे प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी के लिए भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों ने आमंत्रण पत्र का वितरण ग्रामीण क्षेत्रों में भी किया।राजातालाब क्षेत्र में जिला महामंत्री प्रवीण सिंह गौतम ने घर-घर जाकर महिलाओं को आमंत्रण पत्र दिया।उन्होंने कहा की आधी आबादी महिलाओं की है।महिलाओं को सम्मान मिलना चाहिए उनको राजनीति के क्षेत्र में भी आरक्षण मिलना चाहिए ताकि वह बराबरी का हक महसूस कर सके और महिला समस्या व अन्य मुद्दे सहित सामाजिक राजनीतिक आर्थिक पक्ष पर अपनी बात रख सकें।

पार्टी के जिला महामंत्री प्रवीण सिंह गौतम ने रोहनिया विधानसभा तथा सेवापुरी विधानसभा के दो दर्जन से अधिक गांवों में आमंत्रण पत्र महिलाओं के हाथों में वितरित किया। इसी तरह भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी राजेश राजभर,राजेश सिंह पगड़ी,मनीष सिंह, , प्रेम शंकर पटेल, विनोद रस्तोगी,नरेंद्र पटेल, मुकेश सिंह,नीरज पांडेय, सुरेंद्र बिंद ने भी घर-घर जाकर महिलाओं को आमंत्रण पत्र देकर सभा में आने की अपील की है।

फर्जी नंबर प्लेट लगी कार में तीन सौ बोतल अंग्रेजी शराब के साथ दो शराब तस्करों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कार में दिल्ली का फर्जी नंबर प्लेट लगाकर हरियाणा से बिहार शराब ले जा रहे थे दोनों तस्कर

ड्रमंडगंज घाटी के बरम बाबा मोड़ के पास से पुलिस ने फर्जी नंबर प्लेट लगी कार को पकड़ा, दोनों शराब तस्कर बिहार के निवासी हैं

समाज जागरण

मीरजापुर /ड्रमंडगंज पुलिस और एसओजी टीम को रविवार सुबह बड़ी कामयाबी मिली। पुलिस ने फर्जी नंबर प्लेट लगी कार से तीन सौ बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की। कार में सवार दोनों शराब तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार कर कार्रवाई करते जेल भेज दिया। मुखबिर की सूचना पर रविवार सुबह पांच बजे के करीब ड्रमंडगंज घाटी स्थित बरम बाबा मंदिर के पास पुलिस ने घेराबंदी करते हुए दिल्ली कि फर्जी नंबर प्लेट लगाकर मध्यप्रदेश की ओर से आ रही सफेद रंग की क्रेटा कार को रोककर तलाशी ली तो कार की डिक्की में तीन सौ बोतल अंग्रेजी शराब देखकर पुलिस दंग रह गई। थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज भारत सुमन,एसआइ मूलचंद्र वर्मा,हेड कांस्टेबल संतोष कुमार यादव कांस्टेबल अमित कुमार ने कार में सवार दोनों युवकों से कड़ाई

से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि हरियाणा से अंग्रेजी शराब कार में लादकर बिहार ले जा रहे थे। पकड़े दोनों शराब तस्करों ने अपना नाम नागेंद्र शाह पुत्र रामप्रवेश शाह निवासी हेत्तनपुर थाना दानापुर जिला पटना व इशू सिंह पुत्र कुंडदेव सिंह निवासी मजीदपुर थाना किंजर जिला जहानाबाद बिहार बताया। पुलिस ने कार के भीतर से अंग्रेजी शराब रायल रणथम्भौर की 10 बोतल,हंड्रेड पाइपर 5 बोतल जानी वाकर रेड लेबल की 234 बोतलें जानी वाकर ब्लैक लेवल 8 बोतल,आफ सेल्यूट बोदका की 23, वेलेंटाइन की 20 बोतल बरामद किया। पकड़े गए तस्करों ने बताया कि हरियाणा से अंग्रेजी शराब बिहार ले जाकर मूल्य से दोगुने, तीन गुना दामों पर बेचते हैं। थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज भारत सुमन ने बताया कि दोनों शराब तस्कर कार में दिल्ली का फर्जी नंबर प्लेट लगाकर हरियाणा से बिहार अंग्रेजी शराब की विभिन्न किस्म की तीन सौ बोतलें लादकर ले जा रहे थे। जिन्हें ड्रमंडगंज पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने पकड़ा है।पकड़ी गई कार का रजिस्ट्रेशन नंबर भी नही है।कार के भीतर से झारखंड का फर्जी नंबर प्लेट बरामद हुआ है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पकड़े गए तस्करों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 60/63 व बीएनएस की धारा 318(4),338,336(3) व 340(2) के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए कार को सीज कर दिया गया है। गिरफ्तार किए गए दोनों तस्करों को जेल भेजा गया है।

पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक सवार दम्पति घायल

बाइक चालक ने पिकअप मालिक के विरुद्ध दी तहरीर

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के गुर्गी गांव में रविवार की दोपहर पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक सवार दम्पति घायल हो गए पिकअप चालक मौके से भाग निकला बाइक चालक ने पिकअप मालिक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किया है पुलिस जांच में जुट गई है थाना क्षेत्र के भटवारी गांव निवासी 28 वर्षीय पप्पू कुमार मौर्य बाइक से अपनी पत्नी 25 वर्षीय शिमला के साथ रिश्तेदार के यंहा गजरिया गांव में जा रहे थे की जैसे ही गुर्गी गांव में पहुंचे की पिकअप चालक तेजगति लापरवाही पूर्वक वाहन चालक ने बाइक सवार की बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया जिससे बाइक सवार पति पत्नी दोनों घायल हो गए मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने घायलों को उपचार के लिए स्थानीय स्तर पर भर्ती कराया है उपचार के बाद बाइक चालक थाने में पिकअप मालिक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किया है पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गई है

चोरी के सामान के साथ आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। थाना जंसा पुलिस ने चोरी के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया है।

थाना जंसा के उपनिरीक्षक आदित्य सेन, चौकी प्रभारी रामेश्वर तथा उनकी टीम ऑपरेशन चक्रव्यूह अभियान के तहत क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने भाऊपुर तिराहे के पास से हरिहरपुर स्थित दुकान में हुई चोरी के मामले में वांछित अभियुक्त दिलेश्वर प्रजापति (पुत्र कन्हैया लाल प्रजापति), निवासी टिकरी कला, थाना बड़ागांव, उम्र लगभग 29 वर्ष को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर 02 गैस सिलेंडर, 01 मिक्सर मशीन, 02 सरसों तेल के डिब्बे तथा एक सफेद डिब्बे में रखे 480 रुपये बरामद किए गए हैं।

गौरतलब है कि पीड़ित ने थाना जंसा में लिखित तहरीर देकर बताया था कि वह हरिहरपुर बाजार में फास्ट फूड की दुकान संचालित करता है। रात्रि में अज्ञात चोरों ने उसकी दुकान का ताला तोड़कर 02 सिलेंडर, 01 मिक्सर मशीन, रजनीगंधा के पैकेट तथा लगभग 4,000 रुपये नकद चोरी कर लिए थे।

प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना जंसा में मुकदमा संख्या 76/2026, धारा 305ए बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन एवं स्थानीय लोगों से पूछताछ के आधार पर अभियुक्त की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

हरहुआ चौराहे पर पिकप ने मारी टक्कर, बाइक सवार घायल।

समाज जागरण

हरहुआ। हरहुआ पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत हरहुआ चौराहे पर रविवार की सुबह एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक घायल हो गया। स्थानीय लोगों की तत्परता से घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भगतुपुर निवासी फूलचंद यादव (38 वर्ष) रविवार की सुबह लगभग 5 बजे अपने घर से दूध देने के लिए मोटरसाइकिल से निकले थे। करीब 6 बजे जब वह हरहुआ चौराहे पर पहुंचे, तो सड़क पर बने ब्रेकर के कारण उन्होंने अपनी बाइक की रफ्तार धीमी कर दी। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार से आ रही एक अज्ञात

पिकअप वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज थी कि फूलचंद यादव बाइक समेत सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। दुर्घटना के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया।

घटना के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों और राहगीरों ने तुरंत मदद के लिए आगे आते हुए डायल 112 पर सूचना दी और 108 एंबुलेंस को भी बुलाया। मौके पर पहुंची एंबुलेंस से घायल को हरहुआ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया।

इसी बीच सूचना पाकर घायल के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। बेहतर इलाज के लिए परिजन उसे निजी चिकित्सालय ले गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि हरहुआ चौराहे पर तेज रफ्तार वाहनों और ब्रेकर की स्थिति के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से यहां यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने और स्पीड कंट्रोल के प्रभावी उपाय करने की मांग की है।

परंपरा को लेकर चले ढोलक की थाप से लोक-संस्कृति को जीवित रख रहे.... पंडित सुभाष कन्नौजिया।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ/वाराणसी आधुनिक दौर में जहां लोक-संगीत पर अश्लीलता का प्रभाव बढ़ता जा रहा है, वहीं ढोलक सम्राट पंडित सुभाष कनौजिया आज भी पारंपरिक, शुद्ध और मनमोहक लोक-गीतों की परंपरा को जीवित रखे हुए हैं।

1 जुलाई 1974 को वाराणसी जनपद के ग्राम जंगलपुर कठिराव में जन्मे पंडित सुभाष कनौजिया का जीवन संघर्ष, साधना और सफलता की प्रेरक गाथा है। एक साधारण परिवार में जन्मे पंडित जी को उनके माता-पिता स्वर्गीय बसंतु कनौजिया एवं प्रभावती देवी से संस्कार, भक्ति और संगीत की अमूल्य विरासत मिली।

बचपन से ही संगीत के प्रति गहरा लगाव रखने वाले पंडित जी ने मात्र 8 वर्ष की आयु में ढोलक वादन शुरू कर दिया था। 13 वर्ष की उम्र तक उन्होंने अखंड रामायण, कीर्तन, नौटंकी और लोकगीतों में मंचीय प्रस्तुतियां देना शुरू कर दिया। उनकी सटीक लय और भावपूर्ण वादन ने उन्हें जल्द ही जनमानस के बीच लोकप्रिय बना दिया।

*गुरु का मिला साथ, बनी पहचान।

बनारस घराने की बारीकियों को आत्मसात कर उन्होंने अपनी कला को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

उन्होंने प्रयाग संगीत समिति से प्रभाकर और संपूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

सम्मान और उपलब्धियां

पंडित सुभाष कनौजिया को उनकी उत्कृष्ट साधना के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मान मिले हैं, जिनमें प्रमुख हैं–

2002: ढोलक सम्राट उपाधि

2014: बनारस रत्न सम्मान

2015: आकाशवाणी A-ग्रेड कलाकार

2024: आकाशवाणी टॉप ग्रेड

अंतरराष्ट्रीय भोजपुरी गौरव सम्मान 2024

2026: ढोलक तालमणि अवार्ड

देश-विदेश में गूंजती ढोलक की थाप

पंडित जी ने गंगा महोत्सव, ताज महोत्सव, कुंभ महोत्सव सहित देश के अनेक बड़े मंचों पर प्रस्तुति दी है।

इसके अलावा बैंकॉक, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, फिजी, कतर और न्यूजीलैंड जैसे देशों में भी उन्होंने भारतीय लोक-संगीत का परचम लहराया।

मीडिया और फिल्म जगत में योगदान उन्होंने सुर संग्राम, फाग जलवा और भक्ति सागर जैसे कार्यक्रमों में अपनी कला का प्रदर्शन किया। टी-सीरीज, वेब म्यूजिक सहित कई प्लेटफॉर्म्स पर हजारों प्रोजेक्ट्स में उनका योगदान रहा है।

दिग्गज कलाकारों के साथ संगत

पंडित जी ने मनोज तिवारी, उदित नारायण, मालिनी अवस्थी, अनूप जलोटा, कल्पना पटोवारी जैसे कई प्रसिद्ध कलाकारों के साथ मंच साझा किया है।

समाज सेवा में भी अग्रणी

वे रियल म्यूजिक इंस्टिट्यूट और लोक विधा संगीत प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से गरीब और दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क संगीत शिक्षा दे रहे हैं।

परंपरा को बचाने का संदेश

पंडित सुभाष कनौजिया का मानना है कि आज के समय में लोक-संगीत अपनी शुद्धता खोता जा रहा है। पहले ढोलक पर गाए जाने वाले गीत मन को मोह लेने वाले और संस्कारपूर्ण होते थे, लेकिन आज उनमें अश्लीलता बढ़ती जा रही है। उनका प्रयास है कि नई पीढ़ी को शुद्ध, पारंपरिक और सांस्कृतिक लोक-संगीत से जोड़ा जाए, ताकि भारतीय विरासत सुरक्षित रह सके।

भारतीय संविधान के जनक,महान समाज सुधारक डॉ0 अम्बेडकर ने समतामूलक समाज को दिशा प्रदान की त्रिभुवन राम

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। भारतीय संविधान के जनक ,भारत रत्न ,महानतम अर्थशास्त्री ,नारी मुक्तिदाता, महान समाज सुधारक बाबा साहब डॉ0 भीमराव अंबेडकर सामाजिक न्याय के अग्रदूत, संविधान शिल्पी भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर वंचितों, श्रमिकों और किसानों को अधिकार दिलाते हुए समता, न्याय और मानव गरिमा की अटूट आधारशिला रखी। उनका संघर्षमय जीवन आज भी कर्तव्य, समर्पण और राष्ट्रसेवा का मार्ग आलोकित करता है।

उक्त बातें सुलेमापुर में डॉ0 भीमराव अंबेडकर सेवा समिति द्वारा आयोजित जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विधायक टी0राम ने व्यक्त किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि एमएलसी व भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अमित उपाध्याय ,जिला पंचायत सदस्य सुभाष जैसल, हरिश्चंद्र गौतम ने भी विचार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि व समान्नित विशिष्ट

जनों ने डॉ0 भीमराव आंबेडकर ,संत रविदास जी व भगवान बुद्ध के मूर्ति का अनावरण किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रामप्रकाश सिंह बीरू जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा वाराणसी,ग्राम प्रधान सुलेमापुर दिनेश यादव,खरपत्तू यादव प्रधान अहिरौली,रामनरेश यादव प्रधान सरैया, विपिन प्रसाद प्रधान शिवरामपुर, पूर्व प्रधान सुरेंद्र यादव, कपिल नारायण पांडेय,राणा चौहान, अनीता पटेल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डा0 बाबू लाल पूर्व रिटायर्ड स्वास्थ्य अधिकारी व संचालन मोतीलाल बुद्धिस्ट ने किया।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापारिक संबंधों के एक नए अध्याय की शुरूआत

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी।। ताजनगरी में आयोजित 'बिजनेस मीट' ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापारिक संबंधों के एक नए अध्याय की शुरूआत कर दी है। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, पंचायती राज व पशुपालन राज्य मंत्री एस. पी. सिंह बघेल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टॉड मैक्ले मुख्य रूप से शामिल हुए।

कैट प्रदेश महामंत्री अखिलेश कुमार मिश्र ने बताया इस बिजनेस मीट में दोनों देशों के प्रतिनिधियों, प्रमुख उद्योगपतियों और नीति-निमार्ताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए भविष्य की औद्योगिक साझेदारी पर विस्तृत रोडमैप तैयार किया।

इस विशेष आयोजन का केंद्र बिंदु भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार, निवेश और तकनीकी सहयोग के नए रास्तों को खोजना रहा। मंत्रियों ने जोर दिया कि दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक रिश्ते न केवल निवेश बढ़ाएंगे, बल्कि औद्योगिक विकास की ठोस रणनीति को भी गति देंगे।

बिजनेस मीट के इतर, कैट के तरफ से जिला अध्यक्ष एवं भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी रोहित कत्याल ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान रोहित कत्याल ने आगरा शहर के विकास से जुड़े अहम विषयों और स्थानीय व्यापारियों की समस्याओं को उनके समक्ष रखा। चर्चा के दौरान जनसंपर्क, मीडिया की सकारात्मक भूमिका और व्यापारिक हितों की रक्षा जैसे मुद्दों पर भी विस्तार से बातचीत हुई।

मुलाकात के अंत में रोहित कत्याल ने केंद्रीय मंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका आभार जताया। मंत्री पीयूष गोयल ने आगरा के विकास और व्यापारियों के सहयोग को लेकर सकारात्मक आश्वासन दिया। साथ ही, संगठनात्मक मजबूती और भविष्य की योजनाओं पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ।

इस बिजनेस मीट और महत्वपूर्ण मुलाकात ने आगरा के औद्योगिक और व्यापारिक हलकों में एक नई ऊर्जा का संचार किया है।

ट्रेलर और कार में टक्कर तीन घायल

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। जंसा थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने पीछे से कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार एक महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रिंग रोड फेज-2 पर गंजारी स्टेडियम के पास की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वैगनआर कार में सवार तीनों लोग हरहुआ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर अनियंत्रित होकर

डिवाइडर से जा टकराई।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही जंसा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सभी घायलों को अस्पताल भेजा जा चुका था। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

विद्यालय केवल शिक्षा देने का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण का आधार है-सुमन सिंह

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर
दैनिक समाज जागरण

सत्यदेव इंटरनेशनल स्कूल, सागापाली में सत्र 2025-26 के मेधावी छात्रों (नर्सरी से कक्षा 8वीं तक) को सम्मानित करने हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सत्यदेव ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के प्रबंध निदेशक प्रोफेसर डॉ. सानंद सिंह रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सत्यदेव ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के मुख्य प्रबंध निदेशक प्रोफेसर डॉ. आनंद सिंह जी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त सत्यदेव ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के पेट्रोन रविन्द्र प्रताप सिंह,राजेश सिंह, विवेक सौरभ सिंह एवं कृष्णा यादव तथा डॉ. राम मनोहर लोहिया डिग्री कॉलेज, अध्यात्मपुरम के प्राचार्य डॉ. विजेंद्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को अत्यंत विशेष बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. सानंद सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ. आनंद सिंह , रविन्द्र प्रताप सिंह एवं विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती सुमन सिंह द्वारा मां सरस्वती जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके साथ ही उपस्थित अतिथियों का सम्मान भी किया गया।

तत्पश्चात नर्सरी से लेकर कक्षा 8वीं तक के सभी रैंकर्स को मेडल एवं सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे छात्रों का उत्साहवर्धन हुआ। इस अवसर पर टॉपर्स के अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया था, जो अपने बच्चों के साथ इस उपलब्धि के पल को कैमरे में कैद करने के लिए अत्यंत उत्साहित नजर आए।

इसके साथ ही विद्यालय के प्रीफेक्ट्स का भी सम्मान किया गया, जिन्होंने पूरे सत्र में अनुशासन एवं नेतृत्व का

उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. सानंद सिंह ने अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में कहा,

विद्यार्थी जीवन केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, यह अपने व्यक्तित्व को गढ़ने का समय है। जो इस समय का सही उपयोग करता है, वही भविष्य का नेतृत्व करता है। आपकी मेहनत आपकी किस्मत बदल सकती है–खुद पर विश्वास रखिए, लक्ष्य तय कीजिए और पूरी ताकत के साथ आगे बढ़िए, सफलता आपको अवश्य मिलेगी।

वहीं, विशिष्ट अतिथि डॉ. आनंद सिंह जी ने अपने संबोधन में कहा,

ये बच्चे ही भारत का भविष्य हैं। इन्हीं के हाथों में देश की प्रगति और विकास की दिशा तय होगी। यदि इन्हें सही मार्गदर्शन, संस्कार और शिक्षा मिले, तो ये निश्चित ही देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती सुमन सिंह जी ने अपने संबोधन में कहा, विद्यालय केवल शिक्षा देने का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण का आधार है। हमारा उद्देश्य बच्चों को न केवल शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट बनाना है, बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार, अनुशासित और संस्कारी नागरिक के रूप में विकसित करना भी है।

साथ ही उन्होंने बताया कि नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 से विद्यालय में कक्षा 9वीं में भी प्रवेश प्रारंभ कर दिए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों को आगे की शिक्षा के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।

अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य ए. एन. उपाध्याय ने सभी टॉपर्स को बधाई देते हुए उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया एवं अपने वक्तव्य में कहा,विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनके परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। हम सभी का प्रयास है कि विद्यालय में ऐसा सकारात्मक एवं प्रेरणादायक वातावरण बना रहे, जिससे प्रत्येक छात्र अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके और जीवन में सफलता हासिल करे।

इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी यथा विश्वजीत स्वाइन , विद्या सिंह, रितू सिंह, आकांक्षा पाण्डेय, श्रेयांशु शर्मा, आकाश गुप्ता, अंजली गुप्ता, प्रतिभा, शिफा तनवीर,सुप्रिया सिंह, लक्ष्मी यादव, सुमैया जमाल, प्रशांत चौबे , श्रीकांत यादव , अराधना , नूतन कुमारी , प्रवीण तिवारी, अमृतेश पाण्डेय उपस्थित रहे।

पीपल की सूखी डाल गिरने से महिला गंभीर रूप से घायल, ट्रामा सेंटर के लिए रेफर

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के महुगढ़ छतरिया गांव में शनिवार रात करीब आठ बजे एक बड़ा हादसा हो गया। कच्चे मकान पर पीपल के पेड़ की सूखी डाल गिरने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार गांव निवासी कैलाश कहार के घर के पास स्थित विशालकाय पीपल के पेड़ की सूखी डाल अचानक कच्चे मकान पर गिर पड़ी। उस समय घर में मौजूद कैलाश की पत्नी मंजू देवी (42) उसकी चपेट में आ गईं, जिससे उनके पेट और कमर में गंभीर चोटें आईं।परिजनों ने तत्काल एंबुलेंस की मदद से घायल महिला को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पहुंचाया। जहां डा. विवेक खरे ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

इस संबंध में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विजेंद्र पांडेय ने बताया कि पीड़ित परिवार द्वारा पहले ही पेड़ की सूखी डाल कटवाने के लिए वन विभाग और समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र दिया गया था, लेकिन समय रहते कार्रवाई नहीं होने के कारण यह हादसा हो गया। ग्रामीणों ने इस घटना को अधिकारियों की लापरवाही बताया है और शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

रोज दाल में घी मिलाकर खाने से सेहत में होंगे चौंकाने वाले बदलाव

सभी पूछेंगे क्या है सेहत का राज

दाल भारतीय खाने का एक अहम हिस्सा है। चावल हो या रोटी किसी के साथ भी दाल को आसानी से खाया जा सकता है और काफी टेस्टी भी लगता है। दाल प्रोटीन का भी बेहतरीन स्त्रोत होता है, जिसके कारण यह भारतीय खान-पान में इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि दाल में बस एक चम्मच घी मिलाने से क्या हो सकता है। दाल में घी डालकर खाने की प्रथा काफी पुरानी है और ऐसा करना काफी फायदेमंद भी होता है।

दाल में घी मिलाकर खाने के फायदे

पाचन में सुधार- घी खतरनाक माइक्रोब्स को मारने में मदद करता है और पाचन शक्ति को बढ़ावा मिलता है। दाल में घी डालकर खाने से कब्ज और अपच जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

वजन घटाने में सहायक- यह सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन घी वजन घटाने में मदद कर सकता है। घी में मौजूद फैटी एसिड भूख को कम करने और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करते हैं।

हड्डियों को मजबूत बनाता है- घी में कैल्शियम और विटामिन-के भरपूर मात्रा होते हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करते हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद- घी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। ये त्वचा को मॉइस्श्चराइज्ड रखते हैं और झुर्रियों को कम करते हैं।

दिल के लिए फायदेमंद- घी में मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड दिल की बीमारियों के खतरे को कम करते हैं। यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।

इम्युनिटी बढ़ाता है- घी में विटामिन-ए और ई भरपूर मात्रा में होते हैं जो इम्युनिटी को बढ़ाते हैं और शरीर को इन्फेक्शन से बचाते हैं।

दिमाग के लिए फायदेमंद- घी में मौजूद फैटी एसिड दिमाग के काम करने की क्षमता को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। ये याददाश्त को बढ़ाते हैं और फोकस को बेहतर बनाते हैं।

शरीर को एनर्जी देता है- घी में कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है जो शरीर को एनर्जी देते हैं। यह थकान और कमजोरी को दूर करने में मदद करते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

कैलोरी की मात्रा अधिक- घी में कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है, इसलिए इसे सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए।

मोटापा- ज्यादा मात्रा में घी खाने से मोटापे का खतरा बढ़ जाता है।

हार्ट डिजीज- हालांकि घी में मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड होते हैं, लेकिन ज्यादा मात्रा में घी खाने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

तनाव और नींद न आने की समस्या से राहत दिलाएगा मून मिल्क, बस नोट कर लें इसकी रेसिपी

अपनी सेहत को लेकर सतर्क रहने वाले लोगों के बीच मून मिल्क का नया ट्रेंड शुरू हुआ है, जो कि कई तरह से लाभदायक है। ये एक खास प्रकार का गर्म दूध है, जिसमें आमतौर पर हल्दी, दालचीनी, अदरक, लौंग और शहद जैसे पौष्टिक तत्व मिलाए जाते हैं। वैसे तो इसका उपयोग प्राचीन समय से ही आयुर्वेदिक चिकित्सा शास्त्र में होता आ रहा है, जहां इसे सोने से पहले पीने की सलाह दी जाती थी। लेकिन आजकल हेल्थ एंथूजियास्ट्स के बीच ये काफी चलन में है। यह ड्रिंक न केवल नींद को सुधारता है, बल्कि शरीर को आराम भी देता है। मून मिल्क में कैल्शियम,एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण, प्रोटीन सहित कई जरूरी विटामिन और मिनरल्स होते हैं, जो पूरे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं।

नींद को बेहतर बनाने में सहायक

ट्रिप्टोफैन जैसे पोषक गुणों से भरपूर मून मिल्क नींद को बेहतर बनाने में मदद करता है, जिससे रात में गहरी नींद आती है।

तनाव में कमी

इंफ्लेमेटरी गुण तनाव और चिंता को कम करने में सहायक होते हैं, जिससे मानसिक शांति मिलती है।

इम्यून सिस्टम को मजबूती

मून मिल्क में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं, जिससे शरीर में रोगों से

इन्फेक्शन से बचा रहता है।

पाचन में सुधार

मून मिल्क में मौजूद अदरक और हल्दी जैसे पोषक तत्व पाचन क्रिया को बेहतर बनाते हैं और पेट की समस्याओं से राहत देते हैं।

त्वचा की चमक

इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स स्किन हेल्थ को बेहतर बनाते होते हैं और उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करते हैं।

पोषण की कमी दूर होती है

यह दूध, प्रोटीन, विटामिन, कैल्शियम और अन्य जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने और शरीर को ऊर्जा देने में मदद करता है।

मून मिल्क बनाने की विधि

मून मिल्क बनाने के लिए, एक कप दूध को मध्यम आंच पर गर्म करें। अब इसमें 1/2 चम्मच पिसी हुई हल्दी, 1/2 चम्मच दालचीनी,द छोटा चम्मच अश्वगंधा, दो चुटकी इलायची पाउडर, एक चुटकी जायफल पाउडर , एक चुटकी काली मिर्च पाउडर, एक छोटा चम्मच नारियल तेल और 1/2 इंच अदरक (कद्दूकस किया हुआ) डालें। इसे 5-7 मिनट तक उबालें, जिससे सभी स्वाद और गुण अच्छे से मिक्स हो जाएं। आखिर में स्वाद के अनुसार 1 चम्मच शहद मिलाएं। सोने से पहले गर्मागर्म ही इसे पिएं।

किशनगंज में फर्जी जीएसटी कागजात के जरिए कोयला परिवहन का भंडाफोड़, चार चालक गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज। जिले में अवैध एवं संगठित तरीके से कोयला परिवहन के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार वाहनों के साथ चार चालकों को गिरफ्तार किया है। सभी वाहनों को जब्त कर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ वाहन मालिक फर्जी जीएसटी कागजात तैयार कर अवैध रूप से कोयला परिवहन कर रहे हैं। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए 25 अप्रैल 2026 को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (किशनगंज-2) के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। विशेष टीम ने गलगलिया चेक पोस्ट पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान चार कोयला लदे वाहनों को रोककर उनके कागजात की जांच की गई। चालकों द्वारा प्रस्तुत जीएसटी दस्तावेजों की बारीकी से जांच करने पर बीजक (इनवॉइस) का निर्गत वर्ष एवं श्रृंखला संख्या गलत पाई गई। साथ ही बीजक में अंकित जीएसटी नंबर मेघालय का था, जबकि व्यवसाय स्थल असम दशार्या गया था। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि कोयला गुवाहाटी से लोड किया गया था।

पुलिस ने अवैध परिवहन के आरोप में चारों चालकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में हरेकृष्ण सिंह (जिला भोजपुर), गुलजार (थानाभवन), राजीव कुमार (मुजफ्फरपुर) तथा शित राय (समस्तीपुर) शामिल हैं।

इस संबंध में गलगलिया थाना कांड संख्या 42/26, दिनांक 25 अप्रैल 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2 मंगलेश कुमार सिंह के अलावा गलगलिया थाना के पुलिस अवर निरीक्षक राकेश कुमार, परिचारी पुलिस अवर निरीक्षक वेद प्रकाश कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

किशनगंज में अंतरराष्ट्रीय हेरोइन तस्करी गिरोह का पदार्फाश, एक करोड़ की ड्रग्स बरामद

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज। जिले की पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए करीब एक करोड़ रुपये मूल्य की 515.670 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इस कार्रवाई में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो आरोपी फरार हैं।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि 25 अप्रैल 2026 को अंतरराज्यीय तस्कर गिरोह पोठिया थाना क्षेत्र के फुलवाड़ी तैयबपुर गांव में एक घर पर एकत्र होकर मादक पदार्थ की बड़ी खेप की खरीद-बिक्री करने वाले हैं। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला आसूचना इकाई के प्रभारी पुलिस निरीक्षक मो. मुश्ताक के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया।

निर्धारित सूचना के आधार पर रात करीब 10 बजे कार्यपालक दंडाधिकारी की उपस्थिति में छापेमारी की गई। पुलिस टीम को देखकर मौके पर मौजूद पांच लोग भागने लगे, जिनमें से तीन को पकड़ लिया गया, जबकि दो अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

गिरफ्तार आरोपियों में रहवर आलम (40 वर्ष), रफीक अंसारी (40 वर्ष) और मो. सद्दाम (32 वर्ष) शामिल हैं। वहीं मुख्य आरोपी वाहिद एवं हमीदुल फरार हो गए हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

छापेमारी के दौरान गिरफ्तार आरोपियों तथा मौके से कुल 515.670 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इसके अलावा एक चारपहिया वाहन, दो मोटरसाइकिल, चार मोबाइल फोन, नाप-तौल मशीन, बैंक से संबंधित दस्तावेज तथा नेपाली मुद्रा भी जब्त की गई है।

प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि इस गिरोह का नेटवर्क नेपाल से लेकर हैदराबाद तक फैला हुआ है। मुख्य आरोपी वाहिद नेपाल से आकर स्थानीय स्तर पर नेटवर्क संचालित कर रहा था, जबकि एक अन्य आरोपी रजा आलम हैदराबाद से तकनीकी माध्यमों के जरिए ड्रग्स की डील कर रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए तेलंगाना पुलिस के साथ समन्वय स्थापित किया गया है।

इस संबंध में पोठिया थाना कांड संख्या 173/26, दिनांक 26 अप्रैल 2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(सी), 25 एवं 29 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस के अनुसार यह एक संगठित अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट है, जिसका नेटवर्क बिहार, पश्चिम बंगाल, नेपाल एवं तेलंगाना तक फैला हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों तथा ड्रग्स के सप्लाई चेन का पता लगाया जा रहा है। साथ ही, आरोपियों की अवैध संपत्ति की जांच कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2 मंगलेश कुमार, पुलिस निरीक्षक मो. मुश्ताक, पोठिया थानाध्यक्ष अंजय अमन सहित जिला आसूचना इकाई एवं पुलिस बल के अन्य जवान शामिल थे।

भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ जन सुराज का हल्ला बोल

पटना जिले के दुलहिनबाजार में प्रखंड स्तरीय बैठक संपन्न

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ रविवार को दुलहिनबाजार प्रखंड में जन सुराज पार्टी की महत्वपूर्ण प्रखंड स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता लक्ष्मण शर्मा ने की। जिसमें प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से आए कार्यकताओं और नेताओं ने पार्टी की मजबूती और भविष्य की रणनीति पर चर्चा की। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ. श्यामानंदन शर्मा ने बिहार की वर्तमान

व्यवस्था पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा की बिहार में भले ही मुख्यमंत्री का चेहरा बदलता रहे, लेकिन प्रशासनिक तंत्र में ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार चरम पर है। अपराध, महिला उत्पीड़न और बेरोजगारी के कारण पलायन की समस्या जस की तस बनी हुई है। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि जन सुराज का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था बनाना है। इसके लिए आगामी पंचायत चुनावों में पार्टी पूरी शक्ति के साथ उतरेगी और केवल उन्हीं उम्मीदवारों को अपना समर्थन देगी जो ईमानदार हों और जनता के सुख-दुख से सीधे तौर पर जुड़े हों। संगठन को धार देने और आगामी चुनावों की तैयारी के मद्देनजर बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 24 मई 2026 को दुलहिनबाजार में एक विशाल प्रखंड स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में क्षेत्र के हजारों लोगों के जुटने की संभावना है। बैठक के दौरान कमलेश शर्मा, शब्जा शर्मा, रामानंद तिवारी, श्रीनिवास शर्मा, शिवप्यारे सिंह, बिपिन शर्मा, रामनाथ विद्यार्थी, अरुण सिंह, श्रीकांत सरदार और सुनील कुमार सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए। सभी ने एक स्वर में बिहार में व्यवस्था परिवर्तन का संकल्प दोहराया।

सरल साधना से कलयुग में मिलेगी पापों से मुक्ति: संत पंकज जी महाराज

पालीगंज में जयगुरुदेव संगत के 51 दिवसीय सत्संग कार्यक्रम का भव्य समापन

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ परमसंत बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के उत्तराधिकारी संत पंकज जी महाराज ने शुक्रवार को पटना जिले के पालीगंज प्रखंड के समदा मेला मैदान में विशाल सत्संग को संबोधित किया। बिहार प्रदेश में पिछले 51 दिनों से चलाए जा रहे शाकाहार, सदाचार और मद्यनिषेध अभियान के तहत यह इस यात्रा का 51वां पड़ाव था। कार्यक्रम स्थल पर महाराज जी का स्वागत बाजे-गाजे, पुष्पवर्षा और भव्य माला पहनाकर किया गया। सत्संग के दौरान श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पंकज जी महाराज ने कहा कि यह कोई साधारण कथा-कीर्तन नहीं, बल्कि प्रभु भक्ति का मार्ग दिखाने वाला सत्संग है। उन्होंने स्पष्ट किया की यहाँ किसी देवी-देवता, धर्म या जाति की निंदा नहीं की जाती। हमारा उद्देश्य केवल मनुष्य को उसकी पहचान कराना है। हमें यह जानना होगा कि हम कौन हैं, कहाँ से आए हैं और मृत्यु के उपरांत हमारा गंतव्य क्या है। महाराज जी ने मृत्यु के बाद की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शरीर को जलाने या दफनाने से आत्मा का सफर खत्म नहीं होता। उन्होंने शास्त्रों में वर्णित 36 प्रकार के नर्कों की चर्चा करते हुए सचेत किया कि बुरे कर्म करने वालों को वहां कठोर दंड भुगतना पड़ता है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को सलाह दी कि कलयुग के इस दौर में केवल सरल साधना ही वह मार्ग है, जिससे इंसान अपने पापों से मुक्ति पा सकता है और शेष जीवन में आध्यात्मिक पूँजी जमा कर सकता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में जयगुरुदेव संगत के सेवादारों ने मुख्य भूमिका निभाई। इस अवसर पर सुनील कुमार, पप्पू कुमार, जितेंद्र कुमार, विनय यादव, पप्पू यादव, संजय यादव, चंदन कुमार, रामनाथ प्रसाद निराला, सहजानंद यादवाविशेष अतिथि में बदायूं से आए उपदेष जी भी सत्संग में उपस्थित रहे। सत्संग के समापन पर भारी संख्या में आए श्रद्धालुओं ने शाकाहार अपनाने और नशामुक्त जीवन जीने का संकल्प लिया।

पटना में NH-139 पर तेज रफ्तार का कहर

अनियंत्रित ट्रक ने 5 वर्षीय मासूम को रौंदा, मौत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पालीगंज थाना क्षेत्र के महबलीपुर-भेड़हरिया इंग्लिश गांव के पास रविवार को नेशनल हाईवे-139 पर एक भीषण सड़क हादसे में 5 वर्षीय मासूम की जान चली गई। मृतक की पहचान बिंदा चौधरी के पुत्र अनुराग (5 वर्ष) के रूप में हुई है। इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे और सुरक्षा की मांग को लेकर घंटों सड़क जाम रखा। जानकारी के अनुसार, बिंदा चौधरी अपने बीमार बेटे अनुराग को इलाज के लिए अरवल ले जाने की तैयारी में थे। बच्चा अपनी मां के साथ सड़क के दूसरी ओर खड़ा था। जैसे ही उसने पिता को देखा, वह सड़क पार करने लगा, तभी अरवल की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने उसे कुचल दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बच्चे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने NH-139 को पूरी तरह बाधित कर दिया, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भारी वाहनों की गति सीमा तय करने और मुआवजे की मांग की। मौके पर पहुंची पालीगंज पुलिस ने परिजनों को उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर काफी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुर्घटना में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया है और चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि रिहायशी क्षेत्र होने के बावजूद वाहनों की बेलगाम रफ्तार और स्पीड ब्रेकर का अभाव आए दिन ऐसी घटनाओं को दावत दे रहा है।

पटना में चलती ट्रेन से गिरकर युवक घायल, एक पैर कटा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ पटना से बक्सर जा रही एक ट्रेन में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब बिहटा रेलवे स्टेशन के पास एक युवक चलती ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भयावह था कि युवक का एक पैर कट गया। घायल की पहचान बक्सर निवासी 22 वर्षीय सुनील पाण्डेय के रूप में हुई है, जो गोरखनाथ पाण्डेय के पुत्र बताए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक अचानक असंतुलित होकर ट्रेन से नीचे गिर गया और ट्रेन की चपेट में आ गया। घटना की सूचना मिलते ही बिहटा जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तुरंत स्थानीय रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। बिहटा रेल जीआरपी थाना प्रभारी आरती कुमारी ने बताया कि युवक चलती ट्रेन से कूदने के दौरान हादसे का शिकार हुआ। उन्होंने कहा कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई से युवक को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सका।

किशनगंज में कुदरत का कहर: तेज आंधी-बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज में बीती रात मौसम ने अचानक करवट ली। तेज आंधी और मूसलाधार बारिश ने जिले में भारी तबाही मचाई। चक्रवाती तूफान की रफ्तार इतनी तेज थी कि शहर के कई हिस्सों में पेड़ उखड़ गए और बिजली के बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुँचा।

रेलवे कॉलोनी, डुमरिया, डुमरिया भट्टा, डे-मार्केट, बस स्टैंड, खगड़ा, माछमारा, हलीम चौक, लहरा चौक, धरामगंज और रुईधासा समेत शहर के कई इलाकों में तूफान का व्यापक असर देखा गया। कई जगहों पर बड़े पेड़ों की शाखाएं टूटकर मुख्य सड़कों पर गिर गईं, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया।

अंधेरे में डूबा शहर

तेज आंधी के कारण बिजली के तार टूट गए और कई स्थानों पर बिजली के पोल गिर गए। इसके चलते रात से ही शहर की बिजली आपूर्ति ठप है। उमस और गर्मी के बीच बिजली नहीं होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

राहत कार्य जारी

बिजली विभाग की टीमें युद्ध स्तर पर मरम्मत कार्य में जुटी हैं। अधिकारियों के अनुसार क्षतिग्रस्त लाइनों को दुरुस्त किया जा रहा है और जल्द ही शहर की बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। प्रशासन द्वारा गिरे हुए पेड़ों को हटाने का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है, ताकि यातायात सामान्य हो सके।

टाटानगर स्टेशन पर फूटा यात्रियों का गुस्सा, हस्ताक्षर अभियान से रेलवे के खिलाफ विरोध

ट्रेनों की भारी देरी से परेशान यात्रियों ने उठाई आवाज, सुधार न होने पर आंदोलन की चेतावनी

समाज जागरण चांद कुमार लायेक

जमशेदपुर, 26 अप्रैल 2026: टाटानगर रेलवे स्टेशन पर रविवार को रेल यात्रियों का आक्रोश खुलकर सामने आया। लगातार ट्रेनों की लेटलतीफी और अव्यवस्थित संचालन के विरोध में बड़े स्तर पर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। यह अभियान रेल यात्री संघर्ष समिति के बैनर तले आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों यात्रियों, स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लेकर रेलवे प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई।

पिछले कई दिनों से स्टेशन और आसपास के क्षेत्र में ट्रेनों का संचालन अत्यंत प्रभावित है। यात्रियों का आरोप है कि मात्र चार किलोमीटर की दूरी तय करने में ट्रेनों को तीन से चार घंटे तक का समय लग रहा है। भीषण गर्मी में घंटों ट्रेन में फंसे रहने से यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई है।

अभियान के दौरान यात्रियों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं। उन्होंने बताया कि ट्रेन यात्रा अब कष्टदायक हो चुकी है और समय पर गंतव्य तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। नौकरीपेशा, छात्र, मरीज और व्यापारी वर्ग इस अव्यवस्था से सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। देरी के कारण लोगों के जरूरी कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जिससे आर्थिक नुकसान और मानसिक तनाव बढ़ रहा है।

यात्रियों ने रेलवे प्रशासन पर समय पर सही जानकारी न देने का भी आरोप लगाया। उनका कहना है कि ट्रेन के आगमन और देरी को लेकर स्पष्ट सूचना नहीं मिलती, जिससे प्लेटफॉर्म पर अव्यवस्था और अफरा-तफरी का माहौल बना रहता है। ट्रेनों के भीतर पानी, पंखे और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि रेलवे की प्राथमिकता यात्रियों की सुविधा के बजाय केवल ट्रेनों को किसी तरह आगे बढ़ाने तक सीमित हो गई है। उनका आरोप है कि समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस योजना दिखाई नहीं दे रही है।

इस दौरान पश्चिमी जमशेदपुर के विधायक सरयू राय भी मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने यात्रियों की समस्याओं को गंभीर बताते हुए कहा कि रेलवे को समयबद्धता और यात्री सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो मामला उच्च स्तर पर उठाया जाएगा।

समिति ने बताया कि हस्ताक्षर अभियान के आधार पर एक ज्ञापन तैयार कर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपा जाएगा, जिसमें समय पर ट्रेन संचालन, स्टेशन क्षेत्र में जाम की समस्या समाप्त करने और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग शामिल होगी।

यात्रियों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य केवल विरोध करना नहीं, बल्कि अपनी समस्याओं का समाधान कराना है। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन होने के बावजूद इस प्रकार की अव्यवस्था ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अब सभी की नजर इस बात पर है कि यात्रियों के इस विरोध के बाद रेलवे प्रशासन क्या कदम उठाता है।

मानगो में एनएच-33 एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण से धूल का कहर, लोगों का आक्रोश

स्थानीय लोगों ने काम रुकवाया, नियमित जल छिड़काव और धूल नियंत्रण की मांग तेज

समाज जागरण चांद कुमार लायेक

जमशेदपुर, 26 अप्रैल 2026: जमशेदपुर के मानगो क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 33 पर बन रहे एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण कार्य से फैल रही भारी धूल ने स्थानीय लोगों का जीवन प्रभावित कर दिया है। बालीगुमा से पारडीह तक का पूरा क्षेत्र लगातार धूल के गुबार से घिरा रहने के कारण आम जनजीवन और आवागमन दोनों पर गंभीर असर पड़ रहा है।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान नियमित रूप से जल छिड़काव नहीं किया जा रहा है, जिसके कारण धूल का स्तर अत्यधिक

बढ़ गया है। कई बार दृश्यता इतनी कम हो जाती है कि सड़क पर कुछ ही दूरी देख पाना कठिन हो जाता है, जिससे छोटे-बड़े सड़क हादसे भी हो रहे हैं। धूल की इस समस्या से स्थानीय दुकानदारों, ठेला-खोमचा संचालकों और परिवहन से जुड़े लोगों की आय पर भी असर पड़ा है। कई छोटे व्यापारी मजबूर होकर अपनी दुकानें बंद करने को विवश हो गए हैं।

लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार निर्माण एजेंसी एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद स्थिति से आक्रोशित लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। पूर्व भाजपा नेता विकास सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग निर्माण स्थल पर पहुंचे और निर्माण कार्य को रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने मशीनों को घेरकर कार्य पूरी तरह बंद करा दिया। इसके बाद निर्माण एजेंसी और संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और तत्काल जल छिड़काव शुरू कराया।

विकास सिंह ने कहा कि एनएच-33 के किनारे रहने वाले लोगों का जीवन धूल के कारण अत्यंत कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि यदि जनप्रतिनिधि स्वयं इस मार्ग से यात्रा करें तो उन्हें वास्तविक स्थिति का अनुभव होगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक स्थायी समाधान नहीं निकाला जाता, आंदोलन जारी रहेगा। स्थानीय लोगों ने भी स्पष्ट किया है कि वे अब इस समस्या को अनदेखा नहीं होने देंगे और आवश्यकता पड़ने पर बड़ा आंदोलन करेंगे।

फिलहाल प्रशासन द्वारा राहत के तौर पर जल छिड़काव शुरू कर दिया गया है, लेकिन स्थानीय लोगों की मांग है कि धूल नियंत्रण के स्थायी उपाय किए जाएं और निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए।

साकची में नारायणा आईआईटी/नीट एकेडमी का बड़ा कदम, पूर्वी क्षेत्र का पहला फाउंडेशन सी.ओ. कार्यक्रम प्रारंभ

कक्षा 8 से 10 के विद्यार्थियों के लिए चयन आधारित विशेष प्रशिक्षण, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर जोर

समाज जागरण चांद कुमार लायेक

जमशेदपुर, 26 अप्रैल 2026: जमशेदपुर के साकची स्थित प्रमुख शैक्षणिक संस्थान नारायणा आईआईटी/नीट एकेडमी ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल करते हुए पूर्वी क्षेत्र (झारखंड, बिहार एवं ओडिशा) का पहला फाउंडेशन सी.ओ. कार्यक्रम प्रारंभ करने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम कक्षा 8वीं से 10वीं तक के विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है।

संस्थान के निदेशक संजय कुमार रंजन ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारंभिक स्तर से ही विद्यार्थियों की मजबूत शैक्षणिक नींव तैयार करना और उन्हें उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सक्षम बनाना है। उन्होंने कहा कि सही मार्गदर्शन मिलने पर विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

इस विशेष कार्यक्रम के तहत प्रत्येक कक्षा से केवल 20-20 मेधावी विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। चयन प्रक्रिया पूरी तरह योग्यता आधारित होगी, जिसमें लिखित परीक्षा और साक्षात्कार दोनों शामिल होंगे।

चयनित विद्यार्थियों के लिए सप्ताह में चार दिन नियमित कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इनमें विषयवार अध्ययन के साथ-साथ प्रश्न समाधान सत्र, अभ्यास सत्र तथा साप्ताहिक परीक्षण भी शामिल होंगे, जिससे उनकी प्रगति का नियमित मूल्यांकन किया जा सके।

कार्यक्रम में केवल शैक्षणिक विकास ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और मानसिक मजबूती पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

निदेशक ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को ओलंपियाड, राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे अभियान्त्रिकी एवं चिकित्सा प्रवेश परीक्षाओं के लिए प्रारंभ से ही तैयार करना है।

उन्होंने कहा कि संस्थान के पूर्व छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान की गुणवत्ता को सिद्ध किया है। जमशेदपुर केंद्र के छात्र मुकुल महतो ने इसी प्रणाली से तैयारी कर हाल ही में जेईई मेन 2026 में कोल्हान क्षेत्र में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। नारायणा एकेडमी ने कहा कि यह नया कार्यक्रम क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रतिस्पर्धात्मक तैयारी का बेहतर अवसर प्रदान करेगा, जिससे वे भविष्य में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकें।

सड़क हादसे के बाद बवाल, पुलिस पर हमला; छह आरोपी गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज जिले के पहाड़कट्टा थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना के बाद हुए बवाल और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 अप्रैल 2026 को सितलपुर चौक के समीप ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। घटना के विरोध में मृतक के परिजन और ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर कुछ असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया, जिससे क्षेत्र में विधि-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई। मामले में चौकीदार की सूचना, वीडियो फुटेज और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 32 नामजद तथा 200-250 अज्ञात लोगों के खिलाफ पहाड़कट्टा थाना कांड संख्या 84/26, दिनांक 24.04.2026 के तहत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस द्वारा उपलब्ध वीडियो फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है।

इस मामले में पुलिस ने छह नामजद आरोपियों–साबिर (35) पिता रहीमुद्दीन, साकिल (28) पिता जाहिद, फैयाज (22) पिता उमर अली, मो. जाहिद (22) पिता रबीउल, गुलाम नवी पिता गफूर (सभी निवासी ग्रहण खोदा/कदमगाछी) तथा जकी अनवर (40) पिता साहेब अख्तर निवासी शीतलपुर–को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न न करें और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुंचाएं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि कानून-व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।